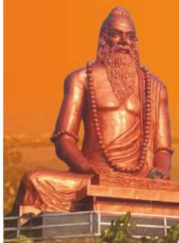

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

दिनांक : 01 अगस्त, 2024

हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

मुक्तविश्वविद्यालय मेंराजर्षि टंडन स्मृतिव्याख्यानमाला का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमेंबृहस्पतिवारदिनांक 01 अगस्त, 2024 कोभारतरत्नराजर्षिपुरुषोत्तम दास टंडन के जन्मदिवसपरसरस्वतीपरिसरस्थितअटलप्रेक्षागृहमेंराजर्षिपुरुषोत्तम दास टंडन स्मृतिव्याख्यानमाला के 17वें पुष्प का आयोजनकियागया । व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथिआचार्य त्रिभुवननाथ शुक्लाजी, पूर्वअध्यक्ष हिंदी एवंभाषाविज्ञानविभाग, रानीदुर्गावतीविश्वविद्यालय, जबलपुर, सारस्वतअतिथिश्रीअनंतविजय जी, वरिष्ठपत्रकार, नईदिल्ली एवंविशिष्टअतिथिउत्तरप्रदेशसरकार के पूर्वउच्चशिक्षा मंत्री डॉ0 नरेन्द्रकुमार सिंह गौरजीरहे।कार्यक्रम की अध्यक्षताकरतेहुए उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी ने की।

दीपप्रज्वलितकरकार्यक्रम का शुभारम्भकरतेहुए माननीय अतिथिगण

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए डॉ0 देवेशरंजन त्रिपाठी

माननीय अतिथियोंकोपुष्पगुच्छभेंटकरउनकास्वागतकरतेहुए प्रो0 अजेन्द्रमलिक

अतिथियों का स्वागतएवंकार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुतकरतेहुएआयोजनसमिति के समन्वयकप्रोफेसर एस कुमार

राजर्षि टंडन के जीवन वृत्तांतपरनिर्मितवृत्तचित्र का प्रदर्शन

राजर्षि टंडन दृढ़ निश्चयीथे–अनंतविजय

सारस्वतअतिथिश्रीअनंतविजय, वरिष्ठपत्रकार, नईदिल्ली ने कहाकिराजर्षि टंडन दृढ़ निश्चयीथे। टंडन जी का राजनीतिमेंप्रवेशहिंदीप्रेम के कारणहुआ ।वहहिंदीकोदेश की आजादी के पहलेआजादीप्राप्तकरने का साधनमानतेथे।

राजर्षि टंडन ने हिंदी की आजीवनसेवा की–डॉ0 नरेन्द्रकुमार सिंह गौर

विशिष्टअतिथिउत्तरप्रदेशसरकार के पूर्वउच्चशिक्षा मंत्री डॉ0 नरेन्द्रकुमार सिंह गौर ने कहाकिराजर्षि टंडन ने हिंदी की आजीवनसेवाकी।हिंदी का उनसेबड़ाकोईसमर्थकनहींथा।आज युवापीढ़ी को टंडन जी के बारेमेंजानने की आवश्यकताहै।उन्होंनेविष्वविद्यालय द्वारातैयारकराए गए वृत्तचित्र की सराहनाकी।कहाकिमहिलाओं की शिक्षा मेंमुक्तविष्वविद्यालय अग्रणी भूमिकानिभासकताहै।उन्होंनेआशाव्यक्त की कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम के नेतृत्वमेंविष्वविद्यालय

राजर्षि टंडन चाहतेथेहिंदीजन–जन की भाषाबने–प्रोफेसर शुक्ला

व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथिआचार्य त्रिभुवननाथ शुक्ला, पूर्वअध्यक्ष हिंदी एवंभाषाविज्ञानविभाग, रानीदुर्गावतीविश्वविद्यालय, जबलपुर ने भारतभारती के आराधकस्थितप्रज्ञराजर्षिविषय परव्याख्यानदेतेहुए कहाकिराजर्षि टंडन चाहतेथेकिहिंदीकोराष्ट्रभाषा का दर्जामिलेऔरवहजनजन की भाषाबने।वहहिंदीकोपूर्ण रूप से स्थापितकरनाचाहतेथे। उनके व्यक्तित्वमें दृढ़ताथीजो उनके पत्रोंमेंभीझलकतीथे। इस तरह के पत्र उन्होंनेगांधीजी एवंजवाहरलालनेहरु कोलिखेथे।प्रोफेसर शुक्ला ने कहाकि टंडन की जैसाबोलतेथेवैसाहीलिखतेथे।उनकीभाषामें व्यंजना के संदेशसाफपरिलक्षितहोतेथे।आजहमसभीको टंडन जी के आदर्शोंकोआत्मसातकरनाचाहिए।

माननीय अतिथियोंकोअंगवस्त्र, पौधा एवंस्मृतिचिन्हभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी

माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी एवंउनकी धर्मपत्नी श्रीमती सीमाजीकोअंगवस्त्र एवंपौधा भेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए विष्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

राजर्षि टंडन महिलाओं की शिक्षा के हिमायतीथे– प्रो0 सत्यकाम

कार्यक्रम की अध्यक्षताकरतेहुए उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविष्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रो0 सत्यकाम ने कहाकिराजर्षि टंडन महिलाओं की शिक्षा के हिमायतीथे। यह विष्वविद्यालय उनके आदर्शोंपरचलकरअधिक से अधिकमहिलाओंकोप्रवेशदेने के लिए सततप्रयासरतहै।इसकेलिए हमगांवगांवतकअपनीपहुंचबनारहेहैं।जिससेराजर्षि के आदर्शकोपूराकरसकें।देशकोआगे बढ़नाहैतोमहिलाओंकोशिक्षितकरनाहोगा।

इस अवसरपर एकमाहतकचलीराजर्षि टंडन के जीवन चरित्र से संबंधितनिबंध, कविता, लेख, रेखा चित्र तथापेंटिंगप्रतियोगितामेंप्रथम, द्वितीय एवंतृतीय स्थानपानेवालेविजेताओंनवाजअहमद, मिशिका टंडन, अगम्य मलिक, नेहागुप्ता, वैष्णवीपटेल, अभिनय कुमार, राम लखनकुशवाहा, प्रमोद द्विवेदी एवंतनु द्विवेदीकोप्रमाणपत्र एवंनगदपुरस्कारदेकरसम्मानितकियागया।

इस अवसरपरअतिथियों द्वाराविश्वविद्यालय के शिक्षकों डॉ0जी के द्विवेदी, डॉ0गौरवसंकल्प, डॉ0सोहनीदेवी, डॉ0साधनाश्रीवास्तव की पुस्तकमर्यादापुरुषोत्तम श्रीरामआचार्यचाणक्य कौटिल्य एवंकोर्ट का वर्णनतथाकहानीसंग्रहरास्तेमिलेंगे का विमोचनकियागया।

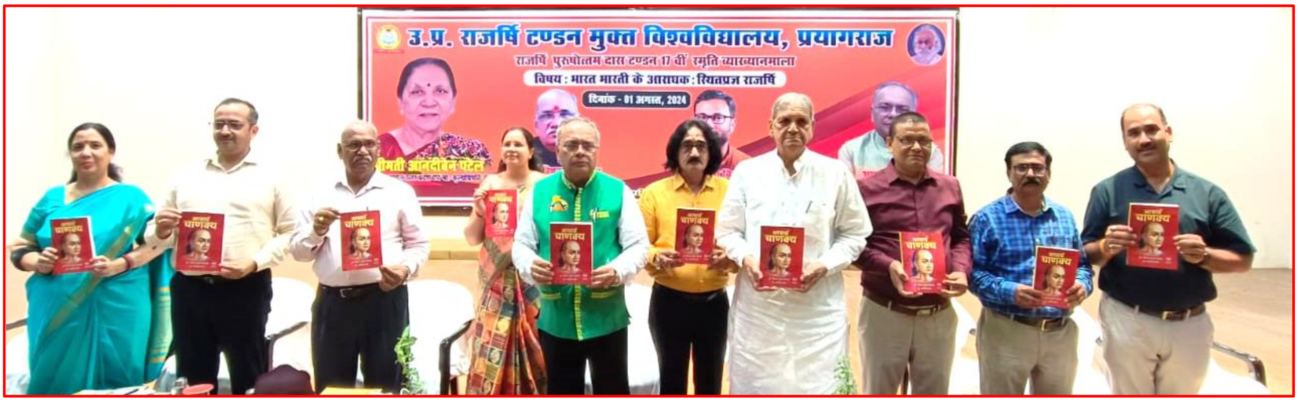

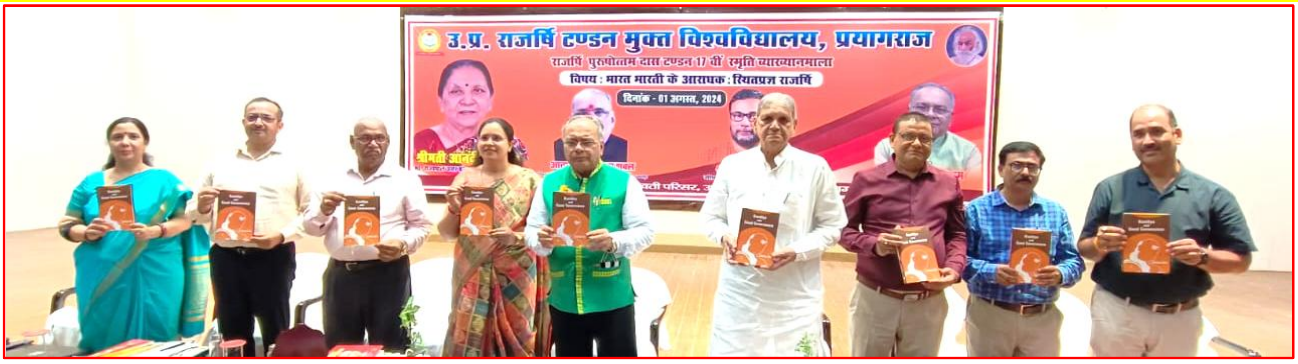

इस अवसरपरकुलपति एवंअन्य अतिथियों द्वाराअटलप्रेक्षागृहमेंराजर्षि टंडन परआधारितपुस्तकप्रदर्शनी का शुभारंभकियागया।इसकेसाथहीराजर्षि टंडन के जीवन वृत्तांतपरनिर्मितवृत्तचित्र का प्रदर्शनकियागया।जन्मदिवससमारोहमेंहिंदुस्तानी एकेडमी के सहयोग से ख्यातिलब्धकलाकारों द्वारासांस्कृतिकसंध्या का आयोजनकियागया।

राजर्षि टंडन परआधारितपुस्तकप्रदर्शनी

सांस्कृतिककार्यक्रम

धन्यवादज्ञापितकरतेहुए कुलसचिवकर्नलविनय कुमार

राजर्षिटण्डनजी की प्रतिमापरमाल्यार्पणकरतेहुए माननीय अतिथिगण

वृक्षा रोपण

राजर्षि टंडन जन्मदिवसआयोजनसमिति के समन्वयकप्रोफेसर एस कुमार ने प्रारंभमेंअतिथियों का स्वागतकरतेहुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुतकी।कार्यक्रम का संचालन डॉ देवेशरंजन त्रिपाठीतथाधन्यवादज्ञापनकुलसचिवकर्नलविनय कुमार ने किया। इस अवसरपरराजर्षि टंडन के पौत्रवधू डॉ शशी टंडन, राजर्षि टंडन महिलामहाविद्यालय की प्राचार्यडॉक्टररंजना त्रिपाठी, गोपालजीपांडेय, प्रोफेसरआशुतोषगुप्ता, श्रीमती पूनममिश्राआदिउपस्थितरहे।

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 2 अगस्त, 2024

राजर्षि टंडन चाहते थे जन जन की भाषा बने हिंदी

मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यान माला का आयोजन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के जन्म दिवस पर सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन स्मृति व्याख्यान माला के 17वें पुष्प का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि आचार्य त्रिभुवन नाथ शुक्ला पूर्व अध्यक्ष हिंदी एवं भाषा विज्ञान विभाग रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर ने भारत भारती के आराधक स्थित प्रज्ञ राजर्षि विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि राजर्षि टंडन चाहते थे कि हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा मिले और वह जन जन की भाषा बने। वह हिंदी को पूर्ण रूप से स्थापित करना चाहते थे। उनके व्यक्तित्व में दृढ़ता थी जो उनके पत्रों में भी झलकती थी। इस तरह के पत्र उन्होंने गांधी एवं जवाहर लाल नेहरु को लिखे थे। प्रो शुक्ला ने कहा कि टंडन की जैसा बोलते थे वैसा ही लिखते थे। सारस्वत अतिथि अनंत विजय वरिष्ठ पत्रकार नई दिल्ली ने कहा कि राजर्षि टंडन दृढ़ निश्चयी थे। वह हिंदी को देश की आजादी के पहले आजादी प्राप्त करने का साधन मानते थे। विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ नरेन्द्र कुमार सिंह गौर ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी की आजीवन सेवा की। हिंदी का उनसे बड़ा कोई समर्थक नहीं था। आज युवा पीढ़ी को टंडन के बारे में जानने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सत्यकाम ने कहा कि राजर्षि टंडन महिलाओं की शिक्षा के हिमायती थे। कुलपति एवं अन्य अतिथियों द्वारा अटल प्रेक्षागृह में राजर्षि टंडन पर आधारित पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। साथ ही राजर्षि टंडन के जीवन वृत्तांत पर निर्मित वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर एक माह तक चली राजर्षि टंडन के जीवन चरित्र से संबंधित निबंध कविता लेख रेखा चित्र तथा पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले विजेताओं नवाज अहमद मिशिका टंडन अगम्य मलिक नेहा गुप्ता वैष्णवी पटेल अभिनय कुमार राम लखन कुशवाहा प्रमोद द्विवेदी एवं तनु द्विवेदी को प्रमाण पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों डॉ जी के द्विवेदी डॉ गौरव संकल्प डॉ सोहनी देवी डॉ साधना श्रीवास्तव की पुस्तक मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम आचार्य चाणक्य कौटिल्य एवं कोर्ट का वर्णन तथा कहानी संग्रह रास्ते मिलेंगे का विमोचन किया गया। स्वागत समन्वयक प्रो एस कुमार ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ शशी टंडन डॉ रंजना त्रिपाठी गोपाल जी पांडेय प्रो आशुतोष गुप्ता पूनम मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

दिनांक : 02 अगस्त, 2024

ijh{kk lfefr dh 36oha cSBdvk;ksftr

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की 36वीं बैठकदिनांक02 अगस्त, 2024कोअपराह्न 03:00 बजेकमेटी कक्ष मेंआहूत की गई।बैठक की अध्यक्षतामाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने की।बैठकमेंपरीक्षा से सम्बन्धितकईमहत्वपूर्णनिर्णय लियेगये।

ijh{kk lfefr dh cSBd dh v/;{krkdjrsgq,dqyifrt h ,oacSBdesamifLFkr ekuuh; InL;x.kA

cSBdesafo'ofo|ky; ds izks0 vk'kqrks"kxqIrk] funs'kd] foKkufoKkufo|k'kk[kk] izks0 lR;ikyfrokjh] funs'kd] ekufodhfo|k'kk[kk] izks0 iz'kkUrdqekjLVkfyu] funs'kd] f'k{kk fo|k'kk[kk] MkW0 th0 ds0 f}osnh] ,lksfl,VizksQslj] f'k{kk fo|k'kk[kk] MkW0 nsos'kjatu f=kikBh] ,lksfl,VizksQslj] izcU/ku v/;;u fo|k'kk[kk] a

दिनांक : 02 अगस्त, 2024

प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयकों की कार्यशाला

आयोजित

विकसितभारत की संकल्पनादूरस्थशिक्षा से होगीपूर्ण–कुलपति

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रप्रयागराजसे सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों के प्रार्यो एवंसमन्वयको की कार्यशालादिनांक 02 अगस्त, 2024 कोप्रयागराजमेंआयोजित की गयी।कार्यशाला की अध्यक्षताविश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी ने की।

प्रारम्भमेंकार्यशाला की रूपरेखा तथाअतिथियों का स्वागत क्षेत्रीय केन्द्रप्रभारी डॉ दिनेश सिंह ने किया। डॉ जी के द्विवेदी ने महत्वपूर्णसुझाव दिए।

इस अवसरपरकुलगीतनिकेत सिंह ने, डॉ स्मिताअग्रवाल एवंधन्यवादज्ञापन क्षेत्रीय केंद्रप्रयागराज के समन्वयक डॉ अभिषेक सिंह ने किया।

दीपप्रज्वलितकरकार्यक्रमकाशुभारम्भकरतेहु माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी

सरस्वतीवन्दनाप्रस्तुतकरतेहुए डॉ0 अनिकेत

कार्यशाला का संचालनकरतीहुई डॉ0 स्मिताअग्रवाल

विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुति

कार्यशाला की रूपरेखा तथाअतिथियों का स्वागतकरतेहुए क्षेत्रीय केन्द्र, प्रयागराज के प्रभारी डॉ0 दिनेश सिंह

माननीय अतिथियोंकोपुष्पगुच्छभेंटकरउनकास्वागतकरते हुए प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0

इस अवसरपरकेन्द्रसमन्वयकप्रोफेसरमान सिंह, डॉ वीरेंद्रमिश्रा, डॉ राम लखनपाल, डॉ गयाप्रसादगुप्ता, डॉ धीरज सिंह, डॉ मुनेशगुप्ताआदि ने महत्वपूर्णसुझाव प्रस्तुतकिये।केंद्रसमन्वयकों ने विश्वविद्यालय के विकासमेंमहत्वपूर्णभूमिकानिभाने के लिए कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम का स्मृतिचिह्नदेकरसम्मानकिया।

इस अवसरपरप्रवेशप्रभारी प्रो0 जे0 पी0 यादव ने बतायाकिविश्वविद्यालय ने इस सत्र से योगमेंडिप्लोमाऔरप्रमाणपत्र कार्यक्रमफिर से प्रारंभकरदियाहै।उन्होंनेकहाकिविश्वविद्यालय का लोकप्रिय कार्यक्रम एम ए होमसाइंसजनवरी 2025 मेंपुनप्रारंभकियाजाएगा।

विकसितभारत की संकल्पनादूरस्थशिक्षा से होगीपूर्ण–कुलपति

2047 तकविकसितभारत की संकल्पनादूरस्थशिक्षा के माध्यम से हीपूर्ण की जासकतीहै।इसमेंदूरस्थशिक्षा माध्यम से जुड़ेअध्ययन केंद्रसमन्वयकों का योगदानअत्यंतमहत्वपूर्णहै।

उक्तउद्गारउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने शुक्रवारकोप्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गतआनेवालेअध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों के लिए आयोजितनामांकन, संवाद, सम्पर्क एवंसम्प्रेषणविषय परआयोजितकार्यशालामेंव्यक्तकिये।

प्रोफेसरसत्यकामजीने कहाकिदूरस्थशिक्षा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशामेंअपनासंपूर्ण योगदान दे रहीहै।दूरस्थशिक्षा के माध्यम से उच्चशिक्षा की साक्षरतादरको बढ़ानेमेंउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रदेशभरमेंफैलेअपनेअध्ययन केंद्रों के माध्यम से महतीभूमिकानिभारहाहै।

प्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिपाठ्यसामग्री के बिनादूरस्थशिक्षा का लक्ष्य पूरानहींकियाजासकता।विश्वविद्यालय के सभीकार्यक्रमोंमें स्व अध्ययन सामग्रीलेखन के कार्यमेंसभीशिक्षकसक्रिय भूमिकानिभारहेहैं।कुलपति ने छात्रों की समस्याओं के निदान के लिए ग्रीवांसपोर्टल के गठन की घोषणाकी।उन्होंनेकहाकि इस पोर्टल का पर्यवेक्षणवेस्वयंकरेंगे।उन्होंनेसभीकेंद्रसमन्वयकों से अपेक्षा की किवहसमर्थपोर्टलपरविश्वविद्यालय के एक लाख प्रवेश के लक्ष्य कोपूराकरनेमेंअपनासहयोगप्रदानकरें।उन्होंनेकहाकिसीधेसंवाद से कईसमस्याओं का समाधानहोजाताहै।समन्वयकों के सामनेजोभीसमस्याएंआएंगीविश्वविद्यालय उनकाहरतरह से निदानप्रस्तुतकरेगा।

धन्यवादज्ञापितकरतेहुए क्षेत्रीय केंद्रप्रयागराज के समन्वयक डॉ0अभिषेक सिंह

राष्ट्रगान

दिनांक : 03 अगस्त, 2024

कानपुर क्षेत्र के समन्वयकों की कार्यशालाआयोजित

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रकानपुर से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यो एवंसमन्वयको की कार्यशालादिनांक 03 अगस्त, 2024 को क्षेत्रीय केन्द्रकानपुरमेंआयोजित की गयी।कार्यशाला की अध्यक्षताविश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी ने की।

कार्यशालामेंविश्वविद्यालय से प्रवेशप्रभारी प्रो0 जे0 पी0 यादव एवं डॉ0 गिरीशकुमार द्विवेदी ने विश्वविद्यालय की नवीन योजनाओं की जानकारीदेतेहुए समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधानकिया।

क्षेत्रीय केंद्रकानपुर के अंतर्गतआनेवालेसमस्त 9 जिलोंकानपुर, कानपुरदेहात ,औरैया, इटावा, हमीरपुर, कन्नौज, उन्नाव, फर्रुखाबाद, फतेहपुर के उपस्थितरहे।नामांकनःसंवाद,संपर्क, एवंसंप्रेषणविषय परआयोजितकार्यशालामेंआए हुए प्राचार्य एवंसमन्वयकों डॉ0 अमित द्विवेदी, डॉ0 विकास सिंह, डॉ0 विजय प्रताप सिंह, डॉ0 संदीपकुमार, समीरकुमार जय मंगल सिंह, डॉ0 वंदनाकुमारीआदि ने केंद्रोंपरआनेवालेविभिन्नसमस्याओंकोइंगितकरतेहुए कईमहत्वपूर्णसुझाव दिए।

प्रारंभमेंकार्यक्रम का संचलन डॉ0 विपिन ने कियातथाअतिथियों का स्वागत एवं धन्यवादज्ञापितकानपुर क्षेत्रीय केंद्र की समन्वयक डॉ रेखा त्रिपाठी ने किया।

कार्यशाला का संचालनकरतेहुए डॉ0 विपिन

विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुति

कार्यशाला की रूपरेखा तथाअतिथियों का स्वागतकरतीहुई क्षेत्रीय केन्द्र, कानपुर की समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी

माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजीकोपौधा भेंटकरउनकासम्मानकरतीहुईकानपुर की क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी

इस अवसरपरनामांकनः संवाद, संपर्क, एवंसंप्रेषणविषय परआयोजितकार्यशालामेंआए हुए केन्दों के प्राचार्य एवंसमन्वयकगणों ने केंद्रोंपरआनेवालेविभिन्नसमस्याओंकोइंगितकरतेहुए कईमहत्वपूर्णसुझाव दिए।

प्रो0 जे0 पी0 यादव

कार्यशालामेंविश्वविद्यालय से प्रवेशप्रभारी प्रो0 जे0 पी0 यादव एवं डॉ0 गिरीशकुमार द्विवेदी ने विश्वविद्यालय की नवीन योजनाओं की जानकारीदेतेहुए समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधानकिया।

डॉ0 गिरीशकुमारद्विवेदी

उद्योगजगत के सहयोग से मुक्तविश्वविद्यालय कोबनाएंगेस्किलहब–कुलपति

कार्यशाला के मुख्य अतिथिउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीने कहाकिमुक्तविश्वविद्यालय कोस्किलहबबनानाहै।इसकेलिए विश्वविद्यालय कानपुर क्षेत्र के उद्योगजगत के साथजुड़करकौशलपरकशिक्षा प्रदानकरेगा।

उन्होंनेकहाकि 14 राज्य मुक्तविश्वविद्यालय इस बात से सहमतहैंकिदूरस्थशिक्षा प्रदानकरने का दायित्वमुक्तविश्वविद्यालयों का हीहोनाचाहिए।

द्विपद्धतिय शिक्षणप्रणालीपूरीव्यवस्थापरसंकटहै। इस संबंधमें यूजीसी से अपील की गईहैकिवह इस परपुनर्विचारकरे।दूरस्थशिक्षा दर्शनमेंशिक्षा की गुणवत्ता की शिक्षार्थियोंतकपहुंचउत्कृष्ट स्व अध्ययन सामग्री के द्वारापूरी की जासकतीहै।पूरेप्रदेशमेंउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय ही एकमात्र ऐसाविश्वविद्यालय हैजोअपनेछात्रोंको स्व अध्ययन सामग्रीप्रदानकररहाहै।इसकेलिए विश्वविद्यालय के सभीशिक्षक स्व अध्ययन सामग्रीतैयारकरनेमेंसक्रिय हैं।

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

राष्ट्रगान

क्षेत्रीय केन्द्रकानपुरपरपौधा रोपणकरतेहुए माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी

दिनांक : 04अगस्त, 2024

झॉसी क्षेत्र के समन्वयकों की कार्यशालाआयोजित

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रझॉसी से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यो एवंसमन्वयको की कार्यशालादिनांक 04 अगस्त, 2024 कोबुन्देलखण्डमहाविद्यालय, झॉसीमेंआयोजित की गयी।कार्यशाला की अध्यक्षताविश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी ने की।

कार्यशालामेंविश्वविद्यालय से प्रवेशप्रभारी प्रो0 जे0 पी0 यादव एवं डॉ0 गिरीशकुमार द्विवेदी ने विश्वविद्यालय की नवीन योजनाओं की जानकारीदेतेहुए समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधानकिया।

महाविद्यालय प्राचार्यप्रो० एस० के राय ने कहाकिशिक्षार्थियो के लिए शैक्षिक योग्यता एवंनियोक्ताओं की पूर्तिहेतुमुक्तशिक्षा एक सर्वोत्तमविकल्पहै।

इस अवसरपरविभिन्नअध्ययन केन्द्रों से आयेहुयेप्राचार्य एवंसमन्वयकों ने अध्ययन केन्द्रों की समस्याओं से विश्वविद्यालय कोअवगतकराया।

प्रारम्भमेंकार्यशाला का संचालन प्रो0 डी0पी0 सिंह परिहार ने कियातथा क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयकडॉ०पुष्पेन्द्रकुमारवर्मा ने सभीअतिथियों का स्वागत एवंकार्यशाला की विषयवस्तु की आख्या कोप्रस्तुतकिया।कार्यशालामेंमुख्य रूप से विपिनबिहारीडिग्रीकालेज के प्राचार्यप्रो०टी०के० शर्मा, केन्द्रसमन्वयकडॉ०मुकेशश्रीवास्तव, रामपटेलमहाविद्यालय के समन्वयकश्रीविकासप्रजापति, राजकीय महिलामहाविद्यालय बांदा के समन्वयकडॉ०सबीहारहमानी, राजकुमारमहाविद्यालय के समन्वयकडॉ०संजय सिंह, माँ शारदामहाविद्यालय से विजय गौतम, वीरभूमिडिग्रीकालेजमहोबा से डॉ०प्रदीपकुमारआदिलोग ने मंच से अपनेविचार रखें।

अंत मेंआभारबुन्देलखण्डमहाविद्यालय अध्ययन केन्द्रसमन्वयकडॉ०प्रतिमा सिंह परमार ने किया। इस अवसरपरडॉ०शिल्पी शर्माडॉ०रणजीत सिंह क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारीश्रीशिवकुमारकुशवाहाश्रीअतुलदुबेआदिलोगउपस्थितरहे।

दीपप्रज्वलित करकार्यशाला का शुभारम्भ करतेहुए माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी एवं सरस्वतीवन्दना प्रस्तुतकरतीहुई छात्रायें

कार्यशाला का संचालनकरतेहुए प्रो0 डी0पी0 सिंह परिहार

स्वागतगीत की प्रस्तुति

कार्यशाला की रूपरेखा तथाअतिथियों का स्वागतकरतेहुए क्षेत्रीय केन्द्र, झाँसी के समन्वयकडॉ०पुष्पेन्द्रकुमारवर्मा

माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजीकोपुष्पगुच्छ एवंस्मृतिचिन्हभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए समन्वयकगण

महाविद्यालय प्राचार्यप्रो० एस० के राय ने कहाकिशिक्षार्थियो के लिए शैक्षिक योग्यता एवंनियोक्ताओं की पूर्तिहेतुमुक्तशिक्षा एक सर्वोत्तमविकल्पहै।

इस अवसरपरनामांकनः संवाद, संपर्क, एवंसंप्रेषणविषय परआयोजितकार्यशालामेंआए हुए केन्दों के प्राचार्य एवंसमन्वयकगणों ने केंद्रोंपरआनेवालेविभिन्नसमस्याओंकोइंगितकरतेहुए कईमहत्वपूर्णसुझाव दिए।

प्रो0 जे0 पी0 यादव

कार्यशालामेंविश्वविद्यालय से प्रवेशप्रभारी प्रो0 जे0 पी0 यादव एवं डॉ0 गिरीशकुमार द्विवेदी ने विश्वविद्यालय की नवीन योजनाओं की जानकारीदेतेहुए समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधानकिया।

डॉ0 गिरीशकुमारद्विवेदी

ग्रामीण क्षेत्र एवंविशेष रुप से महिलाओंकोशिक्षा उपलब्ध करानाहमाराउद्‌देश्य है– प्रो0 सत्यकाम

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

उत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय के कुलपतिप्रो०सत्यकामजी का क्षेत्रीय केन्द्रझाँसी के अंतर्गतआनेवालेअध्ययन केन्द्रों की एक दिवसीय कार्यशाला के विषय नामांकनः संवाद, सम्पर्क एवंसम्प्रेषणमेंमुख्य अतिथि के रूपमेंबुन्देलखण्डमहाविद्यालय झाँसीमेंआगमनहुआ। इस अवसरपरउन्होंनेनवाचार के प्रयोगपर बल देतेहुयेकहाकिशिक्षा के सर्वसुलभबनाने के उद्देश्य से जनजागरूकता की आवश्यकताहै ।विश्वविद्यालय, महाविद्यालय इस कार्यकोसंयुक्त रूप से सम्पादितकरेगें।

उन्होंनेकहाकिपूरेप्रदेशमेंउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय ही एकमात्र ऐसाविश्वविद्यालय हैजोअपनेछात्रोंको स्व अध्ययन सामग्रीप्रदानकररहाहै ।इसकेलिए विश्वविद्यालय के सभीशिक्षक स्व अध्ययन सामग्रीतैयारकरनेमेंसक्रिय हैं।

माननीय कुलपतिजी ने कहाकिदूरस्थशिक्षा दर्शनमेंशिक्षा की गुणवत्ता की शिक्षार्थियोंतकपहुंचउत्कृष्ट स्व अध्ययन सामग्री के द्वारापूरी की जासकतीहै।

उन्होंनेकहाकिग्रामीण क्षेत्र एवंविशेष रुप से महिलाओंकोशिक्षा उपलब्ध करानाहमाराउद्‌देश्य है।

आभारव्यक्तकरतीहुईबुन्देलखण्डमहाविद्यालय अध्ययन केन्द्रसमन्वयकडॉ०प्रतिमा सिंह परमार

राष्ट्रगान

पत्रकारवार्ता

वर्ष : 30 | अंक :273
प्रतापगढ़ | रविवार , 4 अगस्त-2024
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग

प्रतापगढ़, लखनऊ, कौशाम्बी एवं प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित
R.N.I. No. : 71870/94

संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

उद्योग जगत के सहयोग से मुक्त विश्वविद्यालय को बनाएंगे स्किल हब- कुलपति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले समस्त अध्ययन केन्द्रों की एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन शनिवार को क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर पर आयोजित की गयी। कार्यशाला के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को स्किल हब बनाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय कानपुर क्षेत्र के उद्योग जगत के साथ जुड़कर कौशल परक शिक्षा प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि 14 राज्य मुक्त विश्वविद्यालय इस बात से सहमत हैं कि दूरस्थ शिक्षा प्रदान करने का दायित्व मुक्त विश्वविद्यालयों का ही होना चाहिए। कार्यशाला में विश्वविद्यालय से प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर जे पी यादव एवं डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने विश्वविद्यालय की नवीन योजनाओं की जानकारी देते हुए समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले समस्त 9 जिलों कानपुर, कानपुर देहात, औरैया, इटावा, हमीरपुर, कन्नौज, उन्नाव, फर्रुखाबाद, फतेहपुर के उपस्थित रहे। नामांकन, संवाद, संपर्क एवं संप्रेषण विषय पर आयोजित कार्यशाला में आए हुए प्राचार्य एवं समन्वयकों डॉ अमित द्विवेदी, डॉ विकास सिंह, डॉ विजय प्रताप सिंह, डॉ संदीप कुमार, समीर कुमार जय मंगल सिंह, डॉ वंदना कुमारी आदि ने केंद्रों पर आने वाले विभिन्न समस्याओं को इंगित करते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत कानपुर क्षेत्रीय केंद्र की समन्वयक डॉ रेखा त्रिपाठी ने किया।

उप्र राजर्षि मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने रखे अपने विचार।

'सामान्य विवि को डिस्टेंस लर्निंग देने पर पुनर्विचार हो'

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) नैक में ए-प्लसप्लस ग्रेड प्राप्त करने वाले विश्वविद्यालयों को डिस्टेंस लर्निंग की मान्यता दे रहा है। इस फैसले पर यूजीसी को पुनर्विचार करना चाहिए। इसके लिए यूजीसी चेयरमैन से बात कर अपील की गई है। यह बात शनिवार को कानपुर आए उप्र राजर्षि मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कही। कहा, डिस्टेंस एजुकेशन का जिम्मा मुक्त विवि का है। केशव नगर स्थित विवि के क्षेत्रीय केंद्र में कुलपति प्रो. सत्यकाम ने सेमिनार में प्रवेश से लेकर कई टॉपिक्स पर चर्चा की। इस मौके पर कानपुर रीजनल कोआर्डिनेटर डॉ. रेखा त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

सॉफ्ट कॉपी से करो पढ़ाई, ट्यूशन फीस में 15 फीसदी छूट : प्रो. सत्यकॉम ने कहा कि विवि छात्रों को स्टडी मैटेरियल की प्रिंटेड कॉपी उपलब्ध कराता है। जो छात्र इस बार सॉफ्ट कॉपी से ही पढ़ाई करेंगे, उन्हें ट्यूशन फीस में 15 फीसदी की छूट दी जा रही है।

Prayagraj राजर्षि टंडन चाहते थे हिन्दी जन-जन की भाषा बने : प्रो त्रिभुवन शुक्ला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के जन्म दिवस

streetbuzz.co.in

राजर्षि टंडन चाहते थे हिन्दी जन-जन की भाषा बने : प्रो त्रिभुवन शुक्ला

https://streetbuzz.co.in/newsapp//view/post:508776

20:10

अनुराग दर्शन
www.anuragdarshan.com

उद्योग जगत के सहयोग से मुक्त विश्वविद्यालय को बनाएंगे स्किल हब- कुलपति

कानपुर क्षेत्र के समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले समस्त अध्ययन केन्द्रों की एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन शनिवार को क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर पर आयोजित की गयी। कार्यशाला के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को स्किल हब बनाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय कानपुर क्षेत्र के उद्योग जगत के साथ जुड़कर कौशल परक शिक्षा प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि 14 राज्य मुक्त विश्वविद्यालय इस बात से सहमत हैं कि दूरस्थ शिक्षा प्रदान करने का दायित्व मुक्त विश्वविद्यालयों का ही होना चाहिए। कार्यशाला में विश्वविद्यालय से प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर जे पी यादव एवं डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने विश्वविद्यालय की नवीन योजनाओं की जानकारी देते हुए समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले समस्त 9 जिलों कानपुर, कानपुर देहात, औरैया, इटावा, हमीरपुर, कन्नौज, उन्नाव, फर्रुखाबाद, फतेहपुर के उपस्थित रहे। नामांकन, संवाद, संपर्क एवं संप्रेषण विषय पर आयोजित कार्यशाला में आए हुए प्राचार्य एवं समन्वयकों डॉ अमित द्विवेदी, डॉ विकास सिंह, डॉ विजय प्रताप सिंह, डॉ संदीप कुमार, समीर कुमार जय मंगल सिंह, डॉ वंदना कुमारी आदि ने केंद्रों पर आने वाले विभिन्न समस्याओं को इंगित करते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत कानपुर क्षेत्रीय केंद्र की समन्वयक डॉ रेखा त्रिपाठी ने किया।

हिन्दी दैनिक
प्रयागराज से प्रकाशित
उजाला शिखर
खबर गहराईयों की
वर्ष : 02, अंक : 31 प्रयागराज, रविवार 04 अगस्त 2024 पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रुपया

उद्योग जगत के सहयोग से मुक्त विश्वविद्यालय को बनाएंगे स्किल हब - कुलपति

कानपुर क्षेत्र के समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित

उजाला शिखर संवाददाता
प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले समस्त अध्ययन केन्द्रों की एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन शनिवार को क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर पर आयोजित की गयी। कार्यशाला के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को स्किल हब बनाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय कानपुर क्षेत्र के उद्योग जगत के साथ जुड़कर कौशल परक शिक्षा प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि 14 राज्य मुक्त विश्वविद्यालय इस बात से सहमत है कि दूरस्थ शिक्षा प्रदान करने का दायित्व मुक्त विश्वविद्यालयों का ही होना चाहिए।द्विपद्धतिय शिक्षण प्रणाली पूरी व्यवस्था पर संकट है। इस संबंध में यूजीसी से अपील की गई है कि वह इस पर पुनर्विचार करे। दूरस्थ शिक्षा दर्शन में शिक्षा की गुणवत्ता की शिक्षार्थियों तक पहुंच उत्कृष्ट स्व अध्ययन सामग्री के द्वारा पूरी की जा सकती है। पूरे प्रदेश में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ही एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जो अपने छात्रों को स्व अध्ययन सामग्री प्रदान कर रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक स्व अध्ययन सामग्री तैयार करने में सक्रिय हैं। कार्यशाला में विश्वविद्यालय से प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर जे पी यादव एवं डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने विश्वविद्यालय की नवीन योजनाओं की जानकारी देते हुए समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले समस्त 9 जिलों कानपुर, कानपुर देहात ,औरैया, इटावा, हमीरपुर, कननैज, उननव, फर्रुखाबाद , फतेहपुर के उपस्थित रहे। नामांकनः संवाद ,संपर्क, एवं संप्रेषण विषय पर आयोजित कार्यशाला मे आए हुए प्राचार्य एवं समन्वयकों डॉ अमित द्विवेदी, डॉ विकास सिंह, डॉ विजय प्रताप सिंह, डॉ संदीप कुमार, समीर कुमार जय मंगल सिंह, डॉ वंदना कुमारी आदि ने केंद्रो पर आने वाले विभिनन्‍ समस्याओं को इंगित करते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। प्रारंभ मे अतिथियों का स्वागत कानपुर क्षेत्रीय केंद्र की समन्वयक डॉ रेखा त्रिपाठी ने किया।

R.N.I. NO-UPHIN/2023/84746
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
प्रयागराज से प्रकाशित
लक्ष्य समग्र
LS NEWS
Tweeter - @lsnews24 | http://youtube.com/@LSNewslive | Website - lakshyasamagra.com | Facebook - http://www.facebook.com/lsnews24
वर्ष : 02 अंक : 125 प्रयागराज, गुरूवार 01 अगस्त 2024 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रूपया

सागर की तरह है प्रेमचंद्र का कथा साहित्य -प्रोफेसर रामकिशोर शर्मा

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रेमचंद्र के कथा साहित्य पर संगोष्ठी

लक्ष्य समग्र

प्रयागराज - उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज के मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को वर्तमान संदर्भ में प्रेमचंद्र के कथा साहित्य की प्रासंगिकता विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया।उक्त संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रोफेसर रामकिशोर शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग,इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि प्रेमचन्द का कथा साहित्य सागर की तरह है। समाज का कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है जिसे उन्होंने स्पर्श न किया हो। उनकी रचनाओं में दहेज प्रथा,बेमेल विवाह,पराधीनता,लगान, छुआछूत,जाति भेद,विधवा विवाह, आधुनिकता,स्त्री पुरुष समानता आदि

उस दौर की प्रमुख समस्याओं का चित्रण मिलता है। प्रोफेसर शर्मा ने कहा कि प्रेमचंद्र ने अपनी कहानियों उपन्यासों में सामाजिक व्यवस्था का बखूबी चित्रण किया है।वह अंजना व्यंजनात्मक रूप से समस्या को उभारकर सामने रखते थे।उन्होंने कहा कि प्रेमचंद प्रगतिशील थे और अपने समय के यथार्थ की गहराई को पहचानते थे।अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास में राष्ट्र की परिकल्पना झलकती है और हमें उसका अनुसरण करना चाहिए। प्रेमचंद्र के साहित्य का सबको अध्ययन करना चाहिए।उनकी रचनाओं को जब समाजशास्त्री,वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री एवं समाज सुधारक पढ़ते हैं, चिंतन करते हैं तो उसका अलग पर्याय होता है जो कि समाज हित में होता है।कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि प्रेमचन्द्र की रचनाएं कालजयी हैं। वे जनता की आवाज को अपनी रचनाओं में प्रमुखता से वयक्त करते थे। उनका उपन्यास सोजे वतन राष्ट्रीयता से ओतप्रोत था।संगोष्ठी का संचालन आयोजन सचिव अनुपम तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक,शिक्षक,कर्मचारियों छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI No.-UPHIN/2020/82181
www.harbaatnews.com
हरबात
प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 04 अंक : 239 प्रयागराज, गुरुवार, 01 अगस्त, 2024, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

सागर की तरह है प्रेमचंद्र का कथा साहित्य-प्रोफेसर रामकिशोर शर्मा

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रेमचंद्र के कथा साहित्य पर संगोष्ठी

हरबात संवाददाता
प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को वर्तमान संदर्भ में प्रेमचंद्र के कथा साहित्य की प्रासंगिकता विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया।

उक्त संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रोफेसर रामकिशोर शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि प्रेमचन्द का कथा साहित्य सागर की तरह है। समाज का कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है जिसे उन्होंने स्पर्श न किया हो। उनकी रचनाओं में दहेज प्रथा, बेमेल विवाह, पराधीनता, लगान, छुआछूत, जाति भेद, विधवा विवाह, आधुनिकता, स्त्री पुरुष समानता आदि उस दौर की प्रमुख समस्याओं का चित्रण मिलता है। प्रोफेसर शर्मा ने कहा कि प्रेमचंद्र ने अपनी कहानियों उपन्यासों में सामाजिक व्यवस्था का बखूबी चित्रण किया है।वह अंजना व्यंजनात्मक रूप से समस्या को उभारकर सामने रखते थे ।

उन्होंने कहा कि प्रेमचंद प्रगतिशील थे और अपने समय के यथार्थ की गहराई को पहचानते थे ।अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास में राष्ट्र की परिकल्पना झलकती है और हमें उसका अनुसरण करना चाहिए। प्रेमचंद्र के साहित्य का सबको अध्ययन करना चाहिए। उनकी रचनाओं को जब समाजशास्त्री, वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री एवं समाज सुधारक पढ़ते हैं, चिंतन करते हैं तो उसका अलग पर्याय होता है जो कि समाज हित में होता है।कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि प्रेमचन्द्र की रचनाएं कालजयी हैं। वे जनता की आवाज को अपनी रचनाओं में प्रमुखता से वयक्त करते थे। उनका उपन्यास सोजे वतन राष्ट्रीयता से ओतप्रोत था।संगोष्ठी का संचालन आयोजन सचिव अनुपम तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, कर्मचारियों छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

Prayagraj विकसित भारत की संकल्पना दूरस्थ शिक्षा से होगी पूर्ण: कुलपति

प्रयागराज। 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से ही पूर्ण की जा सकती है। इसमें दूरस्थ शिक्षा माध्यम से जुड़े

streetbuzz.co.in

विकसित भारत की संकल्पना दूरस्थ शिक्षा से होगी पूर्ण: कुलपति

https://streetbuzz.co.in/newsapp//view/post:509016

20:56

ग्रामीण क्षेत्र एवं विशेष रूप से महिलाओं को शिक्षा उपलब्ध कराना हमारा उद्देश्य, प्रोफेसर सत्यकाम

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 सत्यकाम का हुआ बी0के0डी में आगमन-

झाँसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 सत्यकाम का क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों की एक दिवसीय कार्यशाला के विषय नामांकन- संवाद सम्पर्क एवं सम्प्रेषण में मुख्य अतिथि के रूप में बुन्देलखण्ड महाविद्यालय झाँसी में आगमन हुआ इस अवसर पर उन्होंने नवाचार के प्रयोग पर बल देते हुये कहा कि शिक्षा के सर्वसुलभ बनाने के उद्देश्य से जन जागरूकता की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय, महाविद्यालय इस कार्य को संयुक्त रूप से सम्पादित करेगें। प्रोफेसर जे0पी0 यादव ने प्रवेश से सम्बन्धित तकनीकी समस्याओं का समाधान और मार्गदर्शन किया। डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी ने शैक्षिक गुणवत्ता में शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रमों के संदर्भ में विस्तार से बताया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो0 एस0 के राय ने कहा कि शिक्षार्थियो के लिए शैक्षिक योग्यता एवं नियोक्ताओं की पूर्ति हेतु मुक्त शिक्षा एक सर्वोत्तम विकल्प है। इस अवसर पर विभिन्न अध्ययन केन्द्रों से आये हुये प्राचार्य एवं समन्वयकों ने अध्ययन केन्द्रों की समस्याओं से विश्वविद्यालय को अवगत कराया। क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं कार्यशाला की विषयवस्तु की आख्या को प्रस्तुत किया। कार्यशाला में मुख्य रूप से विपिन बिहारी डिग्री कालेज के प्राचार्य प्रो0 टी0 के0 शर्मा, केन्द्र समन्वयक डॉ0 मुकेश श्रीवास्तव, राम पटेल महाविद्यालय के समन्वयक श्री विकास प्रजापति, राजकीय महिला महाविद्यालय बांदा के समन्वयक डॉ0 सबीहा रहमानी, राजकुमार महाविद्यालय के समन्वयक डॉ0 संजय सिंह, माँ शारदा महाविद्यालय से विजय गौतम, वीर भूमि डिग्री कालेज महोबा से डॉ0 प्रदीप कुमार आदि लोग उपस्थित रहें। अंत में आभार बुन्देलखण्ड महाविद्यालय अध्ययन केन्द्र समन्वयक डॉ0 प्रतिमा सिंह परमार ने किया।

ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को शिक्षा उपलब्ध कराना हमारा उद्देश्य : प्रो.सत्यकाम

शिक्षा सर्वसुलभ बनाने के उद्देश्य से जन जागरूकता की आवश्यकता

झाँसी जयूसं। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम का क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों की एक दिवसीय कार्यशाला के विषय नामांकन, संवाद सम्पर्क एवं सम्प्रेषण में मुख्य अतिथि के रूप में बुन्देलखण्ड महाविद्यालय झाँसी में आगमन हुआ। इस अवसर पर उन्होंने नवाचार के प्रयोग पर बल देते हुये कहा कि शिक्षा के सर्वसुलभ बनाने के उद्देश्य से जन जागरूकता की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय, महाविद्यालय इस कार्य को संयुक्त रूप से सम्पादित करेगें। प्रोफेसर जे.पी.यादव ने प्रवेश से सम्बन्धित तकनीकी समस्याओं का समाधान और मार्गदर्शन किया। डॉ.जी.के.द्विवेदी ने शैक्षिक गुणवत्ता में शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रमों के संदर्भ में विस्तार से बताया।महाविद्यालय प्राचार्य प्रो.एस.के.राय ने कहा कि शिक्षार्थियो के लिए शैक्षिक योग्यता एवं नियोक्ताओं की पूर्ति हेतु मुक्त शिक्षा एक सर्वोत्तम विकल्प है। इस अवसर पर विभिन्न अध्ययन केन्द्रों से आये हुये प्राचार्य एवं समन्वयकों ने अध्ययन केन्द्रों की समस्याओं से विश्वविद्यालय को अवगत कराया। क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं कार्यशाला की विषयवस्तु की आख्या को प्रस्तुत किया। कार्यशाला में विपिन बिहारी डिग्री कालेज के प्राचार्य प्रो.टी. के.शर्मा, केन्द्र समन्वयक डॉ.मुकेश श्रीवास्तव,राम पटेल महाविद्यालय के समन्वयक विकास प्रजापति,राजकीय महिला महाविद्यालय बाँदा के समन्वयक डॉ.सबीहा रहमानी, राजकुमार महाविद्यालय के समन्वयक डॉ.संजय सिंह, माँ शारदा महाविद्यालय से विजय गौतम, वीर भूमि डिग्री कालेज महोबा से डॉ.प्रदीप कुमार आदि लोग उपस्थित रहें। अंत में आभार बुन्देलखण्ड महाविद्यालय अध्ययन केन्द्र समन्वयक डॉ. प्रतिमा सिंह परमार ने किया। इस अवसर पर डॉ. शिल्पी शर्मा डॉ. रणजीत सिंह क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारी शिव कुमार कुशवाहा अतुल दुबे आदि लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा को सर्व सुलभ बनाने हेतु जन जागरुकता की आवश्यकता

झाँसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० सत्यकाम का क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों की एक दिवसीय कार्यशाला के विषय नामांकनरू संवाद सम्पर्क एवं सम्प्रेषण में मुख्य अतिथि के रुप में बोलते हुये कहा कि शिक्षा के सर्वसुलभ बनाने के उद्देश्य से जन जागरूकता की आवश्यकता है। विश्व विद्यालय, महाविद्यालय इस कार्य को संयुक्त रूप से सम्पादित करेगें। प्रोफेसर जे०पी० यादव ने प्रवेश से सम्बन्धित तकनीकी समस्याओं का समाधान और मार्गदर्शन किया। डॉ० जी० के० द्विवेदी ने शैक्षिक गुणवत्ता में शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रमों के संदर्भ में विस्तार से बताया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो० एस० के राय ने कहा कि शिक्षार्थियों के लिए शैक्षिक योग्यता एवं नियोक्ताओं की पूर्ति हेतु मुक्त शिक्षा एक सर्वोत्तम विकल्प है। क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ० पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं कार्यशाला की विषयवस्तु की आख्या को प्रस्तुत किया। कार्यशाला में मुख्य रूप से विपिन बिहारी डिग्री कालेज के प्राचार्य प्रो० टी० के० शर्मा, केन्द्र समन्वयक डॉ० मुकेश श्रीवास्तव, राम पटेल महा विद्यालय के समन्वयक विकास प्रजापति, राजकीय महिला महाविद्यालय बांदा के समन्वयक डॉ० सबीहा रहमानी, राजकुमार महा विद्यालय के समन्वयक डॉ० संजय सिंह, माँ शारदा महाविद्यालय से विजय गौतम, वीर भूमि डिग्री कालेज महोबा से डॉ० प्रदीप कुमार आदि लोग उपस्थित रहें। अंत में आभार बुन्देलखण्ड महा विद्यालय अध्ययन केन्द्र समन्वयक डॉ० प्रतिमा सिंह परमार ने किया। इस अवसर पर डॉ० शिल्पी शर्मा डॉ० रणजीत सिंह क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारी शिव कुमार कुशवाहा अतुल दुबे आदि उपस्थित रहे।

डॉ.जी.के द्विवेदी ने शैक्षिक गुणवत्ता में शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रमों के संदर्भ में विस्तार से बताया

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति का हुआ बी0के0डी में आगमन

झाँसी उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 सत्यकाम का क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों की एक दिवसीय कार्यशाला के विषय नामांकन- संवाद सम्पर्क एवं सम्प्रेषण में मुख्य अतिथि के रूप में बुन्देलखण्ड महाविद्यालय झाँसी में आगमन हुआ. इस अवसर पर उन्होंने नवाचार के प्रयोग पर बल देते हुये कहा कि शिक्षा के सर्वसुलभ बनाने के उद्देश्य से जन जागरूकता की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय, महाविद्यालय इस कार्य को संयुक्त रूप से सम्पादित करेगें। प्रोफेसर जे.पी यादव ने प्रवेश से सम्बन्धित तकनीकी समस्याओं का समाधान और मार्गदर्शन किया। डॉ.जी.के द्विवेदी ने शैक्षिक गुणवत्ता में शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रमों के संदर्भ में विस्तार से बताया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो0 एस0 के राय ने कहा कि शिक्षार्थियो के लिए शैक्षिक योग्यता एवं नियोक्ताओं की पूर्ति हेतु मुक्त शिक्षा एक सर्वोत्तम विकल्प है। इस अवसर पर विभिन्न अध्ययन केन्द्रों से आये हुये प्राचार्य एवं समन्वयकों ने अध्ययन केन्द्रों की समस्याओं से विश्वविद्यालय को अवगत कराया। क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं कार्यशाला की विषयवस्तु की आख्या को प्रस्तुत किया। कार्यशाला में मुख्य रूप से विपिन बिहारी डिग्री कालेज के प्राचार्य प्रो0 टी0 के0 शर्मा, केन्द्र समन्वयक डॉ0 मुकेश श्रीवास्तव, राम पटेल महाविद्यालय के समन्वयक विकास प्रजापति, राजकीय महिला महाविद्यालय बांदा के समन्वयक डॉ0 सबीहा रहमानी, राजकुमार महाविद्यालय के समन्वयक डॉ0 संजय सिंह, माँ शारदा महाविद्यालय से विजय गौतम, वीर भूमि डिग्री कालेज महोबा से डॉ0 प्रदीप कुमार आदि लोग उपस्थित रहें। अंत में आभार बुन्देलखण्ड महाविद्यालय अध्ययन केन्द्र समन्वयक डॉ0 प्रतिमा सिंह परमार ने किया। इस अवसर पर डॉ0 शिल्पी शर्मा, डॉ0 रणजीत सिंह, क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारी शिव कुमार कुशवाहा, अतुल दुबे आदि लोग उपस्थित रहे।

Siddhi Sarkar-05-A...

हिंदी की भगिनी भाषाओं को भी पढ़ाया जाना चाहिए : प्रो सत्यकाम

बीयू के हिंदी विभाग में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

झांसी। राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त की जयंती पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में हिंदी साहित्य के विकास में बुंदेलखंड का योगदान विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि और राजर्षि टंडन मुक्त विवि, प्रयाग के कुलपति प्रो सत्यकाम ने कहा कि हिंदी के तमाम पाठ्यक्रमों में हिंदी की भगिनी भाषाओं को भी सभी विश्वविद्यालयों में पढ़ाया जाना चाहिए तभी हिंदी और समृद्ध होगी।

उन्होंने कहा कि हिंदी एक भाषा परिवार है। इसमें अवधी, बुंदेली और ब्रज समेत अनेक क्षेत्रीय भाषाएं शामिल हैं। इन सभी भाषाओं ने हिंदी को समृद्ध किया है। हिंदी भाषा तब तक ही समृद्ध रहेगी जब तक इससे संबद्ध अन्य भाषाएं पुष्पित और पल्लवित होंगी। गौर से देखें तो यह साफ होगा कि सभी भाषाएं आपस में मिलकर ही समृद्ध होती हैं। उन्होंने कहा कि हमें नई शिक्षा नीति के तहत मातृ भाषा बुंदेली में पढ़ाई की व्यवस्था करवानी चाहिए। वो इस संबंध में उचित व्यवस्था बनाने को प्रयासरत हैं। उन्होंने मोबाइल फोन की लत पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में सभी विद्यार्थी एक साथ दो डिग्री ले सकते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से नई शिक्षा नीति का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने बीयू के हिंदी विभाग में पाण्डुलिपियों और पुस्तकों के संग्रहण की उचित व्यवस्था की सराहना भी की।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो पवन अग्रवाल ने कहा कि बुंदेलखंड अपने हृदय में हजारों वर्षों का इतिहास समेटे हुए है। वैदिक काल के यजुर्वेद के पहले कांड की रचना इसी क्षेत्र में हुई। जबसे लेखन का कार्य शुरू हुआ तबसे बुंदेलखंड क्षेत्र ने अपना विशेष दखल बनाए रखा है। रामायण और महाभारत दोनों महाग्रंथों की रचना इसी क्षेत्र में रचे गए। महर्षि वेद व्यास और वाल्मीकि दोनों इस क्षेत्र के रहे।

प्रो अग्रवाल ने विभिन्न रचनाकारों के मत का उल्लेख कर बुंदेलखंड के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हिंदी तमाम बोलियों का समुच्चय है। बुंदेलखंड ने साहित्य सृजन की समृद्ध परंपरा दी है। उन्होंने जगनिक और महाकवि केशव के कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि महावीर द्विवेदी और मैथिली शरण गुप्त ने खड़ी बोली के विकास में अप्रतिम योगदान दिया। बुंदेलखंड ने हिंदी के रचनाकारों को सदैव सही दिशा दिया।

प्रो सत्यकेतु ने कहा कि बुंदेलखंड ने सिर्फ हिंदी साहित्य ही नहीं पूरे देश को वैचारिक रूप से समृद्ध किया। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास और राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त को याद करते हुए उनके योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने विविध प्रसंगों का उल्लेख कर तुलसीदास के साहित्य की विशेषताओं को रेखांकित किया।

गुजरात से आए प्रो संजीव दुबे ने कहा कि हिंदी साहित्य में बुंदेलखंड का योगदान अपरिमित है। उन्होंने कहा कि हिंदी साहित्य में मैथिली शरण गुप्त के भाई सियाराम शरण गुप्त के साहित्य पर और प्रकाश लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि साहित्यकारों को वर्तमान की चुनौतियों पर ध्यान देना चाहिए।

अमर उजाला 75
• 6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 22 संस्करण
महानगर
वर्ष 28 | अंक 37 | पृष्ठ : 14 | मूल्य : पांच रुपये
अमर उजाला
झांसी
सोमवार, 5 अगस्त 2024
श्रावण शुक्ल-प्रतिपदा
विक्रम संवत-2081

बुंदेली में भी हो पढ़ाई की सुविधा : प्रो. सत्यकाम

संगोष्ठी में साहित्यकारों ने हिंदी साहित्य के विकास में बुंदेलखंड के योगदान पर रखे विचार

अमर उजाला ब्यूरो

झांसी। हिंदी एक भाषा परिवार है। इसमें अवधी, बुंदेली और ब्रज समेत अनेक क्षेत्रीय भाषाएं शामिल हैं। इन सभी भाषाओं ने हिंदी को समृद्ध किया है। हिंदी भाषा तब तक ही समृद्ध रहेगी, जब तक इससे संबद्ध अन्य भाषाएं पुष्पित और पल्लवित होंगी।

यह बात बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में 'हिंदी साहित्य के विकास में बुंदेलखंड का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कही। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती पर आयोजित संगोष्ठी में प्रो. सत्यकाम ने कहा कि पाठ्यक्रमों में हिंदी की भगिनी भाषाओं को भी सभी विश्वविद्यालयों में पढ़ाया जाना चाहिए।

नई शिक्षा नीति के तहत मातृ भाषा बुंदेली में पढ़ाई की व्यवस्था करानी चाहिए। इसके साथ ही कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत एक साथ दो डिग्री ली जा सकती हैं। विद्यार्थी इस व्यवस्था का लाभ उठाएं। इस दौरान उन्होंने मोबाइल की लत पर भी चिंता जताई।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती पर आयोजित संगोष्ठी में बौद्ध दर्शन एवं महादेवी वर्मा पुस्तक का विमोचन करते अतिथि। संवाद

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. पवन अग्रवाल ने कहा कि यजुर्वेद के पहले कांड की रचना बुंदेलखंड में हुई थी।

लेखन कार्य शुरू होने से बुंदेलखंड इसमें अपनी विशेष दखल बनाए हुए है। रामायण और महाभारत दोनों महाग्रंथ इसी क्षेत्र में रचे गए। बुंदेलखंड ने हिंदी के रचनाकारों को हमेशा सही दिशा दी।

संगोष्ठी में प्रो. सत्यकेतु ने कहा कि बुंदेलखंड ने सिर्फ हिंदी साहित्य को ही नहीं पूरे देश को वैचारिक रूप से समृद्ध किया। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास और राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के हिंदी में योगदान का उल्लेख किया।

गुजरात से आए प्रो. संजीव दुबे ने कहा कि हिंदी साहित्य में मैथिलीशरण गुप्त के भाई सियारामशरण गुप्त के साहित्य पर और प्रकाश लाने की जरूरत है। साहित्यकारों को वर्तमान की चुनौतियों पर भी ध्यान देना चाहिए।

प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने घासीराम व्यास की पंक्तियां प्रस्तुत करते हुए कालिदास, तुलसीदास, विश्वदास, नाभा दास, हरिराम व्यास की रचनाओं का भी उल्लेख किया। डा. पवन पुत्र बादल ने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा संवाद और जन जागरण से आगे बढ़ी है। बुंदेलखंड के साहित्यकारों की चर्चा करते हुए महाकवि अवधेश की रचनाओं का उल्लेख किया।

अध्यक्षता करते हुए पद्मश्री अवध किशोर जड़िया ने कहा कि बुंदेलखंड के रचनाकारों को निकाल दिया जाए तो हिंदी का साहित्य आधा हो जाएगा। इस दौरान समीक्षा नामक पत्रिका का विमोचन हुआ। डा. सीमा श्रीवास्तव की पुस्तक बौद्ध दर्शन एवं महादेवी वर्मा का भी विमोचन किया गया।

इससे पूर्व कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. मुन्ना तिवारी ने सभी का स्वागत किया। संगोष्ठी में डा. जेपी पांडेय, आद्या प्रसाद द्विवेदी, प्रो. देवेश निगम, प्रमोद अग्रवाल, डा. नवीन पटेल, डा. जय सिंह, डा. कौशल त्रिपाठी, उमेश शुक्ल, डा. राघवेंद्र दीक्षित, अतीत विजय आदि रहे। संचालन डा. अचला पांडेय ने किया। आभार डा. श्रीहरि त्रिपाठी ने जताया।

उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम का हुआ बीकेडी में आगमन

ग्रामीण क्षेत्र एवं विशेष रूप से महिलाओं को शिक्षा उपलब्ध कराना हमारा उद्देश्य-प्रो. सत्यकाम

स्वदेश समाचार ■ झांसी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी का क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों की एक दिवसीय कार्यशाला के विषय नामांकन- संवाद सम्पर्क एवं सम्प्रेषण में मुख्य अतिथि के रूप में बुन्देलखण्ड महाविद्यालय झाँसी में आगमन हुआ इस अवसर पर उन्होंने नवाचार के प्रयोग पर बल देते हुये कहा कि शिक्षा के सर्वसुलभ बनाने के उद्देश्य से जन जागरूकता की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय, महाविद्यालय इस कार्य को संयुक्त रूप से सम्पादित करेगें। प्रोफेसर जे0पी0 यादव ने प्रवेश से सम्बन्धित तकनीकी समस्याओं का समाधान और मार्गदर्शन किया। डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी ने शैक्षिक गुणवत्ता में शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रमों के संदर्भ में विस्तार से बताया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो0 एस0 के राय ने कहा कि शिक्षार्थियो के लिए शैक्षिक योग्यता एवं नियोक्ताओं की पूर्ति हेतु मुक्त शिक्षा एक सर्वोत्तम विकल्प है। इस अवसर पर विभिन्न अध्ययन केन्द्रों से आये हुये प्राचार्य एवं समन्वयकों ने अध्ययन केन्द्रों की समस्याओं से विश्वविद्यालय को अवगत कराया। क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं कार्यशाला की विषयवस्तु की आख्या को प्रस्तुत किया। कार्यशाला में मुख्य रूप से विपिन बिहारी डिग्री कालेज के प्राचार्य प्रो0 टी0 के0 शर्मा, केन्द्र समन्वयक डॉ0 मुकेश श्रीवास्तव, राम पटेल महाविद्यालय के समन्वयक श्री विकास प्रजापति, राजकीय महिला महाविद्यालय बांदा के समन्वयक डॉ0 सबीहा रहमानी, राजकुमार महाविद्यालय के समन्वयक डॉ0 संजय सिंह, माँ शारदा महाविद्यालय से विजय गौतम, वीर भूमि डिग्री कालेज महोबा से डॉ0 प्रदीप कुमार आदि लोग उपस्थित रहें। अंत में आभार बुन्देलखण्ड महाविद्यालय अध्ययन केन्द्र समन्वयक डॉ0 प्रतिमा सिंह परमार ने किया। इस अवसर पर डॉ0 शिल्पी शर्मा डॉ0 रणजीत सिंह क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारी शिव कुमार कुशवाहा श्री अतुल दुबे आदि लोग उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
सच का आधार ...

उद्योग जगत के सहयोग से मुक्त विवि को बनाएँगे स्किल हब : कुलपति

कानपुर क्षेत्र के समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित

प्रयागराज, 03 अगस्त (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को स्किल हब बनाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय कानपुर क्षेत्र के उद्योग जगत के साथ जुड़कर कौशल परक शिक्षा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि 14 राज्य मुक्त विश्वविद्यालय इस बात से सहमत हैं कि दूरस्थ शिक्षा प्रदान करने का दायित्व मुक्त विश्वविद्यालयों का ही होना चाहिए। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले समस्त अध्ययन केन्द्रों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शनिवार को क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर पर किया गया। मुख्य अतिथि प्रो सत्यकाम ने कहा कि द्वि पद्धती शिक्षण प्रणाली पूरी व्यवस्था पर संकट है। इस सम्बंध में यूजीसी से अपील की गई है कि वह इस पर पुनर्विचार करे। दूरस्थ शिक्षा दर्शन में शिक्षा के गुणवत्ता की शिक्षार्थियों तक पहुंच उत्कृष्ट स्व अध्ययन सामग्री द्वारा पूरी की जा सकती है। पूरे प्रदेश में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि ही एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जो अपने छात्रों को स्व अध्ययन सामग्री प्रदान कर रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक स्व अध्ययन सामग्री तैयार करने में सक्रिय हैं।

कार्यशाला में विश्वविद्यालय से प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर जे पी यादव एवं डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने विश्वविद्यालय की नवीन योजनाओं की जानकारी देते हुए समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत कानपुर क्षेत्रीय केंद्र की समन्वयक डॉ रेखा त्रिपाठी ने किया। क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले समस्त 9 जिलों कानपुर, कानपुर देहात, औरैया, इटावा, हमीरपुर, कन्नौज, उन्नाव, फर्रुखाबाद, फतेहपुर के समन्वयक आदि उपस्थित रहे। आयोजित कार्यशाला में आए प्राचार्य एवं समन्वयकों डॉ अमित द्विवेदी, डॉ विकास सिंह, डॉ विजय प्रताप सिंह, डॉ संदीप कुमार, समीर कुमार जय मंगल सिंह, डॉ वंदना आदि ने केंद्रों पर आने वाले विभिन्न समस्याओं को इंगित करते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

मुक्तविश्वविद्यालय के लखनऊ क्षेत्र के समन्वयकों की कार्यशालाआयोजित

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊमेंदिनांक 07 अगस्त, 2024 को क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के अन्तर्गतआनेवाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यों एवंसमन्वयकों की नामांकन, संवाद, संपर्क एवंसंप्रेषणविषय परकार्यषालाआयोजित की गयी।कार्यषाला के मुख्य अतिथिविष्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजीरहे।

कार्यशालामेंप्रवेशप्रभारीप्रोफेसर जे0 पी0 यादव ने विष्वविद्यालय द्वाराराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूपकिए जारहेसमर्थपोर्टल से प्रवेश की जानकारीदी। डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी ने सेमेस्टर एवंवार्षिकपरीक्षाओं से संबंधितजानकारीप्रदानकी।

प्रारम्भमेंकार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती एवंराजर्षिपुरुषोत्तम दास टंडन के चित्र परपुष्पांजलि एवंदीपप्रज्ज्वलनकरमुख्य अतिथिमाननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी, प्रवेशप्रभारी प्रो0 जे0 पी0 यादव, पूर्वपरीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी एवं लखनऊ की क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 निरांजलि सिंह ने किया।

लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र से संबद्ध लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बाराबंकी, बलरामपुर एवंहरदोईआदिजिलोंमेंस्थितअध्ययन केन्द्रों से आए समन्वयकों डॉ पुष्पाबरनवाल, डॉ अजीतकुमार सिंह, डॉ दुर्गेशकुमारश्रीवास्तव, डॉ बृजेशकुमार यादव, डॉ रश्मिअग्रवाल, भावनाश्रीवास्तव, प्रोफेसरराकेशजैन, डॉ पुष्पेंद्र सिंह, डॉ विजयारानीवर्मा एवंरोशनी त्रिपाठीआदि ने कईसुझाव प्रस्तुतकिए एवंउनकीसमस्याओं का निराकरणविष्वविद्यालय से आए प्रतिनिधियों ने किया।

कार्यशालामेंआए हुए आगन्तुकों का स्वागत एवंविषय प्रर्वतन क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 निरांजलिसिन्हा ने

कार्यक्रम का संचालनकरतीहुईसुमनवर्मा

कार्यशालामेंआए हुए आगन्तुकों का स्वागत एवंविषय प्रर्वतनकरतीहुईक्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 निरांजलिसिन्हा

स्वागतगीतप्रस्तुतकरतीहुईछात्रायें

समस्याओं का निराकरणकरतेहुए माननीय कुलपतिजी एवंविष्वविद्यालय से आए प्रतिनिधिगण

लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र से संबद्ध लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बाराबंकी, बलरामपुर एवंहरदोईआदिजिलोंमेंस्थितअध्ययन केन्द्रों से आए समन्वयकों डॉ पुष्पाबरनवाल, डॉ अजीतकुमार सिंह, डॉ दुर्गेशकुमारश्रीवास्तव, डॉ बृजेशकुमार यादव, डॉ रश्मिअग्रवाल, भावनाश्रीवास्तव, प्रोफेसरराकेशजैन, डॉ पुष्पेंद्र सिंह, डॉ विजयारानीवर्मा एवंरोशनी त्रिपाठीआदि ने कईसुझाव प्रस्तुतकरतेहुए।

कार्यशालामेंप्रवेशप्रभारीप्रोफेसर जे0 पी0 यादव ने विश्वविद्यालय द्वाराराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूपकिए जारहेसमर्थपोर्टल से प्रवेश की जानकारीदी। डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी ने सेमेस्टर एवंवार्षिकपरीक्षाओं से संबंधितजानकारीप्रदानकरतेहुए।

विविधता से परिपूर्णहैदूरस्थशिक्षा– प्रो0 सत्यकाम

क्षेत्रीय केंद्र लखनऊमेंनामांकन,संवाद,संपर्क एवंसंप्रेषणविषय परआयोजितअध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशालामेंउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविष्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम नेकहाकिदूरस्थशिक्षा का महत्वआजबहुत बढ़ गयाहै।दूरस्थशिक्षा विविधता से परिपूर्णहै। यहांकिन्नर, जेलबन्दी, ग्रामीण, नौकरीपेशालोगोंतथाग्रामीणमहिलाओं के लिए कईतरह की सुविधाउपलब्धहै।इसकेसाथहीमुक्तविष्वविद्यालय ने इसी सत्र 2024–25 से डिजिटलपाठ्यसामग्रीलेनेवालेछात्रोंकोप्रवेश शुल्कमें 15प्रतिषत की एकमुश्तछूटप्रदानकरने का निर्णय लियाहै।

- प्रदेश के बाहररहरहेकामगारोंकोडिस्टेंस एजुकेशन का मौकादेगी यूपीआरटीओ
- सालमें एकबारपरीक्षा देने की होगीव्यवस्था, ऑनलाइनमोडमेंजमाकरसकतेहैंअसाइनमेंट
- सेमेस्टरसिस्टम के बावजूदसालमें एकबारहोगीपरीक्षा
- दूसरेराज्यों के ओपन यूनिवर्सिटी से समन्वय स्थापितकर शुरू होंगेकईभाषाईकोर्स
- ऑनलाइनस्टडीमैटेरियललेनेपरमिलेगा 15 फ़ीसद की छूट
- ऑनलाइनरजिस्ट्रेशन के बादलेसकतेहैंप्रवेश

माननीय कुलपति प्रो0सत्यकाम

प्रो0सत्यकाम ने कहाकिविष्वविद्यालय ने पहलीबारसमर्थपोर्टल से प्रवेश शुरू कियाहैऔर इस बारहमनेप्रथमवर्षमें एक लाख के प्रवेश लक्ष्य कोसामने रखा है।जिसकेलिए प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रोंमेंनामांकन बढ़ाने के लिए कार्यशालाएंआयोजित की जारहीहैं। प्रो0 सत्यकाम ने कहाकिविष्वविद्यालय का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ानाहै।उन्होंनेकहाकिदूरस्थशिक्षा पद्धतिमें स्व अध्ययन पाठ्यसामग्रीसर्वश्रेष्ठपाठ्यसामग्रीहै।पाठ्यपुस्तक एवंगाइड की तुलनामें स्व सामग्री की श्रेष्ठतासिद्ध है।मुक्तविष्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री का अध्ययन करके यूपीएससी एवंलोकसेवाआयोग की परीक्षाओंमेंअभ्यर्थीसफलताअर्जितकरतेरहेहैं।गतवर्ष एम ए समाजशास्त्र की एक छात्रा ने भारतीय प्रशासनिकसेवामेंसफलताहासिलकी।

उन्होंनेकहाकिविष्वविद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता के साथकिसीभीप्रकार का समझौतानहींकरनाचाहताइसीलिए शिक्षकों से शीघ्रता से स्व अध्ययन पाठ्यसामग्री का निर्माणकरवायाजारहाहै।

उन्होंनेकहाकिवहपिछड़े क्षेत्र की महिलाओंकोशिक्षा के क्षेत्र मेंजागरूककरने के पक्षधरहैं।इसकेलिए उन्होंनेसमन्वयकों का आह्वानकियाकिपिछड़े क्षेत्र की महिलाओंकोशिक्षा के लिए प्रेरितकरें।ग्रामीण क्षेत्रोंमें शादी के बादअक्सरमहिलाएंपढ़ने से वंचितरहजातीहैं ऐसीमहिलाओंकोमुक्तविष्वविद्यालय मेंनामांकितकरने के लिए प्रेरितकरें।विष्वविद्यालय उनकीहरसंभवमददकरेगा।

इस अवसरपरमुख्य अतिथिकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने मुक्तविश्वविद्यालय के लखनऊ क्षेत्रीय केंद्रपरछात्रों से रूबरू हुए औरभविष्य की योजनाओं के बारेमें उनके विचारों से अवगतहुए। योगविषय के विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को देखतेहुए उन्होंने लखनऊ क्षेत्रीय केंद्रको योगहब के रूपमेंविकसितकरने का ऐलानकिया।

इस अवसरपरमुख्य अतिथिमाननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामने मुक्तविष्वविद्यालय के लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र से नामांकित 70 शिक्षार्थियोंकोउत्तरप्रदेशराज्य सरकार की अभिनव योजना के अंतर्गतटैबलेट एवंस्मार्टफोन का वितरणकिया। इस अवसरपरजनसंपर्कअधिकारी डॉ प्रभातचन्द्रमिश्र, लेखाकारअवनीशचन्द्रतथाइंदुभूषणपाण्डेय आदिउपस्थितरहे।

माननीय कुलपति प्रो0सत्यकामजी, प्रो0 जम0पी0 यादव एवं डॉ0 जी0के0 द्विवेदीकोपौधा एवंस्मृमिचिन्हभेंटकरसम्मानकरतीहुईविष्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण एवं अध्ययन केन्द्रसमन्वयक

धन्यवादज्ञापनकरतीहुई डॉ0 अलकावर्मा

राष्ट्रगान

एक वृक्ष राजर्षि के नाम अभियान की शुरूआतकरतेहुए माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी

दिनांक : 08अगस्त, 2024

मुक्तविश्वविद्यालय के बरेली एवंमेरठ क्षेत्र के समन्वयकों की कार्यशालाआयोजित

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्रबरेलीमेंदिनांक 08 अगस्त, 2024 को क्षेत्रीय केन्द्रबरेली एवंमेरठ के अन्तर्गतआनेवाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यों एवंसमन्वयकों की नामांकन, संवाद, संपर्क एवंसंप्रेषणविषय परकार्यषालाआयोजित की गयी।कार्यषाला के मुख्य अतिथिविष्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजीरहे।

कार्यशालामेंप्रवेशप्रभारी प्रो0 जे0 पी0 यादव ने विष्वविद्यालय द्वाराराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूपकिए जारहेसमर्थपोर्टल से प्रवेश की जानकारीदी। डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी ने सेमेस्टर एवंवार्षिकपरीक्षाओं से संबंधितजानकारीप्रदानकी।

प्रारम्भमेंकार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती एवंराजर्षिपुरुषोत्तम दास टंडन के चित्र परपुष्पांजलि एवंदीपप्रज्ज्वलनकरमुख्य अतिथिमाननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी, प्रवेशप्रभारी प्रो0 जे0 पी0 यादव, पूर्वपरीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी एवं क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 सतेन्द्रबाबू ने किया।

बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध बरेली, पीलीभीत, मुरादाबाद, संभल, रामपुर, बदायूंतथा शाहजहांपुर एवं क्षेत्रीय केंद्रमेरठ से सम्बंदमेरठ, बागपत,सहारनपुर, सामली, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, बिजनौरजिलों से आए डॉ एस०बी० यादव, डॉ नीरजकुमार, डॉ एम बीकलहंस, डॉ० ऋतुराज यादव, डॉ योगेंद्रकुमार, डॉ अजीत सिंह चिराग, डॉ० के सीमधबालआदि ने छात्र संख्या बढ़ाने के लिए महत्वपूर्णसुझाव दिए तथाकईसमस्याओं की तरफध्यानइंगितकिया।समस्याओं का निराकरणविष्वविद्यालय से आए प्रतिनिधियों ने किया।

कार्यशाला का संचालन डॉ विजय प्रताप सिंह ने तथा क्षेत्रीय केंद्र, बरेली/मेरठ के समन्वयक डॉ सतेन्द्रबाबू ने अतिथियों का स्वागतकिया।

कार्यक्रम का संचालनकरतीहुई अध्ययन केन्द्रसमन्वयक

दीपप्रज्वलितकरकार्यषाला का शुभारम्भकरतेहुए माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी

विश्वविद्यालय कुलगीतप्रस्तुतकरतीहुईछात्रायें

मानीनीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजीकोपुष्पगुच्छभेंटकरउनकास्वागतकरतेहुए क्षेत्रीय केन्द्रबरेली एवंमेरठ के केन्द्रसमन्वयक डॉ0 सतेन्द्रबाबू

मुक्तविश्वविद्यालय के बरेली एवंमेरठ क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक का दायित्वनिभारहे डॉ सतेन्द्रबाबू ने कहाकिविश्वविद्यालय की सेवाकरने के लिए कृतज्ञता का भावहोनाचाहिए। कृतज्ञता के भाव से हीसमाजमेंजोअंधकारहैउसेदूरकियाजासकताहै।व्यक्ति के जीवन की सार्थकतातभीहैजबउसकाउपयोगसमाज की सेवा के लिए हो।

जैसाकिआपअवगतहैंकिआज की कार्यशालानामांकनसंवाद, संपर्क एवंसंप्रेषणविषय परहैहम सब का एक हीउद्देश्य हैकिसमाज का हरव्यक्तिशिक्षितहोरोजगारपरकशिक्षा प्राप्तकरउन्नतिकरेंहमपरमसौभाग्यशालीहैंकि 84 लाख योनियोंमेंईश्वर ने हमेंजन्मदियाहैहम इस योग्य बनेकिजैसाश्रेष्ठतमकार्यकरकेसमाज के उन्नयन का कार्यकररहेहैं।

इस अवसरपरबरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध बरेली, पीलीभीत, मुरादाबाद, संभल, रामपुर, बदायूंतथा शाहजहांपुर एवं क्षेत्रीय केंद्रमेरठ से सम्बंदमेरठ, बागपत,सहारनपुर, सामली, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, बिजनौरजिलों से आए डॉ एस०बी० यादव, डॉ नीरजकुमार, डॉ एम बीकलहंस, डॉ० ऋतुराज यादव, डॉ योगेंद्रकुमार, डॉ अजीत सिंह चिराग, डॉ० के सीमधबालआदि ने छात्र संख्या बढ़ाने के लिए महत्वपूर्णसुझाव दिए तथाकईसमस्याओं की तरफध्यानइंगितकिया।

समस्याओं का निराकरणकरतेहुए माननीय कुलपतिजी एवंविष्वविद्यालय से आए प्रतिनिधिगण

कार्यशालामेंप्रभारीप्रवेशप्रोफेसरजयप्रकाश यादव ने समर्थपोर्टलपरप्रवेशप्रक्रिया की विस्तृतजानकारीसमन्वयकोंकोदी ।उन्होंनेबतायाकिप्रवेशप्रक्रिया से संबंधितवीडियोवेबसाइटपरअपलोडकियागयाहै ।समन्वयकउसे देखकरछात्रों की समस्याओं का समाधानकरसकतेहैं ।

डॉ०जी०के० द्विवेदी ने प्रतिभागियों की परीक्षा सम्बन्धीसमस्याओं का समाधानप्रस्तुतकरतेहुए कहाकिप्रयोगात्मकपरीक्षा हेतुसभीजिलोंमेंपरीक्षा केंद्रबनानेजाने का प्रयासकियाजाएगा ।उन्होंनेकहाकिवहसमाजसेवा के भाव से हीविष्वविद्यालय की सेवामेंआए हैं । यहीभावसमन्वयकोंमेंभीहोनाचाहिए औरमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीद्वारादिए गए लक्ष्य एक लाख की प्रवेश संख्या को 1 लाख 20 हजारतकपहुंचाने के लिए अपनापूरा दमखमलगादें ।मेहनत से किए गए कार्यमेंसफलताअवश्य प्राप्तहोतीहै।

राजर्षिटंडन एपविकसितकरेगामुक्तविष्वविद्यालय– प्रो0 सत्यकाम

माननीय कुलपति प्रो0सत्यकाम

कार्यशाला के मुख्य अतिथिउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविष्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीने बरेली क्षेत्रीय केन्द्रव क्षेत्रीय केन्द्रमेरठ से सम्बद्ध अध्ययन केदो के समन्वयको/प्राचार्यों की कार्यशालामेंकहाकिउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविष्वविद्यालय टेक्नोलॉजी का उपयोगकरतेहुए यूपीआरटीओ एपविकसितकरेगा।जिससे एक हीक्लिकपरनामांकितछात्र कोप्रवेश से लेकरपरीक्षा औरपरिणाम की सभीसूचनाएंप्राप्तहोगी।

उन्होंनेकहाकिआजहर युवा के हाथमेंमोबाइलफोनहै।विष्वविद्यालय ने अधुनिकटेक्नोलॉजी का सहारालेतेहुए महत्वपूर्णसूचनाओं से आच्छादित ऐपकोविकसितकरने की दिशामेंकदम बढ़ा दियाहै।जिसकासुपरिणाम शीघ्र देखनेकोमिलेगा।जबराजर्षि टंडन मुक्तविष्वविद्यालय के बारेमें युवाआधिकाधिकजानकारीप्राप्तकरसकेंगे। एक क्लिकपरप्रवेश, काउंसलिंग, अधिन्यास, परीक्षा एवंरिजल्ट की जानकारीउन्हेंप्राप्तहोसकेगी।

- एकक्लिकपरमिलेगीप्रवेश, परीक्षा तथारिजल्ट की सूचना
- कुलपतिने एक वृक्ष राजर्षि के नाम अभियान की शुरुआत की

इसकेपूर्वइग्नूमेंदूरस्थशिक्षा के विकासमेंअपनामहत्वपूर्ण योगदानकरनेवाले प्रो0सत्यकामछात्रोंकोगुणवत्तापूर्ण एवंकौशलविकासपरआधारितशिक्षा देने के पक्षधरहैं।उन्होंनेकहाकिआजइग्नू के स्टूडेंटकोलोगसम्मान के भाव से देखतेहैं।हमेंराजर्षि टंडन मुक्तविष्वविद्यालय के कार्यक्रमों की गुणवत्ताको बढ़ानाहैजिससेहमारेविद्यार्थियों की पहुंचअंतरराष्ट्रीय स्तरतकहो।इसकेलिए हमेंसभीअध्ययन केंद्रसमन्वयकों का भरपूरसहयोगचाहिए।उन्होंनेकहाकिकई ऐसेअध्ययन केंद्रसमन्वयकहैंजिन्होंनेअभीतकमुक्तविष्वविद्यालय नहीं देखा है।हमउन्हेंउनकी योग्यता के आधारपरविष्वविद्यालय का परीक्षकनियुक्तकरेंगेजिससेवहविष्वविद्यालय

उन्होंनेकहाकिविष्वविद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता के साथकिसीभीप्रकार का समझौतानहींकरनाचाहताइसीलिए शिक्षकों से शीघ्रता से स्व अध्ययन पाठ्यसामग्री का निर्माणकरवायाजारहाहै।

उन्होंनेकहाकिवहपिछड़े क्षेत्र की महिलाओंकोशिक्षा के क्षेत्र मेंजागरूककरने के पक्षधरहैं।इसकेलिए उन्होंनेसमन्वयकों का आह्वानकियाकिपिछड़े क्षेत्र की महिलाओंकोशिक्षा के लिए प्रेरितकरें।ग्रामीण क्षेत्रोंमें शादी के बादअक्सरमहिलाएंपढ़ने से वंचितरहजातीहैं ऐसीमहिलाओंकोमुक्तविष्वविद्यालय मेंनामांकितकरने के लिए प्रेरितकरें।विष्वविद्यालय उनकीहरसंभवमददकरेगा।

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिमुक्तविष्वविद्यालय की नामांकनः संख्या संवाद, सम्पर्क, समन्वय एवंसहयोग के माध्यम से ही बढ़ाईजासकतीहै।नामांकनकराने के लिए संवाद एवंसंपर्कबहुत जरूरी है।इसकेउपरांतसमन्वय औरसहयोग के भाव से हीविद्यार्थी के अंदरसंतुष्टि का भावआएगा।माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने समन्वयकों से कहाकिवह खुलेमन से अपनेशिक्षार्थियों से संवादअवश्य करेंजिससेवहशिकायतेंलेकरअध्ययन केंद्रपरउपस्थित न हो।

इस अवसरपरमुख्य अतिथिमाननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम ने मुक्तविष्वविद्यालय के बरेली क्षेत्रीय केंद्र से नामांकितशिक्षार्थियोंकोउत्तरप्रदेशराज्य सरकार की अभिनव योजना के अंतर्गतटैबलेट एवंस्मार्टफोन का वितरणकिया। इस अवसरपरजनसंपर्कअधिकारी डॉ प्रभातचन्द्रमिश्र, लेखाकारअवनीशचन्द्रतथाइंदुभूषणपाण्डेय आदिउपस्थितरहे।

धन्यवादज्ञापनकरतेहुए डॉ0 एम बीकलहंस

इसकेपूर्वउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविष्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0सत्यकामजीने गुरुवारदिनांक 08 अगस्त, 2024 कोविष्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रबरेलीमें वृक्षारोपणजन अभियान–2024 के अंतर्गतप्रदेशमेंपौधरोपणमहाभियानमेंअपना योगदानदेतेहुए एक वृक्ष राजर्षि के नाम पररोपितकिया।माननीय कुलपति प्रो0सत्यकामजीने कहाकिपर्यावरणकोहराभरा रखने के लिए यह अभियानसतत रूप से जारीरहेगा।विष्वविद्यालय से बाहरभीहम वृक्षारोपणअभियानचलातेरहेंगे।जिससेमानवता की सेवाहोसके।

विष्वविद्यालय के जनसंपर्कअधिकारी डॉ प्रभातचंद्रमिश्र ने बतायाकिमाननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी ने समाज के नागरिकों से अपील की किसभीकोमानवता की सेवाकरतेहुए पर्यावरणकोसंरक्षितकरने का संकल्पलेनाचाहिए। इस अभियानमेंजोभीपौधालगायाजाए उसकीपरवरिश का जिम्मा जरूर उठानाचाहिए।जिससेवहबड़ाहोकरलोगोंको छांव दे सके।जलवायुपरिवर्तन के इस दौरमें वृक्ष हीहमें जीवन दायिनी शक्तिप्रदानकरसकतेहैं। क्षेत्रीय केन्द्रबरेली के सहयोग से इस अवसरपरविष्वविद्यालय परिवार के सभीसदस्यों ने एक पेड़ राजर्षि के नाम परलगाया।

दिनांक : 09 अगस्त, 2024

मुक्तविश्वविद्यालय के अगरा एवंनोएडा क्षेत्र के समन्वयकों की कार्यशालाआयोजित

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊमेंदिनांक 09 अगस्त, 2024 को क्षेत्रीय केन्द्रआगरा एवंनोएडा के अन्तर्गतआनेवाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यों एवंसमन्वयकों की नामांकन, संवाद, संपर्क एवंसंप्रेषणविषय परकार्यषालाआयोजित की गयी।कार्यषाला के मुख्य अतिथिविष्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजीरहे।

कार्यशालामेंप्रवेशप्रभारी प्रो0 जे0 पी0 यादव ने विष्वविद्यालय द्वाराराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूपकिए जारहेसमर्थपोर्टल से प्रवेश की जानकारीदी। डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी ने सेमेस्टर एवंवार्षिकपरीक्षाओं से संबंधितजानकारीप्रदानकी।

प्रारम्भमेंकार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती एवंराजर्षिपुरुषोत्तम दास टंडन के चित्र परपुष्पांजलि एवंदीपप्रज्ज्वलनकरमुख्य अतिथिमाननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी, प्रवेशप्रभारी प्रो0 जे0 पी0 यादव, पूर्वपरीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी एवं क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयकआगरा डॉ0 रेखा सिंह तथानोएडा क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 सतेन्द्रबाबू ने किया।

कार्यशालामेंआगरा क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गतआनेवालेजिलोंआगरा, एटा, फिरोजाबाद, हाथरस, कांसगंज, मैनपुरी, मथुरा एवंनोएडा,गाजियाबाद,हापुड़,बुलन्दशहर,अलीगढ़ स्थितअध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों ने प्रतिभागकिया।केंद्रसमन्वयकों ने अपनीसमस्याओंकोइंगितकरतेहुए कईमहत्वपूर्णसुझाव दिए।समस्याओं का निराकरणविश्वविद्यालय से आए प्रतिनिधियों ने किया।

संचालनकनिकाअग्रवाल ने तथाअतिथियों का स्वागत एवंधन्यवादज्ञापन क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 रेखा सिंह ने किया। इस अवसरपरमाननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी ने परिसरमें एक वृक्ष राजर्षि के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपणकिया।

कार्यक्रम का संचालनकरतीहुईकनिकाअग्रवाल

दीपप्रज्वलित एवं जल संरक्षितकरकार्यषाला का शुभारम्भकरतेहुए माननीय कुलपति प्रो0

विश्वविद्यालय कुलगीतप्रस्तुतकरतीहुईछात्रायें

माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी एवंअन्य अतिथियोंकोपुष्पगुच्छभेंटकरउनकास्वागतकरतीहुई क्षेत्रीय केन्द्रआगरा की केन्द्रसमन्वयक

माननीय अतिथियों का स्वागतकरतीहुई क्षेत्रीय केन्द्रआगरा की केन्द्रसमन्वयक डॉ0 रेखा सिंह

कार्यशालामेंआगरा क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गतआनेवालेजिलोंआगरा, एटा, फिरोजाबाद, हाथरस, कांसगंज, मैनपुरी, मथुरा एवंनोएडा,गाजियाबाद,हापुड़,बुलन्दशहर,अलीगढ़ स्थितअध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों ने प्रतिभागकिया।केंद्रसमन्वयकों ने अपनीसमस्याओंकोइंगितकरतेहुए कईमहत्वपूर्णसुझाव दिए।

समस्याओं का निराकरणविश्वविद्यालय से आए प्रतिनिधियों ने किया।

समस्याओं का निराकरणकरतेहुए माननीय कुलपतिजी एवंविष्वविद्यालय से आए प्रतिनिधिगण

इससेपूर्वकार्यशालामेंविचारव्यक्तकरतेहुए विश्वविद्यालय के प्रवेशप्रभारी प्रो0 जय प्रकाश यादव ने दूरस्थशिक्षा के महत्वकोप्रतिपादितकिया।उन्होंनेकहाकिविश्वविद्यालय एन ईपी 2020 के अंतर्गतसभी शैक्षिककार्यक्रमसंचालितकररहाहै।उन्होंनेकहाकि इस बारसमर्थपोर्टल के माध्यम से प्रथमवर्ष का प्रवेशसुनिश्चितकियागयाहै।

कार्यशालामेंनाऐडा के प्रभारीनिदेशक डॉ. जी.के. द्विवेदी ने कहाकिअध्ययन केन्द्रोंपरभेजेजानेवालेअंकपत्रोंकोछात्रोंको यथासमय वितरणकियाजाए।उन्होंनेकहाकिपरीक्षा केन्द्रोंपरविश्वविद्यालय द्वाराप्रदत्तसुविधाओं का लाभशिक्षार्थियोंकोअवश्य मिलनाचाहिए।

मुक्तविश्वविद्यालय कौशल युक्तगुणवत्तापूर्णशिक्षा देने के लिए संकल्पबद्ध–कुलपति

माननीय कुलपति प्रो0सत्यकाम

कार्यशाला के मुख्य अतिथिउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने आगरा क्षेत्रीय केन्द्र व क्षेत्रीय केन्द्रनोएडा से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों के समन्वयको/प्राचार्यों की कार्यशालामेंकहाकिउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय ने सत्र 2024– 25 की प्रवेशप्रक्रियासमर्थपोर्टल के माध्यम से प्रारंभ की है।मुक्तविश्वविद्यालय आजटेक्नोलॉजी का उपयोगकरकाफीआगे बढ़ रहेहैं।उत्तरप्रदेशमेंभीछात्रोंकोटेक्नोलॉजी का भरपूरउपयोगकरने के लिए नवीनतमसुविधाप्रदान की जाएंगी।मुक्तविश्वविद्यालय कौशल युक्तगुणवत्तापूर्णशिक्षा देने के लिए संकल्पबद्ध है।हमारेविद्यार्थियों के पासकौशल युक्तशिक्षा होगीतोवहनौकरी के लिए दर–दरनहींभटकेंगे।

उन्होंनेबतायाकिसमर्थपोर्टलपरप्रवेशप्रारंभकरने से जहांप्रवेशप्रक्रियामेंपारदर्शिताआएगीवहीं एक समान समय परप्रवेश, परीक्षा तथापरीक्षा परिणामप्राप्तहोंगे।मुक्तशिक्षा के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखनेवाले प्रो0 सत्यकामजी ने कहाकिहमें एक ऐसामानकविश्वविद्यालय बनानाहैजोसभीमुक्तविश्वविद्यालयों के लिए मानदंड बन सके।उसकेलिए सबसेमहत्वपूर्णहैकिहमेंअपनेविद्यार्थियों की सेवामेंउपस्थितरहनाहैऔरविद्यार्थियों के अंदरसंतुष्टि का भावविकसितकरनाहै। प्रो0 सत्यकामजी ने कहाकिआजमुक्त एवंदूरस्थशिक्षा विश्वमेंकाफीलोकप्रियताहासिलकररहीहै।भारतसरकार ने भीइसकेमहत्वकोपहचानाहैऔरमुक्तविश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिककार्यक्रमोंकोपारंपरिकविश्वविद्यालय के समानमान्यताप्रदान की है।हमेंइसकालाभसमाज के उन लोगोंतकपहुंचानाहैजोनियमितअध्ययन नहींकरपाए हैं।

- एकक्लिकपरमिलेगीप्रवेश, परीक्षा तथारिजल्ट की सूचना
- कुलपतिने एक वृक्ष राजर्षि के नाम अभियान की शुरुआत की

माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी ने कहाकिविश्वविद्यालय अधिक से अधिकमूक्सतथास्वयंप्रभाचौनल के लिए शिक्षकों से कार्यक्रमतैयारकरवारहाहै। इस संबंधमेंप्रस्तावभीमांगे गए हैं इस कार्यमेंजोभीचुनौतियांसामनेआरहीहैंउसकेसमाधान के लिए प्रशिक्षणशिविर एवंकार्यशाला का आयोजन शीघ्रकियाजाएगा।

प्रो0 सत्यकामजी ने कहा की विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लियागयाहैकिअपनेसभीशिक्षार्थियोंकोनवीनप्रवेश सत्र से केवल स्व अध्ययन सामग्रीहीप्रदान की जाएगी।इसकेलिए हमेंअपनीपाठ्यसामग्री की गुणवत्ता एवंशिक्षार्थियोंतकउसकीपहुंच बढ़ातेहुए उनके अंदरसंतुष्ट का भावविकसितकरनाहै।जोनियमितअध्ययन नहींकरपाए हैं।मुक्तविश्वविद्यालय से दोडिग्रीकोर्स एक साथकरने की सुविधाप्रदान की गईहै। इस सुविधा का लाभउठाकरशिक्षार्थीअपनेमनपसंदकार्यक्रम का चयनकरसकतेहैं।

प्रो0 सत्यकामजी ने बतायाकिविश्वविद्यालय मेंसभीप्रकार के लेनदेनऑनलाइनमाध्यम से किए जाएंगे।नगदधनराशिको शुल्क या अन्य कोईसेवाप्रभार के रूपमेंस्वीकारनहींकियाजाएगा।
प्रो0 सत्यकामजी ने कहाकिसूचना, संचार एवंतकनीक के माध्यम से उच्चशिक्षा मेंगुणवत्ता का विकाससंभवहै।संचार के आधुनिकमाध्यम से उच्चशिक्षा के क्षेत्र मेंव्यापकसुधारहुआहै।
माननीय कुलपतिजी ने बतायाकिराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मेंमातृभाषापरविशेष बल दियागयाहै।राजर्षि टंडन के नाम परस्थापित इस मुक्तविश्वविद्यालय मेंअधिकांशपाठ्यसामग्रीहिंदीमाध्यममेंउपलब्धहै। शोध के क्षेत्र मेंभीविश्वविद्यालय अच्छाकार्यकररहाहै।उत्तरप्रदेशसरकार द्वाराअनुदानित शोधपरियोजनाएंविश्वविद्यालय के योग्य शिक्षकों द्वारासफलतापूर्वकसंचालित की जारहीहैं।

प्रो0 सत्यकामजी ने कहाकिविश्वविद्यालय स्नातक एवंपरास्नातककार्यक्रमों के प्रथमवर्षमें एक लाख प्रवेश के लक्ष्य कोलेकरपूर्वांचलमेंनामांकनअभिप्रेरण एवंफीडबैककार्यशाला के सफलतापूर्वकसंचालन के बादअबपश्चिमांचल, बुंदेलखंडतथाब्रज क्षेत्र मेंनामांकन, संवाद, संपर्क एवंसंप्रेषणकार्यशालाआयोजितकररहाहै।

प्रो0 सत्यकामजी ने कहाकिअध्ययन केन्द्रसमन्वयकविश्वविद्यालय की रीढ़ हैं।केंद्रसमन्वयकों के सहयोग से हमविश्वविद्यालय की छात्र संख्या को शीघ्र एक लाख तकपहुंचासकतेहैं।दूरस्थशिक्षा विविधता से परिपूर्णहै। यहांकिन्नर, जेलबन्दी, ग्रामीण, नौकरीपेशालोगों के लिए कईतरह की सुविधाउपलब्धहै।विश्वविद्यालय कौशलविकासपरआधारितकई शैक्षिककार्यक्रमों की शिक्षा यवाओं का प्रदानकररहाहै।

प्रो0 सत्यकामजी ने कहाकिराष्ट्रीय शिक्षा नीति की सबसेबड़ीविशेषता यह हैकिइसमेंज्ञानात्मकअध्ययन के साथहीकौशल का भीअध्ययन करसकतेहैं।उन्होंनेलोकलफारवोकलपरजोर देतेहुए कहाकिमुक्तविश्वविद्यालय कौशल युक्तशिक्षा प्रदानकरविद्यार्थियोंकोसशक्तकररहेहैं।

धन्यवादज्ञापनकरतेहुए नोएडा क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 सतेन्द्रबाबू

राष्ट्रगान

विश्वविद्यालय के जनसंपर्कअधिकारी डॉ प्रभातचंद्रमिश्र ने बतायाकिमाननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी ने समाज के नागरिकों से अपील की किसभीकोमानवता की सेवाकरतेहुए पर्यावरणकोसंरक्षितकरने का संकल्पलेनाचाहिए। इस अभियानमेंजोभीपौधालगायाजाए उसकीपरवरिश का जिम्मा जरूर उठानाचाहिए।जिससेवहबड़ाहोकरलोगोंको छांव दे सके।जलवायुपरिवर्तन के इस दौरमें वृक्ष हीहमें जीवन दायिनी शक्तिप्रदानकरसकतेहैं। क्षेत्रीय केन्द्रआगरा एवंनोएडा के सहयोग से इस अवसरपरविश्वविद्यालय परिवार के सभीसदस्यों ने एक पेड़ राजर्षि के नाम परलगाया।

राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय में श्रमिक भी करेंगे पढ़ाई

जासं • लखनऊ : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने प्रदेश के बाहर काम करने वाले कामगार और मजदूरों के लिए, एक नई शिक्षा व्यवस्था शुरू की है। शिक्षा पूरी करने के लिए, वर्ष में केवल एक बार परीक्षा देने की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। यह व्यवस्था उन्हें अपने काम के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखने का मौका देगी। बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि नई योजना के अनुसार कामगार व मजदूरों को साल में एक बार आकर परीक्षा देने की सुविधा मिलेगी। चयनित या रीजनल सेंटर पर लिखित परीक्षा देंगे। अभ्यर्थियों को आनलाइन पंजीकरण के माध्यम से किसी भी कोर्स में प्रवेश प्राप्त होगा। इसके साथ ही आनलाइन मोड में असाइनमेंट और प्रैक्टिकल जमा करने का मौका भी मिलेगा।

अध्ययन सामग्री पर 15 प्रतिशत की छूट : विश्वविद्यालय ने आनलाइन अध्ययन सामग्री पर 15 प्रतिशत छूट देने की घोषणा की। नए विषयों के लिए रिसोर्स सेंटर से समन्वय कर, नया कोर्स शुरू करने की सुविधा उपलब्ध होगी। विश्वविद्यालय प्रदेश की भाषा और बोलियों से जुड़े डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, स्नातक और परास्नातक कोर्स शुरू करेगा। वहीं, अन्य राज्यों की ओपन यूनिवर्सिटी के साथ समन्वय स्थापित करके उनके कोर्सेज का सिलेबस भी शामिल किया जाएगा।

कुलपति ने बताया कि यह पहल कामगारों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए की गई है। गाइडलाइन जल्द ही जारी की जाएगी। कामगार और मजदूरों को अपनी पढ़ाई जारी रखने में काफी मदद मिलेगी और उच्च शिक्षा की राह आसान हो जाएगी।

विश्वविद्यालय के राजधानी स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में कुलपति डा.सत्यकाम ने प्राचार्य व क्षेत्रीय समन्वयकों की कार्यशाला को संबोधित किया • विश्वविद्यालय

स्वदेश — लखनऊ - मुख्य संस्करण — 8 Aug 2024

विविधता से परिपूर्ण है दूरस्थ शिक्षा : प्रो.सत्यकाम

स्वदेश समाचार ■ लखनऊ

दूरस्थ शिक्षा का महत्व आज बहुत बढ़ गया है। दूरस्थ शिक्षा विविधता से परिपूर्ण है। यहां किन्नर, जेल बन्दी, ग्रामीण, नौकरी पेशा लोगों तथा ग्रामीण महिलाओं के लिए कई तरह की सुविधा उपलब्ध है। इसके साथ ही मुक्त विश्वविद्यालय ने इसी सत्र 2024-25 से डिजिटल पाठ्य सामग्री लेने वाले छात्रों को प्रवेश शुल्क में 15% की एकमुश्त छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है। उक्त जानकारी उ.प्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो.सत्यकाम ने बुधवार को क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में आयोजित अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला नामांकन संवाद संपर्क एवं संप्रेषण में दी। इस दौरान प्रवेश प्रभारी प्रो.जेपी यादव, पूर्व परीक्षा नियंत्रक डॉ.जीके द्विवेदी एवं क्षेत्रीय समन्वयक डॉ.निरांजलि सिन्हा भी मौजूद रहीं।

प्रो. सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पहली बार समर्थ पोर्टल से प्रवेश शुरू किया है और इस बार हमने प्रथम वर्ष में एक लाख के प्रवेश लक्ष्य को सामने रखा है। जिसके लिए प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों में नामांकन बढ़ाने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। विश्वविद्यालय का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति में स्व अध्ययन पाठ्य सामग्री सर्वश्रेष्ठ पाठ्य सामग्री है। पाठ्य पुस्तक एवं गाइड की तुलना में स्व अध्ययन सामग्री की श्रेष्ठता सिद्ध है। मुक्त विश्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री का अध्ययन करके यूपीएससी एवं लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में अभ्यर्थी सफलता अर्जित करते रहे हैं। गत वर्ष एमए समाजशास्त्र की एक छात्रा ने भारतीय प्रशासनिक सेवा में सफलता हासिल की। विश्वविद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करना चाहता इसलिए शिक्षकों से शीघ्रता से स्व अध्ययन पाठ्य सामग्री का निर्माण करवाया जा रहा है। वह पिछड़े क्षेत्र की महिलाओं को शिक्षा के क्षेत्र में जागरूक करने के पक्षधर हैं। इसके लिए उन्होंने समन्वयकों का आह्वान किया कि पिछड़े क्षेत्र की महिलाओं को शिक्षा के लिए प्रेरित करें। ग्रामीण क्षेत्रों में शादी के बाद अक्सर महिलाएं पढ़ने से वंचित रह जाती हैं ऐसी महिलाओं को मुक्त विश्वविद्यालय में नामांकित करने के लिए प्रेरित करें।

प्रदेश के बाहर रह रहे कामगारों को साल में एक बार ही देनी होगी परीक्षा : प्रो. सत्यकाम

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से प्रदेश के बाहर दूसरे राज्यों में काम करने गए कामगारों को अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए जल्दी एक नई व्यवस्था शुरू करने जा रहा है। इसके तहत दूसरे राज्यों में काम कर रहे लोगों को मुक्त विश्वविद्यालय अपने यहां से पढ़ाई करने के दौरान उन्हें एक विशिष्ट लाभ देगा, जिससे उन्हें अपने काम के साथ-साथ पढ़ाई पूरा करने का भी मौका मिल सकेगा। इसके तहत ऐसे लोगों को साल में एक बार आकर अपने चयनित केंद्र या क्षेत्रीय केंद्र पर लिखित परीक्षा देनी होगी। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बुधवार को विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित एक कार्यशाला के दौरान आये सभी कोऑर्डिनेटर को दी।

इस अवसर पर पत्रकारों से रूबरू होते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना को मूर्त रूप देने के लिए काम चल रहा है। जल्द ही इससे जुड़ी गाइडलाइन जारी कर दिया जाएगा। कुलपति लखनऊ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में अध्ययन केंद्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला में शामिल होने के लिए आए थे। कुलपति डॉ. सत्यकाम ने बताया कि हमारा विवि राज्य के अंदर ही ऑनलाइन कोर्सेज चलाने के लिए बाध्य है। इसके तहत हम उत्तर प्रदेश के रहने वाले लोगों को दूरस्थ शिक्षा से पढ़ाई पूरा करने का मौका देते हैं। उन्होंने बताया कि काफी संख्या में हमारे प्रदेश के रहने वाले युवा काम की तलाश में दूसरे प्रदेशों में जाते हैं। इनमें से ज्यादातर युवा हाईस्कूल व इंटरमीडिएट पास होते हैं और वह अपनी उच्च शिक्षा किसी कारणवश पूरी नहीं कर पाते हैं। ऐसे में दूरस्थ शिक्षा में सेमेस्टर के तहत उन्हें दो बार परीक्षा देने आने में परेशानी का सामना करना पड़ता है इसलिए ऐसे छात्रों को जोड़ने के लिए एक बार परीक्षा देने का विशेष प्रावधान दिया जायेगा इसके तहत प्रदेश के बाहर रह रहे मजदूर कामगार और अन्य लोगों को विश्वविद्यालय में ऑनलाइन पंजीकरण कराकर किसी भी कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। ऐसे लोगों को ऑनलाइन मोड में अपने असाइनमेंट व प्रैक्टिकल जमा करने का मौका मिलेगा।

ऑनलाइन स्टडी मैटेरियल लेने पर मिलेगा 15 फीसदी की छूट: कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि विश्वविद्यालय में छात्रों को दो तरह से स्टडी मैटेरियल मुहैया कराया जाता है। एक छात्रों को ऑफलाइन मोड में तो दूसरा ऑनलाइन मोड में स्टडी मैटेरियल देते हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन स्टडी मैटेरियल को प्रमोट करने के लिए इस साल से नई व्यवस्था शुरू हुई है जो भी विद्यार्थी ऑनलाइन स्टडी मैटेरियल लेगा, उसे 15 प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

क्षेत्रीय केंद्र से मिलेगा शिक्षक: कुलपति ने कहा कि किसी भी अध्ययन केंद्र पर अगर कोई नया विषय शुरू करना है और उस केंद्र पर सम्बन्धित विषय का शिक्षक नहीं है तो उसे क्षेत्रीय केंद्र से समन्वय स्थापित करके वहां पर नया कोर्स शुरू कर सकता है और ऐसे केंद्रों पर क्षेत्रीय केंद्रों से शिक्षक उपलब्ध करा दिए जायेंगे।

दूसरे राज्यों के मुक्त विवि से समन्वय स्थापित कर शुरू होंगे कई भाषाई कोर्स: कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं और बोलियां से जुड़े कोर्स को शुरू करेगा। इसके लिए पहले चरण में कुछ डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स शुरू होंगे, फिर अगले सत्र से इसमें स्नातक व परास्नातक स्तर के कोर्स शुरू किये जाएंगे। साथ ही देश के दूसरे राज्यों में चल रहे मुक्त विवि समन्वय स्थापित करेगा और उनके यहां चल रहे कोर्सों के सिलेबस को अपने यहां शामिल करेगा। इसके लिए जो भी जरूरी कदम होंगे वह उठाये जाएंगे, इससे विश्वविद्यालय को अपने कोर्सों को अपग्रेड करने और नए विषय के लिए कोर्स तैयार करने में काफी सहूलियत होगी।

बाध्यता दूर हो तो बीएएलएलबी व पैरा मेडिकल कोर्स करें शुरू: प्रो. सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय होने के कारण हमारे साथ कई बाध्यता जुड़ी है यदि यह बाध्यता न हो तो प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों से समन्वय कर हम अपने यहां बीए एलएलबी और पैरा मेडिकल जैसे कोर्स भी शुरू करें ताकि इसका लाभ युवाओं को मिल सके। मसलन बीए एलएलबी कोर्स शुरू किया जाये तो बीए हमारे यहां और एलएलबी करके छात्र वकालत न करके लीगल एडवाइजर बन सकता है। इसी तरह युवाओं को पैरा मेडिकल का ज्ञान होने से झोलाछाप डाक्टरों पर भी नकेल कसा जा सकता है।

---

my city अमर उजाला — बृहस्पतिवार 08.08.2024 — लखनऊ — 32.2° 25.5°

दूसरे राज्यों में रह रहे मजदूरों व कर्मचारियों को पढ़ने का मौका

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी (यूपीआरटीओयू) की पहल से प्रदेश के बाहर दूसरे राज्यों में रह रहे मजदूरों व कर्मचारियों को भी पढ़ाई का रास्ता आसान हो जाएगा। इसके लिए साल में एक ही बार परीक्षा का विकल्प रखा गया है। ऐसे छात्र असाइनमेंट भी ऑनलाइन जमा कर सकेंगे।

यह जानकारी विवि के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बुधवार को लखनऊ के क्षेत्रीय केंद्र पर आयोजित कार्यशाला के दौरान दी। उन्होंने बताया कि जो छात्र ऑनलाइन स्टडी कोर्स लेना पसंद करेंगे, उनको फीस में 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। उन्होंने बताया कि लखनऊ केंद्र को योग हब बनाएंगे। दूसरे विवि में पढ़ाई के दौरान भी छात्र उनके यहां डिग्री या डिप्लोमा के लिए पढ़ाई कर सकते हैं।

छात्रों संग यूपीआरटीओयू के कुलपति। संवाद

यूपीआरटीओयू की ओर से बोली जाने वाली जिलेवार भाषा में भी कोर्स शुरू करने की योजना है। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने लखनऊ रीजनल के 70 मेधावियों को टैबलेट वितरित किए। इस मौके पर क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. नीरांजलि सिन्हा सहित सभी रीजनल सेंटरों के समन्वयक मौजूद रहे।

हिन्दुस्त

मुक्त विवि में डिजिटल सामग्री वाले छात्रों को 15 फीसदी छूट

लखनऊ, संवाददाता। दूरस्थ शिक्षा का महत्व आज बहुत बढ़ गया है। दूरस्थ शिक्षा विविधता से परिपूर्ण है। यहां किन्नर, जेल बन्दी, ग्रामीण, नौकरी पेशा और ग्रामीण महिलाओं के लिए कई तरह की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही मुक्त विश्वविद्यालय ने इसी सत्र 2024-25 से डिजिटल पाठ्य सामग्री लेने वाले छात्रों को प्रवेश शुल्क में 15 फीसदी की एकमुश्त छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने दी।

वह बुधवार को क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में आयोजित अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला नामांकन संवाद संपर्क और संप्रेषण में मुख्य अतिथि रहे। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पहली बार समर्थ पोर्टल से प्रवेश शुरू किया है और इस बार हमने प्रथम वर्ष में एक लाख के प्रवेश लक्ष्य को सामने रखा है। लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र को योग हब के रूप में विकसित करने का ऐलान किया। कार्यशाला में क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. निरांजलि सिन्हा, प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर जेपी यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

सेमेस्टर सिस्टम के बावजूद साल में एक बार होगी परीक्षा

■ एनबीटी, लखनऊ: प्रदेश के बाहर काम करने वाले लोग को अब आसानी से आगे की पढ़ाई कर सकेंगे। 10वीं और 12वीं पास कामगार उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) में ऑनलाइन प्रवेश ले सकेंगे और ऑनलाइन असाइनमेंट भी जमा कर सकेंगे। यही नहीं सेमेस्टर सिस्टम के बावजूद उन्हें साल में एक बार ही परीक्षा देनी पड़ेगी। विवि के कुलपति डॉ. सत्यकाम ने बुधवार को आशियाना कॉलोनी स्थित रीजनल सेंटर में हुई कार्यशाला में बताया कि इसके लिए जल्द नई व्यवस्था शुरू की जाएगी, हालांकि दूसरे प्रदेशों में काम करने वालों को ही इसका लाभ मिलेगा।

कार्यशाला में कुलपति डॉ. सत्यकाम ने बताया कि विवि में दो तरह से स्टडी मटीरियल मुहैया करवाया जाता है। एक ऑफलाइन फोटोकॉपी के रूप में और दूसरा ऑनलाइन पीडीएफ फॉर्मेट में।

ऑनलाइन स्टडी मटीरियल को प्रमोट करने के लिए अब विवि अब 15 प्रतिशत की छूट भी देगा। उन्होंने बताया कि अब रिसोर्स सेंटर अपने यहां नए विषय में भी पढ़ाई शुरू कर सकेंगे। इसके लिए संबंधित विषय के शिक्षक रीजनल सेंटर से उपलब्ध करवाए जाएंगे।

बोलियों में भी शुरू होंगे कोर्स: कुलपति ने बताया कि विवि में प्रदेश की क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों से जुड़े कोर्स भी शुरू होंगे। पहले चरण में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स के रूप में इसकी शुरुआत होगी।

पायनियर — लखनऊ, बृहस्पतिवार, 8 अगस्त 2024

प्रदेश के बाहर रह रहे कामगारों को डिस्टेंस एजुकेशन का मौका देगी यूपीआरटीओयू

● साल में एक बार परीक्षा देने की होगी व्यवस्था, ऑनलाइन मोड में जमा कर सकते है असाइनमेंट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

दो पैसे कमाने के चक्कर में प्रदेश से बाहर गये कामगारों को अब अपनी पढ़ाई शुरू करने का मौका मिलेगा। ऐसे कामगारों के लिए उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय जल्द एक नई व्यवस्था शुरू करने जा रहा है। इसके तहत ऐसे लोगों को साल में एक बार आकर अपने चयनित सेंटर या रीजनल सेंटर पर रिटन एग्जाम देना होगा। बुधवार को यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर सत्यकाम ने यूनिवर्सिटी के रीजनल सेंटर में आयोजित एक कार्यशाला के दौरान आए सभी कोऑर्डिनेटर को दी।

इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए कुलपति ने कहा कि इस योजना को मूर्त रूप देने के लिए काम चल रहा है। जल्द ही इससे जुड़ी गाइडलाइन जारी कर दी जायेगी। डॉ. सत्यकाम ने बताया कि हमारी यूनिवर्सिटी स्टेट के अंदर ही ऑनलाइन कोर्सेज चलाने के लिए बाध्य है। इसके तहत हम उत्तर प्रदेश के रहने वाले लोगों को डिस्टेंस माध्यम से पढ़ाई पूरे करने का मौका देते हैं। उन्होंने बताया कि काफी संख्या में हमारे प्रदेश के रहने वाले युवा काम की तलाश में दूसरे प्रदेशों में जाते हैं। इनमें से ज्यादातर युवा हाईस्कूल व इंटरमीडिएट पास होते हैं और वह अपनी उच्च शिक्षा किसी कारणवश पूरी नहीं कर पाते हैं। उन्होंने बताया कि नौकरी के कारण ऐसे लोगों को पर्याप्त समय भी नहीं मिल पाता है कि वह साल में दो बार परीक्षा के लिए समय निकाल सके।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के बाद ले सकते हैं प्रवेश

इसके तहत प्रदेश के बाहर रह रहे मजदूर कामगार और अन्य लोगों को विश्वविद्यालय में ऑनलाइन पंजीकरण करा कर किसी भी कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। ऐसे लोगों को ऑनलाइन मोड में अपने असाइनमेंट व प्रैक्टिकल जमा करने का मौका मिलता रहेगा। साथ ही इन जैसे छात्रों को साल में दो बार आकर परीक्षा देने के बजाय साल में एक बार ही परीक्षा देने का मौका दिया जाएगा। उन्हें सेमेस्टर सिस्टम के तरह साल में दो बार आकर परीक्षा देने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

दूसरे राज्यों के ओपन यूनिवर्सिटी से समन्वय स्थापित कर शुरू होंगे कई भाषाई कोर्स

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं और बोलियां से जुड़े कोर्स को शुरू करेगा। इसके लिए पहले चरण में कुछ डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स शुरू होंगे, फिर अगले सत्र से इसमें स्नातक व परास्नातक स्तर के कोर्सेज शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा उन्होंने बताया कि देश के दूसरे राज्यो में चल रहे ओपन युनिवर्सिटी के साथ विश्वविद्यालय समन्वय स्थापित करेगा। और उनके यहां चल रहे कोर्सेज के सिलेबस को अपने यहां शामिल करेगा। इसके लिए जो भी जरूरी कदम होंगे वह उठाए जाएंगे इससे विश्वविद्यालय को अपने कोर्सों को अपग्रेड करने और नए विषय के लिए कोर्स तैयार करने में काफी सहूलियत होगी।

ऑनलाइन स्टडी मैटेरियल लेने पर मिलेगा 15 फीसद की छूट

कुलपति डॉक्टर सत्यकाम ने बताया कि विश्वविद्यालय में छात्रों को दो तरह से स्टडी मैटेरियल मुहैया कराया जाता है। एक हमको उनको ऑफलाइन मोड में तो दूसरा ऑनलाइन मोड में स्टडी मैटेरियल देते हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन स्टडी मैटेरियल को प्रमोट करने के लिए इस साल से नहीं व्यवस्था शुरू हुई है। जो भी स्टूडेंट ऑनलाइन स्टडी मैटेरियल लेंगे उन्हें 15 फीसद की छूट प्रदान की जायेगी। इसके अलावा किसी भी रिसोर्स सेंटर पर अगर कोई नया विषय शुरू करना है और उसे रिसोर्स सेंटर को उसे विषय से संबंधित शिक्षक नहीं है तो वह रीजनल सेंटर से समन्वय स्थापित करके वहां पर नया कोर्स शुरू कर कर सकता है। ऐसे केंद्रों पर रीजनल सेंटर से परीक्षक उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

अमृत विचार — लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित — गुरुवार, 8 अगस्त 2024 — वर्ष 34, अंक 192, पृष्ठ 16 — लखनऊ — एक सम्पूर्ण अखबार

विविधता से परिपूर्ण है दूरस्थ शिक्षाः प्रो. सत्य काम

संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार: दूरस्थ शिक्षा का महत्व आज बहुत बढ़ गया है। दूरस्थ शिक्षा विविधता से परिपूर्ण है। यहां किन्नर, जेल बन्दी, ग्रामीण, नौकरी पेशा लोगों तथा ग्रामीण महिलाओं के लिए कई तरह की सुविधा उपलब्ध है। इसके साथ ही मुक्त विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से डिजिटल पाठ्य सामग्री लेने वाले छात्रों को प्रवेश शुल्क में 15 प्रतिशत की एकमुश्त छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है। उक्त जानकारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बुधवार को क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में आयोजित अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला नामांकन संवाद संपर्क एवं संप्रेषण में दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. सत्यकाम। अमृत विचार

प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पहली बार समर्थ पोर्टल से प्रवेश शुरू किया है और इस बार हमने प्रथम वर्ष में एक लाख के प्रवेश लक्ष्य को सामने रखा है। इसके लिए प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों में नामांकन बढ़ाने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करना चाहता इसीलिए शिक्षकों से शीघ्रता से स्व अध्ययन पाठ्य सामग्री का निर्माण करवाया जा रहा है। डॉ. जीके द्विवेदी ने सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षाओं से संबंधित जानकारी दी। लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र से संबद्ध लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बाराबंकी, बलरामपुर एवं हरदोई आदि जिलों में स्थित अध्ययन केन्द्रों से आए समन्वयकों डॉ. पुष्पा बरनवाल, डॉ. अजीत कुमार सिंह, डॉ. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव, डॉ. बृजेश कुमार यादव, डॉ. रश्मि अग्रवाल, भावना श्रीवास्तव, प्रोफेसर राकेश जैन, डॉ. पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. विजयारानी वर्मा एवं रोशनी त्रिपाठी आदि ने कई सुझाव प्रस्तुत किए एवं उनकी समस्याओं का निराकरण विश्वविद्यालय से आए प्रतिनिधियों ने किया। स्वागत एवं विषय प्रवर्तन क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. निरांजलि सिन्हा ने किया।

Uprtou to reintroduce yoga, home science courses

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: The yoga and MA in home science courses from UP Rajarshi Tandon Open University (Uprtou), which were discontinued due to certain UGC norms two years ago, will be restarted in January next year, said varsity vice-chancellor Prof Satyakam while speaking to HT on Tuesday.

Prof Satyakam, who was present during a tablet distribution drive organised at the university's regional centre in the city, explained that the course norms required by the Distance Education Bureau were not met two years ago,

Uprtou V-C Prof Satyakam FILE

leading to the courses' termination.

"We have worked on fulfilling all the norms, and the courses will possibly start in January next year. We are working on bringing good quality study material and quality teachers for the courses," he said.

In addition to the Yoga and MA in Home Science courses, the varsity is also planning to introduce some appreciation courses in regional languages. "I wish to have the syllabus for all the courses ready in regional languages. However, we are planning to begin some appreciation courses in Braj, Bundelkhandi, and Awadhi soon. These languages will help the youth learn our culture and at the same time help enrich Hindi," said Satyakam.

He also emphasised his focus on providing quality education to students digitally. "We are trying to get Open Education Resources with cooperation from other open universities, which would allow us to use their study material and vice versa, so that the duplicity and hard work in making study material for the same topics can be reduced. We have also announced a 15% concession for students who opt for digital study materials," he added.

Prof Satyakam took charge as the VC in June earlier this year. UPRTOU is the only open university in the state. Unlike IGNOU, which caters to students from across the country, UPRTOU focuses on the students in the state. He shared that his focus is on bringing farmers, the rural population, and women to the courses run by the university.

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 8 अगस्त, 2024

विविधता से परिपूर्ण है दूरस्थ शिक्षाः प्रो सत्यकाम

संवाददाता। प्रयागराज

दूरस्थ शिक्षा का महत्व आज बहुत बढ़ गया है। दूरस्थ शिक्षा विविधता से परिपूर्ण है। यहां किन्नर जेल बन्दी ग्रामीण नौकरी पेशा लोगों तथा ग्रामीण महिलाओं के लिए कई तरह की सुविधा उपलब्ध है। इसके साथ ही मुक्त विश्वविद्यालय ने इसी सत्र 2024 25 से डिजिटल पाठ्य सामग्री लेने वाले छात्रों को प्रवेश शुल्क में 15 फीसद की एकमुश्त छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सत्यकाम ने बुधवार को क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में आयोजित अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला नामांकन संवाद संपर्क एवं संप्रेषण में दी।

प्रो सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पहली बार समर्थ पोर्टल से प्रवेश शुरू किया है और इस बार हमने प्रथम वर्ष में एक लाख के प्रवेश लक्ष्य को सामने रखा है। जिसके लिए प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों में नामांकन बढ़ाने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं।। प्रो सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति में स्व अध्ययन पाठ्य सामग्री सर्वश्रेष्ठ पाठ्य सामग्री है। पाठ्य पुस्तक एवं गाइड की तुलना में स्व अध्ययन सामग्री की श्रेष्ठता सिद्ध है।

मुक्त विश्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री का अध्ययन करके यूपीएससी एवं लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में अभ्यर्थी सफलता अर्जित करते रहे हैं। गत वर्ष एम ए समाजशास्त्र की एक छात्रा ने भारतीय प्रशासनिक सेवा में सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करना चाहता इसीलिए शिक्षकों से शीघ्रता से स्व अध्ययन पाठ्य सामग्री का निर्माण करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह पिछड़े क्षेत्र की महिलाओं को शिक्षा के क्षेत्र में जागरूक करने के पक्षधर हैं। इसके लिए उन्होंने समन्वयकों का आह्वान किया कि पिछड़े क्षेत्र की महिलाओं को शिक्षा के लिए प्रेरित करें।

कार्यशाला में प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर जे पी यादव ने विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप किए जा रहे समर्थ पोर्टल से प्रवेश की जानकारी दी। डॉ जी के द्विवेदी ने सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षाओं से संबंधित जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में आए हुए आगन्तुकों का स्वागत एवं विषय प्रर्वतन क्षेत्रीय समन्वयक डॉ निरांजलि सिन्हा ने किया।

कार्यशाला का संचालन सुमन वर्मा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ अलका वर्मा ने किया। योग विषय के विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए उन्होंने लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र को योग हब के रूप में विकसित करने का ऐलान किया। इस अवसर पर जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र लेखाकार अवनीश चन्द्र तथा इंदु भूषण पाण्डेय उपस्थित रहे।

अमृत विचार
बरेली

छात्रों की सुविधा के लिए एप विकसित करेगा राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय

कार्यालय संवाददाता,बरेली

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के डोहरा रोड स्थित क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र में गुरुवार को मेरठ और बरेली के क्षेत्रीय कार्यालयों के प्राचार्यों और समन्वयकों की नामांकन, संवाद, संपर्क और संप्रेषण विषय पर कार्यशाला हुई। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कार्यशाला में कहा कि इस बार का लक्ष्य एक लाख छात्रों का प्रवेश लेना है। इसके अलावा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का भी ध्यान रखना होगा। विश्वविद्यालय यूपीआरटीओ एप तैयार कर रहा है, जिससे एक क्लिक में नामांकित छात्र के प्रवेश से लेकर परीक्षा परिणाम तक सभी सूचनाएं आसानी से मिल सकेंगी।

उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा के तहत नई शिक्षा नीति के अनुसार सेमेस्टर सिस्टम में छात्रों को असाइनमेंट, प्रोजेक्ट या प्रैक्टिकल

प्रेसवार्ता मेंजानकारी देते कुलपति प्रो . सत्यकाम। • अमृत विचार

• कुलपति ने केंद्रों के समन्वयकों को दिया एक लाख प्रवेश का लक्ष्य

ऑनलाइन या ऑफलाइन के माध्यम से दे सकेंगे। एमबीए और एमसीए के छात्रों को क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र उपलब्ध कराया जाएगा। छात्रों के परीक्षा केंद्र भी स्थानीय ही दिए जाएंगे। उन्होंने कहा अन्य कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के साथ संपर्क बढ़ाया जाएगा जिससे छात्रों को नई शिक्षा नीति के तहत एक डिग्री कोर्स के साथ अन्य डिप्लोमा और डिग्री की महत्ता का पता चल सके।

प्रवेश प्रभारी प्रो. जयप्रकाश यादव ने बताया अब तक विश्वविद्यालय के 101 छात्रों का चयन मल्टीनेशनल कंपनियों में हो चुका है। डॉ. जीके द्विवेदी ने बताया दूरस्थ शिक्षा से संबंधित समस्याओं के निवारण के लिए हर जिले में एक स्टडी सेंटर स्थापित किया जाएगा। इस बार कुलपति की ओर से दिए गए प्रवेश के लक्ष्य को एक लाख से बीस हजार से ऊपर लेकर जाना है। कार्यक्रम में डॉ. विजय प्रताप सिंह, डॉ. एसबी यादव, डॉ. नीरज कुमार आदि उपस्थित रहे।

अमर उजाला

अब एक क्लिक पर मिलेगी प्रवेश से परिणाम तक की पूर्ण जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

बरेली। उत्तरप्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की सुविधा के लिए बृहस्पतिवार को यूपीआरटीओ एप लॉन्च किया है। इससे विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर प्रवेश से लेकर परीक्षा और परिणाम से जुड़ी जानकारियां मिल सकेंगीं।

बरेली क्षेत्रीय केंद्र में बृहस्पतिवार को बरेली और मेरठ से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि आज हर युवा के हाथ में मोबाइल है।

ऐसे में विश्वविद्यालय अब एप विकसित करेगा। इससे विद्यार्थी एक ही क्लिक पर प्रवेश, काउंसलिंग, परीक्षा और परिणाम की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

विवि के कार्यक्रमों की गुणवत्ता को बढ़ाया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों की पहुंच अंतरराष्ट्रीय स्तर तक हो सके। कुलपति ने नामांकन कराने के लिए संवाद और संपर्क को बहुत जरूरी बताया। समन्वय और सहयोग के भाव से ही विद्यार्थी के अंदर संतुष्टि का भाव आएगा। शिक्षक संवाद करें, ताकि विद्यार्थी समस्याएं लेकर केंद्र पर नहीं पहुंचें।

कुलपति ने राजर्षि के नाम पर पौधरोपण किया। संचालन डॉ. विजय प्रताप सिंह ने किया। इस दौरान प्रवेश प्रभारी प्रो. जयप्रकाश यादव, डॉ. जीके द्विवेदी, बरेली/मेरठ क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ. सतेंद्र बाबू, जन संपर्क अधिकारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र उपस्थित रहे।

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि ने विद्यार्थियों के लिए लॉन्च किया एप

प्रेसवार्ता में जानकारी देते कुलपति प्रो. सत्यकाम। संवाद

कार्यशाला में इन जिलों के शिक्षकों ने भी की शिरकत

कार्यशाला नामांकन, संवाद, संपर्क और संप्रेषण विषय पर आधारित रही। इसमें बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध पीलीभीत, मुरादाबाद, संभल, रामपुर, बदायूं व शाहजहांपुर, क्षेत्रीय केंद्र मेरठ से संबद्ध बागपत, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, अमरोहा और बिजनौर जिले से आए शिक्षकों ने छात्र संख्या बढ़ाने के लिए सुझाव दिए और समस्याएं बताईं।

एक साथ दो डिग्री कोर्स कर सकते हैं राजर्षि विवि में

अमर भारती

• कौशल युक्त शिक्षा देने के लिए संकल्पबद्ध राजर्षि विश्वविद्यालय

[illegible]

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कार्यक्रम की एक झलक।

समर्थ पोर्टल से प्रवेश प्रक्रिया में आएगी पारदर्शिता

कार्यशाला में मौजूद अतिथि व अन्य लोग। संवाद

आगरा। बमरौली कटारा स्थित कृष्ण कॉलेज ऑफ साइंस एंड रूरल टेक्नोलॉजी में प्राचार्य एवं समन्वयक कार्यशाला हुई इसमें आगरा, एटा, फिरोजाबाद, हाथरस, कासगंज समेत कई जिलों के अध्ययन केंद्रों के समन्वयक शामिल हुए।

समर्थ पोर्टल की उपयोगिता पर मंथन हुआ। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि 2024-25 सत्र की प्रवेश प्रक्रिया पोर्टल से शुरू हो गई हैं। समर्थ पोर्टल से प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी। प्रभारी निदेशक डॉ. जीके द्विवेदी, डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र मौजूद रहे। ब्यूरो

दिनांक : 09 अगस्त, 2024

मुक्तविश्वविद्यालय
में
काकोरीट्रेन एक्शन शताब्दीमहोत्सव
के अर्न्तगत
एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार

दिनांक–09अगस्त, 2024 कोउत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाजविज्ञानविद्याशाखा द्वाराकाकोरीट्रेन एक्शन शताब्दीमहोत्सव के अर्न्तगत एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनारविषय 'सरफरोशी की तमन्ना' का आयोजनकियागया। एक दिवसीय वेबिनारकार्यक्रम के मुख्या वक्ताप्रो. कुमाररत्नम् जी, अतिरिक्तसंचालक, ग्वालियर चंबल संभागउच्चशिक्षा विभाग, म. प्र.रहेतथाअध्यक्षतामाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने की।

कार्यक्रम का संचालन एवंअतिथियों का स्वागतकार्यक्रमसंयोजकप्रो. संतोषाकुमार ने कियातथा धन्यवादप्रो. संजय कुमार सिंह ने किया।कार्यक्रम के आयोजनसचिवडॉ. सुनीलकुमार, सहायकआचार्य एवंसह. आयोजनसचिवडॉ. सुबासचन्दपाल, डॉ. योगेशकुमार यादव एवंश्रीराजेश सिंह, सहआचार्य डॉ0 आनन्दानन्द त्रिपाठी, डॉ0 त्रिविक्रमतिवारी, डॉ0 दीपशिक्षा श्रीवास्तव, एवंविश्वविद्यालय के सभीशिक्षको एवं शोधार्थीआदिउपस्थितरहे।

काकोरी एक्शन ने स्वतंत्रताआन्दोलनकोतीव्रताप्रदानकिया–प्रो. कुमाररत्नम

मुख्य वक्ताप्रो. कुमाररत्नम् ने कहाकिकाकोरी एक्शन शताब्दीमहोत्सव के अन्तर्गतसरफरोशी की तमन्नाविषय परअपनीबात रखतेहुए बताया की काकोरी घटना इस लिए महत्पूर्णहैकि यह स्वतंत्रताआन्दोलनकोआर्थिक रूप से समृद्धि प्रदानकरने के लिए की गयी।उन्होनेकहा की स्वतंत्रताआन्दोलनजब–जब धीमापडाकाकोरीजैसी घटनाओं ने उसमेंतीब्रताप्रदानकिया।उन्होनेकहा की ऐसी घटनाओंकोअसफलबतायाजाताथा, लेकिनहमेंउसकेदूरगामीपरिणामों से उसेंसफलमाननाहोगा।उन्होने इस घटनामेंफॉसीप्राप्तकरनेवालेराजेन्द्रलाहिडी, रोशनलाल, रामप्रसादबिस्मिल, अशफाकउल्लाकोदेश के लिए उनकी शरफरोसी के लिए यादकियातथाकथितकाकोरीकाण्ड एक्शन के सौवेवर्षपर मा. मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथजीकोकाकोरी एक्शनसताब्दीसमारोहआयोजितकरनें के लिए धन्यवाददिया।

काकोरीप्रसंगभारतीय स्वाधीनतासंग्राममेंबहुतहीमहत्वपूर्णहै–प्रो. सत्यकाम

अध्यक्षीय संबोधनकरतेहुए आचार्यसत्यकामजी ने कहाकिकाकोरीप्रसंगभारतीय स्वाधीनतासंग्राममेंबहुतहीमहत्वपूर्णहै।आजादी की लड़ाईकोकाकोरीप्रसंग ने एक नईदिशाऔरगतिदी।सबसेबड़ीबात यह हैकि उस समय के क्रांतिकारियों ने लोगोंकोजगायाऔरउन्हेंआगे बढ़ने के लिए प्रेरितकिया।

दिनांक : 12अगस्त, 2024

आरएएफ कमांडेंट ने मुक्तविश्वविद्यालय के कुलपतिकोराष्ट्रीय ध्वजप्रदानकिया

हर घरतिरंगाअभियान

आजादी के अमृतमहोत्सव के अंतर्गत 15 अगस्त, 2024 तकराष्ट्रीयता की भावना के साथहर घरतिरंगाअभियान के अंतर्गत 12 अगस्त, 2024 कोविश्वविद्यालय परिसरमें 101 रैपिड एक्शनफोर्स के साथमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के नेतृत्वमेंआजादी का अमृतमहोत्सवमनायागया। 101वी बटालियनरैपिड एक्शनफोर्स के कमांडेंटश्रीमनोजकुमारगौतम ने इस अवसरपरमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी, कुलसचिव एवंअन्य शिक्षकोंकोराष्ट्रीय ध्वजप्रदानकिया।

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने इस अवसरपरआर ए एफ जवानों का स्वागतकिया।माननीय कुलपति ने कहाकिराष्ट्रीयता की भावना के साथहर घरतिरंगाअभियानपूर्णउत्साह के साथसंचालितकियाजाएगा।

दिनांक : 13 अगस्त, 2024

मुक्तविश्वविद्यालय मेंमनायीगयी काकोरीट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के मानविकीविद्याशाखा के तत्वावधानमेंकाकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वींवर्षगांठ के अवसरपरकाकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दीसमारोहकार्यक्रम के अंतर्गतप्रेरणादाई घटनाक्रम एवंकाकोरी के नायकोंपरआधारितभारतीय स्वाधीनतामेंकाकोरी ट्रेन एक्शन के नायकों का योगदानविषय परभाषणप्रतियोगिता का आयोजनदिनांक 13 अगस्त, 2024 कोसरस्वतीपरिसरस्थितलोकमान्य तिलक शास्त्रार्थसभागारमेंकियागया।कार्यक्रम की अध्यक्षतामाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने की।

भाषणप्रतियोगितामेंविश्वविद्यालय के शोधछात्रों ने काकोरी एक्शन के नायकोंपरप्रकाशडालतेहुए कहाकि 9 अगस्त 1925 कोसहारनपुर लखनऊरेल प्रखंडपरस्थितकाकोरीनामकस्थानपरआठडाउनसहारनपुर–लखनऊ ट्रेन प्रसंगकोअंजामदियागया। इस घटनामेंरामप्रसादबिस्मिल, रोशनसेठ, अशफाकउल्ला खान, राजेंद्रलाहरीकोगिरफ्तारकरमुकदमाचलायागया एवंक्रमशः गोरखपुर, नैनी, फैजाबाद, गोंडाजेलमेंउन्हेंफांसी दे दीगई।

डॉ सुमन सिंह सहायकआचार्यपुस्तकालय एवंसूचनाविज्ञान ने बतायाकिकाकोरी ट्रेन एक्शन के क्रांतिकारियों ने अपनेबलिदान से भारतीय नागरिकोंमेंराष्ट्रीयता की भावनाकोजगाने का कामकिया।कार्यक्रम का शुभारंभसरस्वतीप्रतिमापरमाल्यार्पण एवंदीपप्रज्ज्वलितकरकेकियागया।कार्यक्रम का संचालनआयोजनसचिव डॉ. अनिलकुमार यादव ने तथाधन्यवादज्ञापनकुलसचिवकर्नलविनय कुमार ने किया। इस अवसरपरविश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधछात्र

सरस्वतीवन्दना प्रस्तुत करतेहुए सहायकआचार्य, योग, डॉ0 अनिकेत एवं कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए आयोजनसचिव डॉ. अनिलकुमार यादव

माननीय अतिथियोंकोपुष्पगुच्छ एवंसमृतिचिन्हभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कार्यक्रममेंअपने–अपनेविचारव्यक्तकरतेहुए प्रतिभागीगण

कार्यक्रम के संयोजकप्रोफेसरसत्यपालतिवारी, निदेशक, मानविकीविद्याशाखा ने कहाकिहिंदुस्तानरिपब्लिकन एसोसिएशनभारत की स्वतंत्रता से पहलेक्रांतिकारीपार्टीथी।जिसकागठनहिंदुस्तानकोअंग्रेजों के शासन से मुक्तकरने के उद्देश्य से उत्तरप्रदेश एवंबंगाल के कुछक्रांतिकारियों द्वारासन 1924 मेंकियागया।

काकोरी के क्रांतिकारियों ने स्वाधीनतासंग्राम की अलख जगाई–प्रोफेसरसत्यकाम

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम

कार्यक्रम की अध्यक्षताकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामने कहाकिकाकोरीप्रसंगभारत का बहुतहीमहत्वपूर्णप्रसंगहै।आजादी की लड़ाईमेंकाकोरीप्रसंग ने एक नईदिशादीऔरसबसेबड़ीबात यह हैकि उस समय के क्रांतिकारियों ने लोगोंकोजगायाऔरउन्हेंप्रेरितकियाकिआगे बढ़ो।आगे बढ़करभारत के स्वाधीनतासंग्राममेंहिस्सालो। उस समय के क्रांतिकारीआंदोलनमेंरामप्रसादबिस्मिल, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, अशफाकउल्ला खानतथाचंद्रशेखरआजादआदि शामिलथे।काकोरीट्रेन एक्शन की 100 वर्षगांठपरविश्वविद्यालय परिवारइनक्रांतिकारियोंकोनमनकरताहै।

माननीय कुलपति प्रोफेसरसत्यकामजी को समृतिचिन्ह भेंट करउनका सम्मान करतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

धन्यवादज्ञापनकरतेहुए कुलसचिवकर्नलविनय कुमार

दिनांक : 13 अगस्त, 2024

छात्र–छात्राओं के बीचपहुंचामुक्तविश्वविद्यालय

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराजके माननीय कुलपतिजी के निदेशपरक्षेत्रीय केंद्रप्रयागराजद्वाराफूलपुर क्षेत्र मेंरंगबहादुरस्मारकसमताइंटरमीडिएटकॉलेजकरुआडीह , प्रतापपुरतथाजिलापंचायतइंटरमीडिएटकॉलेजउग्रसेनपुर , प्रयागराजमेंदिनांक 13 अगस्त, 2024 कोअध्यापकों एवंछात्र–छात्राओं के बीच क्षेत्रीय केंद्रप्रयागराज के समन्वयक डॉ0 अभिषेक सिंह ने विश्वविद्यालय के द्वाराचलाए जारहेविभिन्नकोर्स के विषय मेंविस्तृतजानकारीप्रदानकी ।इसकेसाथथीउन्होंने यह भीबतायाकिअब एक साथछात्र–छात्राएंदोडिग्रीप्राप्तकरसकतेहैं ।कौशलविकास एवंरोजगारपरकपाठ्यक्रमविशेष रूप से छात्र–छात्राओं के लिए उपयोगीहोसकतेहैं ।सत्र जुलाई 2024–25 विश्वविद्यालय की प्रवेशप्रक्रियाविभिन्नपाठ्यक्रमोंमेंचलरहीहैं ।

दिनांक : 13 अगस्त, 2024

छात्र–छात्राओं के बीचपहुंचामुक्तविश्वविद्यालय

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के माननीय कुलपतिजी के निदेशपरक्षेत्रीय केंद्र लखनऊ द्वारा शकुंतलामिश्राविकलांगविश्वविद्यालय लखनऊमेंदिनांक 13 अगस्त, 2024 कोअध्यापकों एवंछात्र–छात्राओं के बीच डॉ अलकावर्मा ने विश्वविद्यालय के द्वाराचलाए जारहेविभिन्नकोर्स के विषय मेंविस्तृतजानकारीप्रदान की इसकेसाथहीउन्होंने यह भीबतायाकिअब एक साथछात्र–छात्राएंदोडिग्रीप्राप्तकरसकतेहैंकौशलविकास एवंरोजगारपरकपाठ्यक्रमविशेष रूप से विकलांगछात्र–छात्राओं के लिए बहुतहीउपयोगीहोसकतेहैं। सत्र जुलाई 2024–25 विश्वविद्यालय की प्रवेशप्रकियाविभिन्नपाठ्यक्रमोंमेंचलरहीहैं।साथही इस विशेषछात्र समुह का उत्साहवर्धन के साथप्रोत्साहितकिया। लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र से उपस्थितसंजय कुमार ने भीछात्रोंकोबताया की वहसिर्फबतादेंकिउन्हेंकिसविषय मे प्रवेशलेनाहै। एक दिन उनके विश्वविद्यालय मेंहीकैम्पलगाकरप्रवेश की सभीप्रक्रियाकोपूर्णकरदियाजायेगा।

दिनांक : 13 अगस्त, 2024

मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्दपरकिसानसंगोष्ठी का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के माननीय कुलपतिजी के निदेशपर क्षेत्रीय केंद्रबरेलीमेंस्वामीविवेकानन्दशिक्षणसंस्थान के सहयोग से दिनांक 13 अगस्त, 2024 कोआयोजितकिसानगोष्ठीमें क्षेत्रीय केन्द्रबरेली, मेरठ एंवनोएडा के समन्वयक डॉ0 सतेन्द्रबाबू ने विश्वविद्यालय के द्वाराचलाए जारहेविभिन्नकोर्स के विषय मेंविस्तृतजानकारीप्रदान की इसकेसाथहीउन्होंने यह भीबतायाकिअब एक साथछात्र–छात्राएंदोडिग्रीप्राप्तकरसकतेहैं।कौशलविकास एवंरोजगारपरकपाठ्यक्रमछात्र–छात्राओं के लिए बहुतहीउपयोगीहोसकतेहैं। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ सतेन्द्रबाबू ने ऑनलाइन के माध्यम से बतायाकि कृषिकोर्सो के साथ–साथ यह भीबतायाकिरोजगार या सरकारीनौकरी के साथभीकोर्सकरसकतेहैं, एक रेगुलरडिग्री के साथदूसरीडिग्रीहमारेमुक्तविश्वविद्यालय से करसकतेहैं ऐसीव्यवस्थासरकार एवं यूजीसी द्वारा की गयीहैस्व–अध्ययन सामग्री न लेने पर फीसमें 15 प्रतिशत की छूटमाननीय कुलपति द्वारादीगयीहै।संगोष्ठीमें कृषिवैज्ञानिक डॉ0 एम0 पी0 सिंह, संस्थान के निदेशककौशलकुमारमिश्रा के साथग्रामप्रधानशिवलाल व क्षेत्रीय गणमान्य लोग व किसानउपस्थितरहे।

दिनांक : 13 अगस्त, 2024

छात्र–छात्राओं के बीचपहुंचामुक्तविश्वविद्यालय

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के माननीय कुलपतिजी के निदेशपर क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहतमॉडलपब्लिकस्कूलराजाजीपुरममेंदिनांक 14 अगस्त, 2024 कोछात्र–छात्राओं के बीच क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की समन्वयक डॉ0 निराजंलीसिन्हा ने विश्वविद्यालय के द्वाराचलाए जारहेविभिन्नकोर्स के विषय मेंविस्तार से वार्ता की ।

शोध एवंनवाचार के लिए राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय एवं डायटमें एमओ यू

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज एवंजिलाशिक्षा एवंप्रशिक्षणसंस्थानप्रयागराज द्वाराराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफलक्रियान्वयन, शोध एवंनवाचारहेतु स्वतंत्रतादिवस की पूर्वसंध्यापरउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम की उपस्थितिमेंकुलसचिवकर्नलविनय कुमारतथाजिलाशिक्षा एवंप्रशिक्षणसंस्थान, प्रयागराज के प्राचार्य/उपशिक्षा निदेशकश्रीराजेंद्रप्रताप के मध्य दिनांक 14 अगस्त, 2024 कोएक समझौताज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरितकियागया।

इस समझौताज्ञाप (एमओयू) का उद्देश्य परस्परसहमति से दोनों शैक्षणिकसंस्थानों के मध्य पारस्परिकसहचार्य से शोध एवं शैक्षिकक्रिया–कलापों एवंविचारों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भोमेंआदान–प्रदान, संकाय सदस्यों के शोधकौशलविकासहेतुविभिन्नप्रशिक्षणों, शिक्षणअधिगम की विधाओं का आदान–प्रदान, शिक्षणअधिगम की सामग्रियों का आदानप्रदान, प्रशिक्षणसाहित्य का आदान–प्रदानतथाक्रियात्मक शोधबिन्दुओं, बालिकाशिक्षा संवर्धन , गुणवत्तापूर्णसतत एवंसमावेशीशिक्षा का सृजन, इत्यादिहै।

विश्वविद्यालय के कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम की उपस्थितिमें समझौताज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरितकरतेहुए कुलसचिवकर्नलविनय कुमारतथाजिलाशिक्षा एवंप्रशिक्षणसंस्थान, प्रयागराज के प्राचार्य/उपशिक्षा निदेशकश्रीराजेंद्रप्रताप

जनसंपर्कअधिकारी डॉ प्रभातचन्द्रमिश्र ने बतायाकि इस बातपरभीसहमतिबनीकिभविष्य में 'एन0ई0पी0 2020' के सफलक्रियान्वयनहेतुसमेकितशिक्षकप्रशिक्षणजैसेकार्यक्रमोंपरसंकाय सदस्यों की अभियोग्यताओं का आदान–प्रदान, शोधतथानवाचार के क्षेत्र से संबंधितकार्यशाला का आयोजन, डाटासंकलन के साथ–साथ शोधप्रक्रियासंपादन से संबंधितगतिविधियों का आयोजनसम्मिलितहोगा। डॉ मिश्र ने बतायाकिकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने इस बातपरविशेषजोरदियाकिसतत एवंसमावेशीशिक्षा के सृजनहेतुबालिकाशिक्षा संवर्धनपरभीविशेषध्यानदियाजाएगा।

इस महत्वपूर्णअवसरपरउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम, कुलसचिवकर्नलविनय कुमार, प्रोफेसरप्रदीपकुमारपाण्डे, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसरसत्यपालतिवारीतथाप्राचार्य/उपशिक्षा निदेशकजिलाशिक्षा एवंप्रशिक्षणसंस्थानप्रयागराज उप शिक्षा निदेशक एवंप्राचार्यश्रीराजेंद्रप्रताप, डायटप्रवक्तावीरभद्रप्रताप,श्रीमती ऋचा राय,सुश्रीरेखा राम, डॉ अमित सिंह, श्रीसतीशचंद्र यादव, श्रीसंदीपकुमारआदिउपस्थितरहे।

विश्वविद्यालय के कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम की उपस्थितिमें समझौताज्ञापन (एमओयू) साझाकरतेहुए कुलसचिवकर्नलविनय कुमारतथाजिलाशिक्षा एवंप्रशिक्षणसंस्थान, प्रयागराज के प्राचार्य/उपशिक्षा निदेशकश्रीराजेंद्रप्रताप

विनीताहॉस्पिटल ने मुक्तविश्वविद्यालय से किया एम ओ यू

विश्वविद्यालय कर्मियोंकोमिलेगीसीजीएचएसरेटपरइलाज की सुविधा

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज एवंविनीताहॉस्पिटल के मध्य स्वतंत्रतादिवस की पूर्वसंध्यापरउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम की उपस्थितिमेंकुलसचिवकर्नलविनय कुमारतथाविनीताहॉस्पिटल के निदेशक डॉ0बिंदुविश्वकर्मा ने एक समझौताज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरितकिया।

इस समझौताज्ञाप (एमओयू) का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य संबंधीजागरूकताकार्यक्रमआयोजितकरकेलोगोंकोबीमारियों के मकड़जाल से बचानाहै।विश्वविद्यालय मेंस्वास्थ्य विज्ञानविद्या शाखा के द्वारा समय–समय परस्वास्थ्य जागरूकताकार्यक्रमआयोजितकियाजाताहै।अबदोनोंसंस्थानोंमेंअनुबंधहोने से विशेषज्ञचिकित्सकों का लाभजनसामान्य को मिल सकेगा।इसकेसाथहीअस्पताल के निदेशक डॉ बिंदुविश्वकर्मा ने पहल की किअबविश्वविद्यालय के सभीशिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियोंतथा उनके आश्रितोंकोसीजीएचएस की दरपरअस्पतालमेंइलाज की सुविधाप्रदान की जाएगी।उन्होंनेकहाकिअस्पतालप्रबंधनविश्वविद्यालय के साथमिलकरसामाजिकसरोकारकोआगे बढ़ाएगा।कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने अस्पतालप्रबंधन के इस पहल की सराहनाकी।

विश्वविद्यालय के कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम की उपस्थितिमें समझौताज्ञापन(एमओयू) हस्ताक्षरितकरतेहुए कुलसचिवकर्नलविनय कुमारतथाविनीताहॉस्पिटल के निदेशक डॉ0 बिंदुविश्वकर्मा

मुक्तविश्वविद्यालय ने निकाली तिरंगा यात्रा रैली

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के मानविकीविद्या शाखा के तत्वावधानमेंबुधवारदिनांक 14 अगस्त, 2024 कोविश्वविद्यालय परिसरमेंतिरंगा यात्रा रैलीनिकालीगई।जिसकानेतृत्वमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने किया। इस अवसरपररैलीमें शामिललोगदेशभक्ति से ओत–प्रोतनारेलगातेरहे।मानविकीविद्या शाखा के निदेशकप्रोफेसरसत्यपालतिवारी ने कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम का स्वागतकिया। इस अवसरपरकुलपति ने कर्मचारियोंकोराष्ट्रीय ध्वजप्रदानकिया।

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के नेतृत्वमेंतिरंगा यात्रा रैलीनिकालतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कर्मचारियोंकोराष्ट्रीय ध्वजप्रदानकरतेहुए

माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के नेतृत्वमें

तिरंगा यात्रा रैलीनिकालतेहुए

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

गोरखपुर के मलीनबस्तियोंमेंमहिलाओं एवंबच्चोंकोराष्ट्रीय ध्वजप्रदानकरतेहुए विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रगोरखपुर के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयकश्रीप्रवीनकुमार

14 अगस्त, 2024

द्वेषपूर्णव्यवहारत्यागकरप्रेम का संदेशफैलाएं–कुलपति

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के समाजविज्ञानविद्या शाखा के तत्वावधानमेंबुधवारदिनांक 14 अगस्त, 2024 कोविभाजनविभीषिकास्मृतिदिवस के अवसरपरसरस्वतीपरिसरस्थितलोकमान्य तिलक शास्त्र सभागारमेंविभाजनविभीषिका से संबंधितअभिलेख पुस्तकप्रदर्शनी एवंभारतपाकिस्तानविभाजनविभीषिका से जुड़ीडॉक्यूमेंट्रीफिल्म का प्रदर्शनलोकमान्य तिलक शास्त्र सभागारमेंकियागया।

इस अवसरपरअध्यक्षताकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिआजहमें यह प्रणलेनाचाहिए किहमअपनेअंदरनफरत का भावनहीं रखेंगे।हमेंइतिहास से सबक लेकर द्वेषपूर्णव्यवहारकोत्यागकरप्रेम का संदेशफैलानाहोगा।सभीलोगदेश के विकास के लिए भाईचारा बढ़ाएं।कुलपति का स्वागतसंयोजकप्रोफेसर एस कुमार ने किया।धन्यवादज्ञापनकुलसचिवकर्नलविनय कुमार ने किया ।

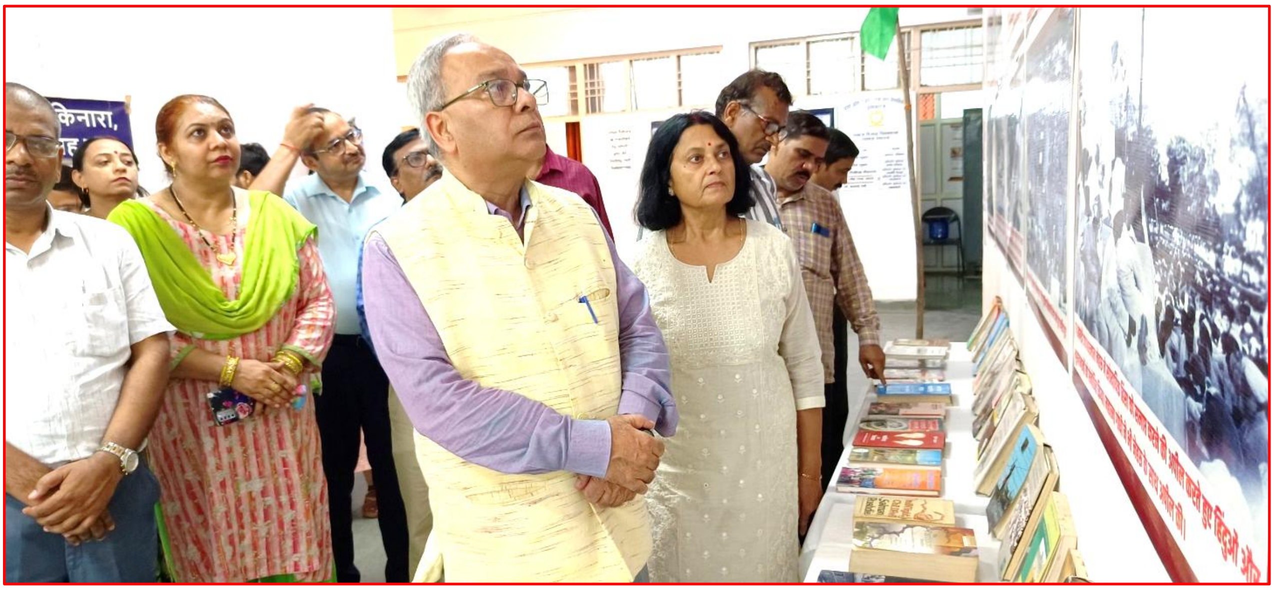

विभाजनविभीषिका से संबंधितअभिलेख पुस्तकप्रदर्शनी का अवलोकन करतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यक

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए डॉ0 सुभाषचन्द्रपाल

विषय प्रवर्तन एवंअतिथियोंकरतेहुए आयोजनसचिव प्रो0 सन्तोषाकुमार

भारतपाकिस्तानविभाजनविभीषिका से जुड़ीडॉक्यूमेंट्रीफिल्म का प्रदर्शन

मुक्तविश्वविद्यालय मेंकुलपति ने कियाध्वजारोहण

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमें स्वतंत्रतादिवस के अवसरपरमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने ध्वजारोहणकिया। कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने विश्वविद्यालय के सभीशिक्षकों, निदेशकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवंछात्र छात्राओंको स्वतंत्रतादिवस की शुभकामनाएं एवंबधाईदी।इस अवसरपरविश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवंछात्र–छात्राएंआदिउपस्थितरहे।

ध्वजारोहणकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

राष्ट्रगान

छात्राओं की शिक्षा के लिए मुक्तविश्वविद्यालय ने चलायानामांकनअभियान–कुलपति

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमें स्वतंत्रतादिवस के अवसरपरमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने ध्वजारोहणकिया। इस अवसरपरउन्होंनेकहाकिआज स्वतंत्रतासेनानियोंको यादकरने का अवसरहै। उनके बलिदान से हमेंअपनेकर्तव्यों की प्रेरणामिलतीहै।

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिमुक्तविश्वविद्यालय ने पूरेप्रदेशमें यह अभियानचलायाहैकिइंटरपासकरनेवालीकोईछात्रा अबउच्चशिक्षा से वंचित न रहे।इसकेलिए मुक्तविश्वविद्यालय छात्राओं के नामांकन के प्रतिबहुतगंभीरहै।प्रोफेसरसत्यकाम ने छात्राओं का उच्चशिक्षा मेंनामांकन बढ़ाने के लिए महिलाअध्ययन केंद्रकोअतिरिक्तजिम्मेदारीदेतेहुए केंद्र की नवनियुक्तप्रभारीप्रोफेसरश्रुतिकोअभिप्रेरितकिया।

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम

कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिदेश के प्रधानमंत्री एवंउत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री के दिशानिर्देशनमेंलड़कियोंकोपढ़ानेलिखाने की मुहिममेंमुक्तविश्वविद्यालय शामिलहोकर यह संकल्पपूराकरनाचाहताहैकिइंटरपासकरनेवालीकोईभीप्रदेश की कोईछात्रा उच्चशिक्षा से वंचित न रहजाए।उन्होंनेकहाकिस्वयंसेवीसंस्थाएंभीछात्राओंकोमुक्तविश्वविद्यालय मेंप्रवेशलेने के लिए अभिप्रेरितकरें।

माननीय कुलपति ने कहाकिउनकाउद्देश्य विश्वविद्यालय कोभारत का सर्वश्रेष्ठविश्वविद्यालय बनानाहै।इसकेलिए विश्वविद्यालय एडबलप्लस की तैयारीमेंअभी से जुटगयाहै।उन्होंनेकहाकि स्वतंत्रतादिवस के इस मौकेपरहमसभीको यह संकल्पलेनाचाहिए किदेश के विकासमेंअपनासर्वश्रेष्ठ योगदानप्रस्तुतकरेंगे।

कार्यक्रम की कुछअन्य झालकियॉं

माननीय कुलपति प्रोफेसरसात्यकामजी के साथविश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मी एवंविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

Voice Of Allahabad NEWS
हिन्दी दैनिक
R.N.I No. UPHIN/2014/59094
वॉइस ऑफ इलाहाबाद
खबर वही जो सच हो...
प्रयागराज वर्ष : 10 अंक : 246 पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया बुधवार 14 अगस्त 2024
Voice Of Allahabad - Hindi Dainik E-mail:-voiceofallahabadnews@gmail.com www.voiceofallahabad.com

काकोरी के क्रांतिकारियों ने स्वाधीनता संग्राम की अलख जगाईः प्रो. सत्यकाम

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज (हि.स.)। काकोरी प्रसंग भारत का बहुत ही महत्वपूर्ण प्रसंग है। आजादी की लड़ाई में काकोरी प्रसंग ने एक नई दिशा दी और सबसे बड़ी बात यह है कि उस समय के क्रांतिकारियों ने लोगों को जगाया और उन्हें प्रेरित किया कि आगे बढ़ो। आगे बढ़कर भारत के स्वाधीनता संग्राम में हिस्सा लो।

उक्त विचार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सत्यकाम ने मंगलवार को काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह में व्यक्त किया। कुलपति ने कहा कि उस समय के क्रांतिकारी आंदोलन में राम प्रसाद बिस्मिल, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, अशफाक उल्ला खान तथा चंद्रशेखर आजाद आदि शामिल थे। काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वर्षगांठ पर विश्वविद्यालय परिवार इन क्रांतिकारियों को नमन करता है।

मुक्त विवि के मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में कार्यक्रम के अंतर्गत प्रेरणादाई घटनाक्रम एवं काकोरी के नायकों पर आधारित भारतीय स्वाधीनता में काकोरी ट्रेन एक्शन के नायकों का योगदान विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया।

कार्यक्रम संयोजक प्रो सत्यपाल तिवारी, निदेशक मानविकी विद्या शाखा ने कहा कि हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन भारत की स्वतंत्रता से पहले क्रांतिकारी पार्टी थी। जिसका गठन हिन्दुस्तान को अंग्रेजों के शासन से मुक्त करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश एवं बंगाल के कुछ क्रांतिकारियों द्वारा 1924 में किया गया।

भाषण प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के शोध छात्रों ने काकोरी एक्शन के नायकों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 9 अगस्त 1925 को सहारनपुर लखनऊ रेल प्रखंड पर स्थित काकोरी नामक स्थान पर आठ डाउन सहारनपुर-लखनऊ ट्रेन प्रसंग को अंजाम दिया गया। इस घटना में राम प्रसाद बिस्मिल, रोशन सेठ, अशफाक उल्ला खान, राजेंद्र लाहरी को गिरफ्तार कर मुकदमा चलाया गया एवं क्रमशः गोरखपुर, नैनी, फैजाबाद, गोंडा जेल में उन्हें फांसी दे दी गई।

डॉ सुमन सिंह सहायक आचार्य पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान ने बताया कि काकोरी ट्रेन एक्शन के क्रांतिकारियों ने अपने बलिदान से भारतीय नागरिकों में राष्ट्रीयता की भावना को जगाने का काम किया। डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ.अनिल कुमार यादव तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं के बीच पहुंचा मुक्त विश्वविद्यालय

फूलपुर ब्यूरो।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा मंगलवार को फूलपुर क्षेत्र के रंगबहादुर स्मारक समता इंटरमीडिएट कॉलेज करुआडीह प्रतापपुर तथा जिला पंचायत इंटरमीडिएट कॉलेज उग्रसेनपुर में अध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं को क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज के समन्वयक डॉ अभिषेक सिंह ने विश्वविद्यालय के द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कोर्स के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि अब एक साथ छात्र-छात्राएं दो डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।कौशल विकास एवं रोजगार परक पाठ्यक्रम विशेष रूप से छात्र-छात्राओं के लिए उपयोगी हो सकते हैं। वर्तमान सत्र में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। इच्छुक छात्र-छात्राएं विद्यालय से संपर्क कर अपने मनपसंद कोर्स में नामांकन करा सकते हैं।

अमर उजाला
प्रयागराज बुधवार, 14 अगस्त 2024

मुक्त विवि ने मनाई काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि काकोरी प्रसंग भारत का बहुत ही महत्वपूर्ण प्रसंग है। आजादी की लड़ाई में काकोरी प्रसंग ने एक नई दिशा दी और सबसे बड़ी बात यह है कि उस समय के क्रांतिकारियों ने लोगों को जगाया और उन्हें प्रेरित किया कि आगे बढ़ो। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल कुमार यादव और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। ब्यूरो

स्वतंत्रता की पहली किरण का साथी
लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित
स्वतंत्र भारत
लखनऊ, बुधवार 14 अगस्त, 2024
epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : swatantrabharat.net

मुक्त विश्वविद्यालय में मनायी गयी काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ के अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत प्रेरणादाई घटनाक्रम एवं काकोरी के नायकों पर आधारित भारतीय स्वाधीनता में काकोरी ट्रेन एक्शन के नायकों का योगदान विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि काकोरी प्रसंग भारत का बहुत ही महत्वपूर्ण प्रसंग है। आजादी की लड़ाई में काकोरी प्रसंग ने एक नई दिशा दी और सबसे बड़ी बात यह है कि उस समय के क्रांतिकारियों ने लोगों को जगाया और उन्हें प्रेरित किया कि आगे बढ़ो। आगे बढ़कर भारत के स्वाधीनता संग्राम में हिस्सा लो। उस समय के क्रांतिकारी आंदोलन में राम प्रसाद बिस्मिल, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, अशफाक उल्ला खान तथा चंद्रशेखर आजाद आदि शामिल थे।

प्रयाग प्रभात
वर्ष 14 अंक 80 आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/42612 प्रयागराज, बुधवार 14 अगस्त 2024 पृष्ठ : 4 मूल्य : 2 रुपये

काकोरी के क्रांतिकारियों ने स्वाधीनता संग्राम की अलख जगाई – प्रोफेसर सत्यकाम

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 13 अगस्त उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ के अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत प्रेरणादाई घटनाक्रम एवं काकोरी के नायकों पर आधारित भारतीय स्वाधीनता में काकोरी ट्रेन एक्शन के नायकों का योगदान विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि काकोरी प्रसंग भारत का बहुत ही महत्वपूर्ण प्रसंग है। आजादी की लड़ाई में काकोरी प्रसंग ने एक नई दिशा दी और सबसे बड़ी बात यह है कि उस समय के क्रांतिकारियों ने लोगों को जगाया और उन्हें प्रेरित किया कि आगे बढ़ो। आगे बढ़कर भारत के स्वाधीनता संग्राम में हिस्सा लो। उस समय के क्रांतिकारी आंदोलन में राम प्रसाद बिस्मिल, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, अशफाक उल्ला खान तथा चंद्रशेखर आजाद आदि शामिल थे। काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वर्षगांठ पर विश्वविद्यालय परिवार इन क्रांतिकारियों को नमन करता है। कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा ने कहा कि हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन भारत की स्वतंत्रता से पहले क्रांतिकारी पार्टी थी। जिसका गठन हिंदुस्तान को अंग्रेजों के शासन से मुक्त करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश एवं बंगाल के कुछ क्रांतिकारियों द्वारा सन 1924 में किया गया। भाषण प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के शोध छात्रों ने काकोरी एक्शन के नायकों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 9 अगस्त 1925 को सहारनपुर लखनऊ रेल प्रखंड पर स्थित काकोरी नामक स्थान पर आठ डाउन सहारनपुर – लखनऊ ट्रेन प्रसंग को अंजाम दिया गया। इस घटना में राम प्रसाद बिस्मिल, रोशन सेठ, अशफाक उल्ला खान, राजेंद्र लाहरी को गिरफ्तार कर मुकदमा चलाया गया एवं क्रमशः गोरखपुर, नैनी, फैजाबाद, गोंडा जेल में उन्हें फांसी दे दी गई। डॉ. सुमन सिंह सहायक आचार्य पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान ने बताया कि काकोरी ट्रेन एक्शन के क्रांतिकारियों ने अपने बलिदान से भारतीय नागरिकों में राष्ट्रीयता की भावना को जगाने का काम किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ. अनिल कुमार यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं कर्मचारी गण आदि उपस्थित रहे।

R.N.I. NO-UPHIN/2023/84746
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
प्रयागराज से प्रकाशित
लक्ष्य समग्र
LS NEWS
Tweeter - @lsnews24 http://youtube.com/@LSNewslive Website - lakshyasamagra.com Facebook - http://www.facebook.com/lsnews24
वर्ष : 02 अंक : 138 प्रयागराज, बुधवार 14 अगस्त 2024 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपया

काकोरी के क्रांतिकारियों ने स्वाधीनता संग्राम की अलख जगाई-प्रोफेसर सत्यकाम

काकोरी के क्रांतिकारियों ने स्वाधीनता संग्राम की अलख जगाई-प्रोफेसर सत्यकाम

लक्ष्य समग्र

प्रयागराज – उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ के अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत प्रेरणादाई घटनाक्रम एवं काकोरी के नायकों पर आधारित भारतीय स्वाधीनता में काकोरी ट्रेन एक्शन के नायकों का योगदान विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि काकोरी प्रसंग भारत का बहुत ही महत्वपूर्ण प्रसंग है।आजादी की लड़ाई में काकोरी प्रसंग ने एक नई दिशा दी और सबसे बड़ी बात यह है कि उस समय के क्रांतिकारियों ने लोगों को जगाया

और उन्हें प्रेरित किया कि आगे बढ़ो। आगे बढ़कर भारत के स्वाधीनता संग्राम में हिस्सा लो।उस समय के क्रांतिकारी आंदोलन में राम प्रसाद बिस्मिल,भगत सिंह,सुखदेव,राजगुरु, अशफाक उल्ला खान तथा चंद्रशेखर आजाद आदि शामिल थे। काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वर्षगांठ पर विश्वविद्यालय परिवार इन क्रांतिकारियों को नमन करता है।कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा ने कहा कि हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन भारत की स्वतंत्रता से पहले क्रांतिकारी पार्टी थी। जिसका गठन हिंदुस्तान को अंग्रेजों के शासन से मुक्त करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश एवं बंगाल के कुछ क्रांतिकारियों द्वारा सन 1924 में किया गया। भाषण प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के शोध छात्रों ने काकोरी एक्शन के नायकों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 9 अगस्त 1925 को सहारनपुर लखनऊ रेल प्रखंड पर स्थित काकोरी नामक स्थान पर आठ डाउन सहारनपुर-लखनऊ ट्रेन प्रसंग को अंजाम दिया गया।इस घटना में राम प्रसाद बिस्मिल,रोशन सेठ,अशफाक उल्ला खान,राजेंद्र लाहरी को गिरफ्तार कर मुकदमा चलाया गया एवं क्रमशः गोरखपुर,नैनी,फैजाबाद,गोंडा जेल में उन्हें फांसी दे दी गई।डॉ० सुमन सिंह सहायक आचार्य पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान ने बताया कि काकोरी ट्रेन एक्शन के क्रांतिकारियों ने अपने बलिदान से भारतीय नागरिकों में राष्ट्रीयता की भावना को जगाने का काम किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करके किया गया।कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ० अनिल कुमार यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक,शोध छात्र एवं कर्मचारी गण आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र RNI No.-UPHIN/2020/82181 www.harbaatnews.com
हरबात
प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 04 अंक : 254 प्रयागराज, बुधवार, 14 अगस्त, 2024, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

काकोरी के क्रांतिकारियों ने स्वाधीनता संग्राम की अलख जगाई-प्रो.सत्यकाम

मुक्त विश्वविद्यालय में मनायी गयी काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ

हरबात संवाददाता

प्रयागराज ।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ के अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत प्रेरणादाई घटनाक्रम एवं काकोरी के नायकों पर आधारित भारतीय स्वाधीनता में काकोरी ट्रेन एक्शन के नायकों का योगदान विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि काकोरी प्रसंग भारत का बहुत ही महत्वपूर्ण प्रसंग है। आजादी की लड़ाई में काकोरी प्रसंग ने एक नई दिशा दी और सबसे बड़ी बात यह है कि उस समय के क्रांतिकारियों ने लोगों को जगाया और उन्हें प्रेरित किया कि आगे बढ़ो। आगे बढ़कर भारत के स्वाधीनता संग्राम में हिस्सा लो। उस समय के क्रांतिकारी

आंदोलन में राम प्रसाद बिस्मिल, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, अशफाक उल्ला खान तथा चंद्रशेखर आजाद आदि शामिल थे। काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वर्षगांठ पर विश्वविद्यालय परिवार इन क्रांतिकारियों को नमन करता है।कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा ने कहा कि हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन भारत की स्वतंत्रता से पहले क्रांतिकारी पार्टी थी। जिसका गठन हिंदुस्तान को अंग्रेजों के शासन से मुक्त करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश एवं बंगाल के कुछ क्रांतिकारियों द्वारा सन 1924 में किया गया। भाषण प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के शोध छात्रों ने काकोरी एक्शन के नायकों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 9 अगस्त 1925 को सहारनपुर लखनऊ रेल प्रखंड पर स्थित काकोरी नामक स्थान पर आठ डाउन सहारनपुर - लखनऊ ट्रेन प्रसंग को अंजाम दिया गया। इस घटना में राम प्रसाद बिस्मिल, रोशन सेठ, अशफाक उल्ला खान, राजेंद्र लाहरी को गिरफ्तार कर मुकदमा चलाया गया एवं क्रमशः गोरखपुर, नैनी, फैजाबाद, गोंडा जेल में उन्हें फांसी दे दी गई। डॉ सुमन सिंह सहायक आचार्य पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान ने बताया कि काकोरी ट्रेन एक्शन के क्रांतिकारियों ने अपने बलिदान से भारतीय नागरिकों में राष्ट्रीयता की भावना को जगाने का काम किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ. अनिल कुमार यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं कर्मचारी गण आदि उपस्थित रहे।

अमर उजाला
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रयागराज | बृहस्पतिवार, 15 अगस्त 2024 amarujala.com

प्रदर्शनी में दिखी विभाजन की विभीषिका

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को विभाजन विभीषिका से संबंधित अभिलेख पुस्तक प्रदर्शनी और उससे जुड़ी डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि आज हमें यह प्रण लेना चाहिए कि हम अपने अंदर नफरत का भाव नहीं रखेंगे। हमें इतिहास से सबक लेकर द्वेषपूर्ण व्यवहार को त्याग कर प्रेम का संदेश फैलाना होगा। कुलपति का स्वागत संयोजक प्रो. एस. कुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इससे पहले मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में परिसर में तिरंगा यात्रा रैली निकाली गई। ब्यूरो

अमर उजाला
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रयागराज | बृहस्पतिवार, 15 अगस्त 2024 amarujala.com

शोध के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे मुक्त विवि और डायट

सफल क्रियान्वयन के लिए समझौते के दौरान मौजूद लोग। स्रोत स्वयं

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) ने शोध एवं नवाचार के लिए समझौता किया है। विवि के कुलपति प्रो. सत्यकाम की उपस्थिति में बुधवार को कुलसचिव कर्नल विनय कुमार और डायट के प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक राजेंद्र प्रताप ने समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

इसका उद्देश्य दोनों संस्थानों के मध्य पारस्परिक सहचार्य से शोध एवं शैक्षिक क्रिया-कलापों और विचारों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भों में आदान-प्रदान करना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लिए समझौते पर हस्ताक्षर

समझौते में संकाय सदस्यों के शोध कौशल विकास के लिए विभिन्न प्रशिक्षणों, शिक्षण अधिगम की विधाओं का आदान-प्रदान, शिक्षण अधिगम की सामग्रियों का आदान प्रदान, प्रशिक्षण साहित्य का आदान-प्रदान और क्रियात्मक शोध बिंदुओं, बालिका शिक्षा संवर्धन, गुणवत्ता पूर्ण सतत एवं समावेशी शिक्षा का सृजन जैसी गतिविधियां भी शामिल हैं। मुक्त विवि के पीआरओ डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने मामले की जानकारी दी। ब्यूरो

दैनिक देवव्रत
www.dainikdevvrat.in
आजमगढ़, उ.प्र. वर्ष 33, अंक 297 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 14 अगस्त 2024, बुधवार
लखनऊ, नई दिल्ली, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र (राबर्ट्सगंज, अनपरा), मिर्जापुर, अयोध्या, गोरखपुर, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, मऊ, अम्बेडकरनगर एवं आजमगढ़ से प्रसारित

नए ज्ञान के सृजन के लिए पुस्तकों पर विमर्श जरूरी है- प्रो. साकेत कुशवाहा

प्रयागराज, 13 अगस्त (देवव्रत संवाद)। इण्डियन रिसर्च स्कॉलर्स एसोसिएशन के द्वारा शाम 3 बजे प्रो. शीला रॉय एवं प्रो. धीरेन्द्र बाजपेयी की पुस्तक ह्यवैश्वीकरण और सतत विकासः एक नए प्रतिमान की खोजह्व पर पुस्तक परिचर्चा का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम के समन्वयक विकास कुमार, जो इंडियन रिसर्च स्कॉलर्स एसोसिएशन के वर्तमान अध्यक्ष है । सभी अतिथियों का स्वागत किया और पुस्तक विमर्श के उद्देश्यों को सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। इस पुस्तक परिचर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर साकेत कुशवाह, माननीय कुलपति, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश सम्मलित रहे ।

विशिष्ट अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार, माननीय कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, हरियाणा एवं प्रो. सत्यकाम, माननीय कुलपति, राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज सम्मलित रहे । इस अकादमिक परिचर्चा की अध्यक्षता प्रो. शीला रॉय, राजनीति विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय एवं सदस्य गवर्निंग काउंसिल, आईसीसीएसआर, नई दिल्ली के द्वारा की गई । प्रारंभ में प्रो. साकेत कुशवाहा नें पूरी टीम को बधाई दिया और उन्होनें कहा कि ऐसे फोरम अकादमिक उत्कृष्टता की सक्रियता को गतिशीलता प्रदान करते है। प्रारंभ में उन्होनें पुस्तक के दोनों संपादकों को बधाई दिया और कहा कि अच्छे शोध पत्रों का संकलन करके पुस्तक का सम्पादन एक महत्वपूर्ण कार्य है इसके लिए दोनों संपादक धन्यवाद के पत्र है। चार पैनालिस्ट, इस पुस्तक के विषयवस्तु में आलोचनात्मक व्याख्या किए । प्रथम पैनालिस्ट के रूप में प्रो. पी. शक्तिवेल, प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु , दूसरे पैनालिस्ट प्रो. नामीराकपम बिजेन मीतेई, प्रोफेसर और राजनीति विज्ञान के प्रमुख, केंद्रीय विश्वविद्यालय, मणिपुर, तीसरे पैनालिस्ट के रूप में प्रो. ए. मुथुलक्ष्मी, लोक प्रशासन के प्रोफेसर, केंद्रीय विश्वविद्यालय मिजोरम एवं चौथे पैनालिस्ट के रूप में डॉ. असलम खान, एसोसिएट प्रोफेसर, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार सम्मलित नें पुस्तक पर अपना विमर्श प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में सम्पूर्ण भारत के रिसर्च स्कॉलर्स और विद्वानगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
यूनाइटेड भारत
सिर्फ सच के साथ हिन्दी दैनिक
बुधवार 14 अगस्त, 2024 प्रयागराज, वर्ष: 24, अंक: 287, पेज: 12 , मूल्य: 3.00 रुपए www.facebook.com/ubepaper unitedbharat21@gmail.com

काकोरी के क्रांतिकारियों ने स्वाधीनता संग्राम की अलख जगाई : प्रोफेसर सत्यकाम

मुक्त विश्वविद्यालय में मनायी गयी काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ के अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत प्रेरणादाई घटनाक्रम एवं काकोरी के नायकों पर आधारित भारतीय स्वाधीनता में काकोरी ट्रेन एक्शन के नायकों का योगदान विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि आजादी की लड़ाई में काकोरी प्रसंग ने एक नई दिशा दी और सबसे बड़ी बात यह है कि उस समय के क्रांतिकारियों ने लोगों को जगाया और उन्हें प्रेरित किया कि आगे बढ़ो। आगे बढ़कर भारत के स्वाधीनता संग्राम में हिस्सा लो। उस समय के क्रांतिकारी आंदोलन में राम प्रसाद बिस्मिल, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, अशफाक उल्ला खान तथा चंद्रशेखर आजाद आदि शामिल थे। काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वर्षगांठ पर विश्वविद्यालय परिवार इन क्रांतिकारियों को नमन करता है। कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा ने कहा कि हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन भारत की स्वतंत्रता से पहले क्रांतिकारी पार्टी थी। जिसका गठन हिंदुस्तान को अंग्रेजों के शासन से मुक्त करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश एवं बंगाल के कुछ क्रांतिकारियों द्वारा सन 1924 में किया गया। भाषण प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के शोध छात्रों ने काकोरी एक्शन के नायकों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 9 अगस्त 1925 को सहारनपुर लखनऊ रेल प्रखंड पर स्थित काकोरी नामक स्थान पर आठ डाउन सहारनपुर - लखनऊ ट्रेन प्रसंग को अंजाम दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ. अनिल कुमार यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं कर्मचारी गण आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI No.-UPHIN/2020/82181
www.harbaatnews.com
हरबात
प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 04 अंक : 255 प्रयागराज, गुरूवार, 15 अगस्त, 2024, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

शोध एवं नवाचार के लिए राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं डायट में एमओयू

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन, शोध एवं नवाचार हेतु स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज के प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक राजेंद्र प्रताप के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया।

इस समझौता ज्ञाप (एमओयू) का उद्देश्य परस्पर सहमति से दोनों शैक्षणिक संस्थानों के मध्य पारस्परिक सहचार्य से शोध एवं शैक्षिक क्रिया-कलापों एवं विचारों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भों में आदान-प्रदान, संकाय सदस्यों के शोध कौशल विकास हेतु विभिन्न प्रशिक्षणों, शिक्षण अधिगम की विधाओं का आदान-प्रदान, शिक्षण अधिगम की सामग्रियों का आदान प्रदान, प्रशिक्षण साहित्य का आदान - प्रदान तथा क्रियात्मक शोध बिन्दुओं, बालिका शिक्षा संवर्धन , गुणवत्ता पूर्ण सतत एवं समावेशी शिक्षा का सृजन, इत्यादि है।जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इस बात पर भी सहमति बनी कि भविष्य में 'एन0ई0पी0 2020' के सफल क्रियान्वयन हेतु समेकित शिक्षक प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों पर संकाय सदस्यों की अभियोग्यताओं का आदान- प्रदान, शोध तथा नवाचार के क्षेत्र से संबंधित कार्यशाला का आयोजन, डाटा संकलन के साथ-साथ शोध प्रक्रिया संपादन से संबंधित गतिविधियों का आयोजन सम्मलित होगा। डॉ मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सतत एवं समावेशी शिक्षा के सृजन हेतु बालिका शिक्षा संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।इस महत्वपूर्ण अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम, कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डे, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी तथा प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज उप शिक्षा निदेशक एवं प्राचार्य राजेंद्र प्रताप, डायट प्रवक्ता वीरभद्र प्रताप,श्रीमती ऋचा राय,सुश्री रेखा राम, डॉ अमित सिंह, सतीश चंद्र यादव, संदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/पंजी0/एडी0/119/15-17
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 13
अंक : 340
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक
गुरूवार, 15 अगस्त, 2024

शोध एवं नवाचार के लिए राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं डायट में एमओयू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन, शोध एवं नवाचार हेतु स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज के प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक राजेंद्र प्रताप के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया।

इस समझौता ज्ञाप (एमओयू) का उद्देश्य परस्पर सहमति से दोनों शैक्षणिक संस्थानों के मध्य पारस्परिक सहचार्य से शोध एवं शैक्षिक क्रिया-कलापों एवं विचारों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भों में आदान-प्रदान, संकाय सदस्यों के शोध कौशल विकास हेतु विभिन्न प्रशिक्षणों, शिक्षण अधिगम की विधाओं का आदान-प्रदान, शिक्षण अधिगम की सामग्रियों का आदान प्रदान, प्रशिक्षण साहित्य का आदान - प्रदान तथा क्रियात्मक शोध बिन्दुओं, बालिका शिक्षा संवर्धन , गुणवत्ता पूर्ण सतत एवं समावेशी शिक्षा का सृजन, इत्यादि है। जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इस बात पर भी सहमति बनी कि भविष्य में 'एन0ई0पी0 2020' के सफल क्रियान्वयन हेतु समेकित शिक्षक प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों पर संकाय सदस्यों की अभियोग्यताओं का आदान-प्रदान, शोध तथा नवाचार के क्षेत्र से संबंधित कार्यशाला का आयोजन, डाटा संकलन के साथ-साथ शोध प्रक्रिया संपादन से संबंधित गतिविधियों का आयोजन सम्मलित होगा। डॉ मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सतत एवं समावेशी शिक्षा के सृजन हेतु बालिका शिक्षा संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम, कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डे, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी तथा प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज उप शिक्षा निदेशक एवं प्राचार्य राजेंद्र प्रताप, डायट प्रवक्ता वीरभद्र प्रताप, श्रीमती ऋचा राय, सुरेखा राम, डॉ अमित सिंह, सतीश चंद्र यादव, संदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/पंजी0/एडी0/119/15-17
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 13
अंक : 340
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक
गुरूवार, 15 अगस्त, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली तिरंगा यात्रा रैली

द्वेषपूर्ण व्यवहार त्याग कर प्रेम का संदेश फैलाएं - कुलपति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान

में बुधवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्र सभागार में विभाजन विभीषिका से संबंधित अभिलेख पुस्तक प्रदर्शनी एवं भारत पाकिस्तान विभाजन विभीषिका से जुड़ी डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन लोकमान्य तिलक शास्त्र सभागार में किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि आज हमें यह प्रण लेना चाहिए कि हम अपने अंदर नफरत का भाव नहीं रखेंगे। हमें इतिहास से सबक लेकर द्वेषपूर्ण व्यवहार को त्याग कर प्रेम का संदेश फैलाना होगा। सभी लोग देश के विकास के लिए भाईचारा बढ़ाएं। कुलपति का स्वागत संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

इससे पूर्व मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में तिरंगा यात्रा रैली निकाली गई। जिसका नेतृत्व कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। इस अवसर पर रैली में शामिल लोग देशभक्ति से ओत-प्रोत नारे लगाते रहे। मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम का स्वागत किया। इस अवसर पर कुलपति ने कर्मचारियों को राष्ट्रीय ध्वज प्रदान किया।

वर्ष : 30 | अंक :284
प्रतापगढ़ | गुरूवार , 15 अगस्त-2024
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
दैनिक सच्चाई की जंग
लोकमित्र
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

शोध एवं नवाचार के लिए राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं डायट में एम ओ यू

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन, शोध एवं नवाचार हेतु स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज के प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक राजेंद्र प्रताप के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया।

इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) का उद्देश्य परस्पर सहमति से दोनों शैक्षणिक संस्थानों के मध्य पारस्परिक सहचार्य से शोध एवं शैक्षिक क्रिया-कलापों एवं विचारों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भों में आदान-प्रदान, संकाय सदस्यों के शोध कौशल विकास हेतु विभिन्न प्रशिक्षणों, शिक्षण अधिगम की विधाओं का आदान-प्रदान, शिक्षण अधिगम की सामग्रियों का आदान प्रदान, प्रशिक्षण साहित्य का आदान - प्रदान तथा क्रियात्मक शोध बिन्दुओं, बालिका शिक्षा संवर्धन , गुणवत्ता पूर्ण सतत एवं समावेशी शिक्षा का सृजन, इत्यादि है।जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इस बात पर भी सहमति बनी कि भविष्य में 'एन0ई0पी0 2020' के सफल क्रियान्वयन हेतु समेकित शिक्षक प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों पर संकाय सदस्यों की अभियोग्यताओं का आदान- प्रदान, शोध तथा नवाचार के क्षेत्र से संबंधित कार्यशाला का आयोजन, डाटा संकलन के साथ-साथ शोध प्रक्रिया संपादन से संबंधित गतिविधियों का आयोजन सम्मलित होगा। डॉ मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सतत एवं समावेशी शिक्षा के सृजन हेतु बालिका शिक्षा संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम, कुलसच्चिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डे, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी तथा प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज उप शिक्षा निदेशक एवं प्राचार्य राजेंद्र प्रताप, डायट प्रवक्ता वीरभद्र प्रताप, श्रीमती ऋचा राय, सुश्री रेखा राम, डॉ अमित सिंह, सतीश चंद्र यादव, संदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

दैनिक सच्चाई की जंग
वर्ष : 30 | अंक :284
प्रतापगढ़ | गुरूवार , 15 अगस्त-2024
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
लोकमित्र
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

द्वेषपूर्ण व्यवहार त्याग कर प्रेम का संदेश फैलाएं - कुलपति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्र सभागार में विभाजन विभीषिका से संबंधित अभिलेख पुस्तक प्रदर्शनी एवं भारत पाकिस्तान विभाजन विभीषिका से जुड़ी डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन लोकमान्य तिलक शास्त्र सभागार में किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि आज हमें यह प्रण लेना चाहिए कि हम अपने अंदर नफरत का भाव नहीं रखेंगे। हमें इतिहास से सबक लेकर द्वेषपूर्ण व्यवहार को त्याग कर प्रेम का संदेश फैलाना होगा। सभी लोग देश के विकास के लिए भाईचारा बढ़ाएं। कुलपति का स्वागत संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

इससे पूर्व मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में तिरंगा यात्रा रैली निकाली गई। जिसका नेतृत्व कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। इस अवसर पर रैली में शामिल लोग देशभक्ति से ओत-प्रोत नारे लगाते रहे। मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम का स्वागत किया। इस अवसर पर कुलपति ने कर्मचारियों को राष्ट्रीय ध्वज प्रदान किया।

जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम प्रातः 8:00 बजे विश्वविद्यालय गंगा परिसर में ध्वजारोहण करेंगे।

UGC launches new system for online, open admissions

Candidates shall register on the UGC's Distance Education Bureau website with Academic Bank of Credit ID to generate a unique DEB ID

The Hindu Bureau
NEW DELHI

The University Grants Commission has introduced a new enrolment procedure for students seeking admission to open and distance learning (ODL) and online programmes from the academic year 2024-25.

The UGC on Wednesday said the change, effective from September, aimed to ensure that students enrol only in approved higher education institutions to join these programmes. UGC Chairman M. Jagadesh Kumar said the new system would be applicable to all UGC-approved online courses and would enhance transparency of admissions.

By the new guidelines, any student who intends to enrol in these programmes shall register on the UGC's Distance Education Bureau (DEB) website with the Academic Bank of Credit (ABC) ID to generate a unique DEB ID. The unique ID is for standardising the admission procedure for students enrolling in ODL and online mode and safeguarding their academic and career prospects.

The new system, effective from September, will be applicable to all UGC-approved online courses. NAGARA GOPAL

The UGC has informed all accredited institutions and other stakeholders that the creation of the DEB-ID shall be required for every student (except foreign learners) willing to enrol in ODL and online programmes in recognised and entitled institutions from the academic session beginning in September. "The DEB ID once generated on the UGC-DEB web portal will remain valid for lifelong ODL and online learning," a UGC official said.

"The UGC (ODL Programmes and Online Programmes) Regulations, 2020 set the minimum standards for such programmes, and a list of recognised institutions is available on the UGC Distance Education Bureau website. Recent issues with unrecognised institutions admitting students highlighted the need for this standardised procedure. To safeguard student interests, the UGC has developed a mechanism requiring students to register on the UGC-DEB web portal and create a unique DEB-ID using their Academic Bank of Credit ID," Professor Kumar said.

प्रयाग प्रभात

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ध्वजारोहण

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 16 अगस्त उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने का अवसर है। उनका बलिदान हमें देश प्रेम की शिक्षा देता है और हमें अपने कर्तव्यों की प्रेरणा मिलती है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने पूरे प्रदेश में यह अभियान चलाया है कि इंटर पास करने वाली कोई छात्रा अब उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। इसके लिए मुक्त विश्वविद्यालय छात्राओं के नामांकन के प्रति बहुत गंभीर है। प्रोफेसर सत्यकाम ने छात्राओं का उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाने के लिए महिला अध्ययन केंद्र को अतिरिक्त जिम्मेदारी देते हुए केंद्र की नवनियुक्त प्रभारी प्रोफेसर श्रुति को अभिप्रेरित किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के दिशा निर्देशन में लड़कियों को पढ़ाने लिखाने की मुहिम में मुक्त विश्वविद्यालय शामिल होकर यह संकल्प पूरा करना चाहता है कि इंटर पास करने वाली प्रदेश की कोई भी छात्रा उच्च शिक्षा से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी संस्थाएं भी छात्राओं को मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए उत्प्रेरित करें। कुलपति ने कहा कि उनका उद्देश्य विश्वविद्यालय को भारत का सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय बनाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय ए डबल प्लस की तैयारी में अभी से जुट गया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के इस मौके पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि देश के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक

18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर

वर्ष : 18 अंक : 149

नगर संस्करण,

पृष्ठ - 4,
मूल्य 1.00 रु0

संयम भारत

उत्तर प्रदेश | शनिवार, 17 अगस्त 2024 | प्रयागराज | विचार

छात्राओं की शिक्षा के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने चलाया नामांकन अभियान

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ध्वजारोहण

विशेष संवाददाता

प्रयागराज, संयम भारत,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने का अवसर है। उनका बलिदान हमें देश प्रेम की शिक्षा देता है और हमें अपने कर्तव्यों की प्रेरणा मिलती है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने पूरे प्रदेश में यह अभियान चलाया है कि इंटर पास करने वाली कोई छात्रा अब उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। इसके लिए मुक्त विश्वविद्यालय छात्राओं के नामांकन के प्रति बहुत गंभीर है। प्रोफेसर सत्यकाम ने छात्राओं का उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाने के लिए महिला अध्ययन केंद्र को अतिरिक्त जिम्मेदारी देते हुए केंद्र की नवनियुक्त प्रभारी प्रोफेसर श्रुति को अभिप्रेरित किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के दिशा निर्देशन में लड़कियों को पढ़ाने लिखाने की मुहिम में मुक्त विश्वविद्यालय शामिल होकर यह संकल्प पूरा करना चाहता है कि इंटर पास करने वाली प्रदेश की कोई भी छात्रा उच्च शिक्षा से वंचित न रह जाए।

उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी संस्थाएं भी छात्राओं को मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए उत्प्रेरित करें। कुलपति ने कहा कि उनका उद्देश्य विश्वविद्यालय को भारत का सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय बनाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय ए डबल प्लस की तैयारी में अभी से जुट गया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के इस मौके पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि देश के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

Daily News

SANYAM BHARAT

VOL. 02
NO. 339
MORNING
EDITION
PRAYAGRAJ

SATURDAY, 17 AUGUST 2024, PAGES 4, PRICE RS. 1.00

Padhiye Dil Aur Shan Se....

EDIT | PRAYAGRAJ | NATION

Open Univ launched enrollment campaign for education of girl students

Vice Chancellor hoisted flag at Open University

SPECIAL CORRESPONDENT

Prayagraj, Sanyam Bharat: Vice Chancellor Professor Satyakam hoisted the flag on the occasion of Independence Day at , Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj. On this occasion he said that today is an opportunity to remember the freedom fighters. Their sacrifice teaches us patriotism and inspires us to do our duties. Vice Chancellor Professor Satyakam said that the Open University has launched this campaign in the entire state so that no girl student passing Intermediate is deprived of higher education. For this, the Open University is very serious about the enrollment of girl students. Professor Satyakam motivated the newly appointed in-charge of the Center Professor Shruti by giving additional responsibility to the Center for Women's Studies to

increase the enrollment of girl students in higher education. Vice Chancellor Professor Satyakam said that under the guidance of the Prime Minister of the country and the Chief Minister of Uttar Pradesh, the girls By joining the education campaign, the Open University wants to fulfill its resolve that no girl student of the state who has passed Intermediate should be deprived of higher education. He said that voluntary organizations should also motivate girl students to take admission in Open University. The Vice Chancellor said that his aim is to make the university the best university in India. For this, the university has already started preparing for A Double Plus. He said that on this occasion of Independence Day, we all should take a pledge that we will contribute our best in the development of the country. University officials, teachers, employees and students etc. were present on this occasion.

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI No.-UPHIN/2020/82181

www.harbaatnews.com

हरबात

प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित

छात्राओं की शिक्षा के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने चलाया नामांकन अभियान

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ध्वजारोहण

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने का अवसर है। उनका बलिदान हमें देश प्रेम की शिक्षा देता है और हमें अपने कर्तव्यों की प्रेरणा मिलती है।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने पूरे प्रदेश में यह अभियान चलाया है कि इंटर पास करने वाली कोई छात्रा अब उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। इसके लिए मुक्त विश्वविद्यालय छात्राओं के नामांकन के प्रति बहुत गंभीर है। प्रोफेसर सत्यकाम ने छात्राओं का उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाने के लिए महिला अध्ययन केंद्र को अतिरिक्त जिम्मेदारी देते हुए केंद्र की नवनियुक्त प्रभारी प्रोफेसर श्रुति को अभिप्रेरित किया।कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के दिशा निर्देशन में लड़कियों को पढ़ाने लिखाने की मुहिम में मुक्त विश्वविद्यालय शामिल होकर यह संकल्प पूरा करना चाहता है कि इंटर पास करने वाली प्रदेश की कोई भी छात्रा उच्च शिक्षा से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी संस्थाएं भी छात्राओं को मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए उत्प्रेरित करें। कुलपति ने कहा कि उनका उद्देश्य विश्वविद्यालय को भारत का सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय बनाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय ए डबल प्लस की तैयारी में अभी से जुट गया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के इस मौके पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि देश के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

समय से पहले 'समय' पर नजर

नगर-संस्करण

न्यायाधीश

डाक रजिस्ट्रेशन नं.- ए.डी.34/2021-23

प्रयागराज, शनिवार 17 अगस्त,2024

छात्राओं की शिक्षा के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने चलाया नामांकन अभियान

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने का अवसर है। उनका बलिदान हमें देश प्रेम की शिक्षा देता है और हमें अपने कर्तव्यों की प्रेरणा मिलती है।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने पूरे प्रदेश में यह अभियान चलाया है कि इंटर पास करने वाली कोई छात्रा अब उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। इसके लिए मुक्त विश्वविद्यालय छात्राओं के नामांकन के प्रति बहुत गंभीर है। प्रोफेसर सत्यकाम ने छात्राओं का उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाने के लिए महिला अध्ययन केंद्र को अतिरिक्त जिम्मेदारी देते हुए केंद्र की नवनियुक्त प्रभारी प्रोफेसर श्रुति को अभिप्रेरित किया।कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के दिशा निर्देशन में लड़कियों को पढ़ाने लिखाने की मुहिम में मुक्त विश्वविद्यालय शामिल होकर यह संकल्प पूरा करना चाहता है कि इंटर पास करने वाली प्रदेश की कोई भी छात्रा उच्च शिक्षा से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी संस्थाएं भी छात्राओं को मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए उत्प्रेरित करें। कुलपति ने कहा कि उनका उद्देश्य विश्वविद्यालय को भारत का सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय बनाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय ए डबल प्लस की तैयारी में अभी से जुट गया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के इस मौके पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि देश के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

मुक्तविश्वविद्यालय मेंरैगिंगमुक्तपरिसर, मित्रता युक्तपरिसरविषयकवेबीनारआयोजित

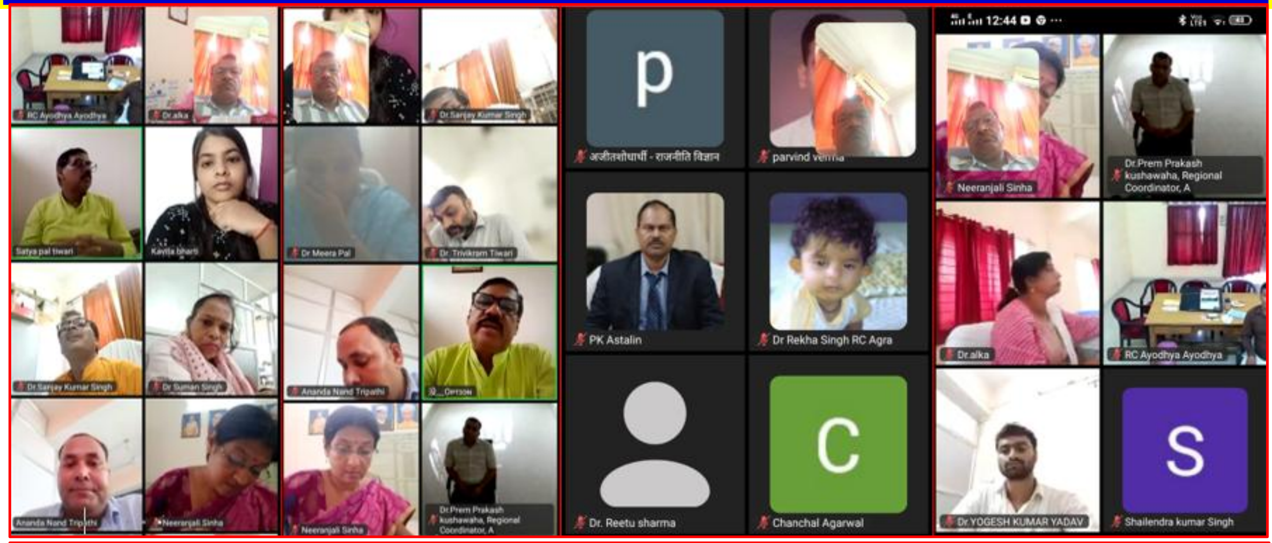

सभ्य समाज का निर्माणहमलोगों के सामूहिकप्रयास से हीसंभवहै–कुलपति

रैगिंगसभ्य समाज के लिए अभिशाप–प्रोफेसरतिवारी

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमेंविश्वविद्यालय अनुदानआयोग द्वारा 12 से 18 अगस्त के बीच एंटीरैगिंगसप्ताहआयोजितकरने के निर्णय के अंतर्गत एंटीरैगिंगसमिति द्वारावेबीनार का आयोजनऑनलाइनदिनांक 16 अगस्त, 2024 कोकियागया।रैगिंगमुक्तपरिसर, मित्रता युक्तपरिसरविषयकवेबीनारके मुख्य वक्ताप्रोफेसरसत्यपालतिवारी, निदेशक, मानविकीविद्या शाखा ने कहाकिरैगिंगसभ्य समाज के लिए अभिशापहै।भारतमेंआजादी के बादरैगिंग की शुरुआतदिखाईपड़तीहै।उन्होंनेकहाकिछात्रा का मानसिक शारीरिकभाषाजाति के आधारपरकियागयाकिसीभीप्रकार का भेदभावजिससेउसको शारीरिक व मानसिक रूप से आघातपहुंचताहै, रैगिंग की श्रेणी मेंआताहै।सरकार ने 1970 से इस परध्यानदेना शुरू किया।रैगिंगकोरोकने के लिए त्रिस्तरीय व्यवस्था की बात की गईहै।प्रथमस्तरपरसरकारों से कहागयाकिनियमकानूनबनाकरजागरूकताचलाकररइटिंगकोरोकदूसरेव्यवस्था के तहतसंस्थानरैगिंग के विरुद्ध जागरूकताअभियानचलाएं एवंइससेसंबंधितनियमबनाएंतथातीसरेस्तरपरअभिभावकों से भी यह कहागयाकिजोभीछात्र प्रवेशलगाउसकेअभिभावकलिखित एफिडेविटदेंगेकि उनके बच्चेरैगिंग की किसीभीगतिविधिमेंभागनहींलेंगे।प्रोफेसरतिवारी ने कहाकिआजसभीविश्वविद्यालय औरकॉलेज इस परगंभीरतापूर्वकलगेहैंरैगिंगकिसीभीतरह से किसीभी रूपमें न होनेपाए क्योंकिरैगिंग एक बुराईहै एक आपप्राकृतिकव्यवहारहैंहममानवीव्यवहारहैजो की नैतिकमूल्यों के विरुद्ध है।

अध्यक्षताकरतेहुए कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिरैगिंगशिक्षणसंस्थानों एवंसमाज से खत्महोनीचाहिए।जाति, धर्म, भाषाऔररंगकिसीभीआधारपरकोईभेदभावनहींहोनाचाहिए।उन्होंनेकहाकिआजहमेंमित्रता युक्तपरिसर का निर्माणकरनाहै।जिसमेंजूनियरसीनियरछात्र एक दूसरे के मनोभावोंको समझसकेंऔरअपनेविचारोंको खुलकरव्यक्तकरसकें।कुलपति ने कहाकिसभ्य समाज का निर्माणहमलोगों के सामूहिकप्रयास से हीसंभवहै।जिसकेलिए हमेंरैगिंगको खत्मकरनाहोगा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने कियातथाअतिथियों का स्वागत एवंविषय प्रवर्तनप्रोफेसरविनोदकुमारगुप्त ने किया।धन्यवादप्रोफेसरमीरापाल ने किया।कार्यक्रममेंकुल 50 प्रतिभागीऑनलाइनउपस्थितरहे।

क्षेत्रीय केंद्रप्रयागराज द्वारानामांकनअभिप्रेरणाअभियानकार्यक्रमआयोजित

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के माननीय कुलपतिजी के निदेशपर क्षेत्रीय केंद्रप्रयागराज द्वारानामांकनअभिप्रेरणाअभियानमेंप्रतापगढ़ जनपद के बी. बी .यस इंटरमीडिएटकॉलेज एवंबी. बी. यस एकेडमी के छात्र एवंछात्राओतथाआर. आर. रस्तोगीइण्टरकॉलेजप्रयागराज के एवंविद्यार्थियों एवंशिक्षकोकोविश्वविद्यालय द्वारावर्तमानमेंचलरहेपाठ्यक्रमों के विषय मेंविस्तृत रूप से बतायागया।इसकेसाथहीउन्हेंप्रवेशप्रक्रिया से भीअवगतकरायागया।विद्याार्थियोंको एक साथदोडिग्रीकरनेतथासर्टिफिकेट, कौशलविकासकार्यक्रमों के विषय मेंजानकारीदीगई। डॉ0दिनेश सिंह प्रभारी क्षेत्रीय केंद्रप्रयागराज, डॉ0अभिषेक सिंह क्षेत्रीय समन्वयक क्षेत्रीय केंद्रप्रयागराज, डॉ0शिवेंद्रप्रताप सिंह सहायकआचार्यअंग्रेजी ने छात्रोंकोजानकारीप्रदानकी।

क्षेत्रीय केंद्रअयोध्या द्वारानामांकनअभिप्रेरणाअभियानकार्यक्रमआयोजित

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के माननीय कुलपतिजी के निदेशपर क्षेत्रीय केंद्रअयोध्या के समन्वयक डॉ0 शशिभूषणराम त्रिपाठी द्वारापी.एम. टी.डिग्रीकॉलेज, खजुरहट, बीकापुर, अयोध्यामेंनामांकन बढ़ाने के लिए दिनांक 17 अगस्त, 2024 कोछात्र–छात्राओं एवंशिक्षकोंकोविश्वविद्यालय से संचालितसभीकार्यक्रमों एवंप्रवेशप्रणाली,अध्ययन सामाग्री, परीक्षा के बारेमेंजानकारीदियागया।

R.N.I. NO-UPHIN/2023/84746
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
प्रयागराज से प्रकाशित
लक्ष्य समग्र
LS NEWS
Twitter - @lsnews24 | http://youtube.com/@LSNewslive | Website - lakshyasamagra.com | Facebook - http://www.facebook.com/lsnews24
वर्ष : 02 अंक : 139 प्रयागराज, गुरुवार 15 अगस्त 2024 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपया

द्वेषपूर्ण व्यवहार त्याग कर प्रेम का संदेश फैलाएं -कुलपति
मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली तिरंगा यात्रा रैली

लक्ष्य समग्र

प्रयागराज – उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्र सभागार में विभाजन विभीषिका से संबंधित अभिलेख पुस्तक प्रदर्शनी एवं भारत पाकिस्तान विभाजन विभीषिका से जुड़ी डॉक्यूमेंट्री

फिल्म का प्रदर्शन लोकमान्य तिलक शास्त्र सभागार में किया गया इस अवसर पर अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि आज हमें यह प्रण लेना चाहिए कि हम अपने अंदर नफरत का भाव नहीं रखेंगे हमें इतिहास से सबक लेकर द्वेषपूर्ण व्यवहार को त्याग कर प्रेम का संदेश फैलाना होगा सभी लोग देश के विकास के लिए भाईचारा बढ़ाएं। कुलपति का स्वागत संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने किया धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया इससे पूर्व मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में तिरंगा यात्रा रैली निकाली गई। जिसका नेतृत्व कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। इस अवसर पर रैली में शामिल लोग देशभक्ति से ओत-प्रोत नारे लगाते रहे। मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम का स्वागत किया। इस अवसर पर कुलपति ने कर्मचारियों को राष्ट्रीय ध्वज प्रदान किया जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम प्रातः 8:00 बजे विश्वविद्यालय गंगा परिसर में ध्वजारोहण करेंगे।

हिन्दी दैनिक
सहज स्वरूप
राष्ट्रीय एकता के प्रति पूर्ण समर्पित
प्रयागराज से प्रकाशित
वर्षः 3, अंक 225 प्रयागराज गुरुवार15 अगस्त, 2024 विक्रम संवत 2081, प्रातः संस्करण, पृष्ठः8, मूल्यः 01 रूपया

द्वेषपूर्ण व्यवहार त्याग कर प्रेम का संदेश फैलाएं - कुलपति
मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली तिरंगा यात्रा रैली

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्र सभागार में विभाजन विभीषिका से संबंधित अभिलेख पुस्तक प्रदर्शनी एवं भारत पाकिस्तान विभाजन विभीषिका से जुड़ी डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन लोकमान्य तिलक शास्त्र सभागार में किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि आज हमें यह प्रण लेना चाहिए कि हम अपने अंदर नफरत का भाव नहीं रखेंगे। हमें इतिहास से सबक लेकर द्वेषपूर्ण व्यवहार को त्याग कर प्रेम का संदेश फैलाना होगा। सभी लोग देश के विकास के लिए भाईचारा बढ़ाएं। कुलपति का स्वागत संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया । इससे पूर्व मानविकी विद्या शाखा के तत्वाधान में विश्वविद्यालय परिसर में तिरंगा यात्रा रैली निकाली गई। जिसका नेतृत्व कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। इस अवसर पर रैली में शामिल लोग देशभक्ति से ओत-प्रोत नारे लगाते रहे। मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम का स्वागत किया। इस अवसर पर कुलपति ने कर्मचारियों को राष्ट्रीय ध्वज प्रदान किया। जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम प्रातः 8ः00 बजे विश्वविद्यालय गंगा परिसर में ध्वजारोहण करेंगे।

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 18 अगस्त, 2024

छात्राओं की शिक्षा के लिए नामांकन अभियान
मुक्त विश्वविद्यालयः कुलपति प्रो. सत्यकाम ने समारोह में किया झंडारोहण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर कुलपति प्रो सत्यकाम ने ध्वजारोहण किया। कुलपति ने कहा कि आज स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने का अवसर है। उनका बलिदान हमें देश प्रेम की शिक्षा देता है और हमें अपने कर्तव्यों की प्रेरणा मिलती है। कुलपति ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने पूरे प्रदेश में यह अभियान चलाया है कि इंटर पास करने वाली कोई छात्रा अब उच्च शिक्षा से वंचित न रहें। इसके लिए मुक्त विश्वविद्यालय छात्राओं के नामांकन के प्रति बहुत गंभीर है। उन्होंने छात्राओं का उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाने के लिए महिला अध्ययन केंद्र को अतिरिक्त जिम्मेदारी देते हुए केंद्र की नवनियुक्त प्रभारी प्रो श्रुति को भी अभिप्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में लड़कियों को पढ़ाने लिखाने की मुहिम में मुक्त विश्वविद्यालय शामिल होकर सभी संकल्प पूरा करना चाहता है। कुलपति ने कहा कि उनका उद्देश्य विश्वविद्यालय को भारत का सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय बनाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय ए डबल प्लस की तैयारी में अभी से जुट गया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के इस मौके पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि देश के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर तमाम लोग उपस्थित रहे।

विवि कर्मियों को सीजीएचएस रेट पर मिलेगी इलाज की सुविधा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं विनीता हॉस्पिटल के मध्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा विनीता हॉस्पिटल के निदेशक डा बिंदु विश्वकर्मा ने समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षरित किया। समझौता पत्र का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके लोगों को बीमारियों के मकड़जाल से बचाना है। विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के द्वारा समय समय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। अब दोनों संस्थानों में अनुबंध होने से विशेषज्ञ चिकित्सकों का लाभ जन सामान्य को मिल सकेगा। अस्पताल के निदेशक डा बिंदु विश्वकर्मा ने पहल की है कि अब विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों अधिकारियों कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों को सीजीएचएस की दर पर अस्पताल में इलाज की सुविधा प्रदान की जाएगी। कुलपति प्रो सत्यकाम ने इसकी सराहना।

रैगिंग सभ्य समाज के लिए अभिशाप

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा बारह से 18 अगस्त के बीच एंटी रैगिंग सप्ताह आयोजित करने के निर्णय के अंतर्गत एंटी रैगिंग समिति द्वारा वेबिनार का आयोजन किया गया। रैगिंग मुक्त परिसर मित्रता युक्त परिसर विषयक वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रो सत्यपाल तिवारी निदेशक मानविकी विद्या शाखा ने कहा कि रैगिंग सभ्य समाज के लिए अभिशाप है। भारत में आजादी के बाद रैगिंग की शुरुआत दिखाई पड़ती है। रैगिंग को रोकने के लिए त्रिस्तरीय व्यवस्था की बात की गई है। प्रथम स्तर पर सरकारों से कहा गया कि नियम कानून बनाकर जागरूकता चला कर राइटिंग को रोक दूसरे व्यवस्था के तहत संस्थान रैगिंग के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाएं।अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो सत्यकाम ने कहा कि रैगिंग शिक्षण संस्थानों एवं समाज से खत्म होनी चाहिए।

हिन्दी दैनिक
प्रयागराज से प्रकाशित
उजाला शिखर
ख़बर गहराईयों की

वर्ष : 02, अंक : 41 प्रयागराज, बुधवार 14 अगस्त 2024 पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रुपया

काकोरी के क्रांतिकारियों ने स्वाधीनता संग्राम की अलख जगाई- प्रोफेसर सत्यकाम
मुक्त विश्वविद्यालय में मनायी गयी काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ

उजाला शिखर **संवाददाता प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ के अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत प्रेरणादाई घटनाक्रम एवं काकोरी के नायकों पर आधारित भारतीय स्वाधीनता में काकोरी ट्रेन एक्शन के नायकों का योगदान विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि काकोरी प्रसंग भारत का

बहुत ही महत्वपूर्ण प्रसंग है। आजादी की लड़ाई में काकोरी प्रसंग ने एक नई दिशा दी और सबसे बड़ी बात यह है कि उस समय के क्रांतिकारियों ने लोगों को जगाया और उन्हें प्रेरित किया कि आगे बढ़ो। आगे बढ़कर भारत के स्वाधीनता संग्राम में हिस्सा लो। उस समय के क्रांतिकारी आंदोलन में राम प्रसाद बिस्मिल, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, अशफाक उल्ला खान तथा चंद्रशेखर आजाद आदि शामिल थे। काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वर्षगांठ पर विश्वविद्यालय परिवार इन क्रांतिकारियों को नमन करता है।

कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा रहे.

प्रयागराज
बृहस्पतिवार, 15 अगस्त 2024
वर्ष: 22, अंक: 240, पृष्ठ: 06
मूल्य: 01 रुपए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
ताज हिन्द
जज्बा भी जज्बात भी
Website : www.tajhind.in | E-mail : info.tajhindnews@gmail.com | facebook.com/tajhind | twitter.com/TajhindN

शोध एवं नवाचार के लिए राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं डायट में एम ओ यू

प्रयागराज संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन, शोध एवं नवाचार हेतु स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज के प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक राजेंद्र प्रताप के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया।

इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) का उद्देश्य परस्पर सहमति से दोनों शैक्षणिक संस्थानों के मध्य पारस्परिक सहचार्य से शोध एवं शैक्षिक क्रिया-कलापों एवं विचारों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भो में आदान-प्रदान, संकाय सदस्यों के शोध कौशल विकास हेतु विभिन्न प्रशिक्षणों, शिक्षण अधिगम की विधाओं का आदान-प्रदान, शिक्षण अधिगम की सामग्रियों का आदान प्रदान, प्रशिक्षण साहित्य का आदान - प्रदान तथा क्रियात्मक शोध बिन्दुओं, बालिका शिक्षा संवर्धन , गुणवत्ता पूर्ण सतत एवं समावेशी शिक्षा का सृजन, इत्यादि है।

जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इस बात पर भी सहमति बनी कि भविष्य में 'एन0ई0पी0 2020' के सफल क्रियान्वयन हेतु समेकित शिक्षक प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों पर संकाय सदस्यों की अभियोग्यताओं का आदान- प्रदान, शोध तथा नवाचार के क्षेत्र से संबंधित कार्यशाला का आयोजन, डाटा संकलन के साथ-साथ शोध प्रक्रिया संपादन से

संबंधित गतिविधियों का आयोजन सम्मलित होगा। डॉ मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सतत एवं समावेशी शिक्षा के सृजन हेतु बालिका शिक्षा संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम, कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डे, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी तथा प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज उप शिक्षा निदेशक एवं प्राचार्य राजेंद्र प्रताप, डायट प्रवक्ता वीरभद्र प्रताप, श्रीमती ऋचा राय, सुश्री रेखा राम, डॉ अमित सिंह, सतीश चंद्र यादव, संदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

SUNDAY | 18.08.2024
उत्तर प्रदेश
अमर उजाला
प्रयागराज

मुक्त विवि कर्मियों को मिलेगी इलाज की सुविधा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय और विनीता हॉस्पिटल के मध्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार और विनीता हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. बिंदु विश्वकर्मा ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञाप (एमओयू) का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके लोगों को बीमारियों के मकड़जाल से बचाना है। ब्यूरो

NORTHERN INDIA PATRIKA
EDITION PRICE, RS. 3.50 | VOL. 66 NO. 213 MORNING EDITION, PRAYAGRAJ | SUNDAY, 18 AUGUST, 2024 | PAGE-12

MoU signed between Open University & Vineeta Hospital

Staff Reporter

Prayagraj: A Memorandum of Understanding (MoU) was signed between Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) and Vineeta Hospital in the presence of Open University Vice Chancellor (VC) Prof. Satyakam, Registrar Colonel Vinay Kumar and Vineeta Hospital Director Dr. Bindu Vishwakarma, on Saturday. The main objective of this MoU is to save people from the clutches of diseases by organizing health awareness programs. Health awareness programs are organized from time to time by the Department of Health Sciences in the University.

Now, with the agreement between both the institutions, the general public will be able to get the benefit of specialist doctors. Along with this, the Director of the hospital, Dr. Bindu Vishwakarma took the initiative that now all the teachers, officers, employees and their dependents of Open University will be provided treatment facilities in the hospital at the rate of CGHS. He said that the hospital management will take forward social concerns in collaboration with Open University. VC Prof. Satyakam appreciated this initiative of the hospital management.

Daily News
SANYAM BHARAT
EDIT | PRAYAGRAJ | NATION

University employees will get treatment facility at CGHS rate

Vineeta Hospital signs MoU with Open University

SPECIAL CORRESPONDENT

Prayagraj, Sanyam Bharat: Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj and Vineeta Hospital, Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Professor Satyakam. In presence, Registrar Colonel Vinay Kumar and Director of Vineeta Hospital, Dr. Bindu Vishwakarma signed a Memorandum of Understanding (MoU).

The main objective of this Memorandum of Understanding (MoU) is to save people from the web of diseases by organizing health awareness programs. Health awareness programs are organized from time to time by the Department of Health Sciences in the University. Now, with the agreement between both the institutions, the general public will be able to get the benefit of specialist doctors. Along with this, the Director of the hospital, Dr. Bindu Vishwakarma took the initiative that now all the teachers, officers, employees and their dependents of the university will be provided treatment facilities in the hospital at the rate of CGHS. He said that the hospital management will take forward social concerns in collaboration with the university. Vice Chancellor Professor Satyakam appreciated this initiative of the hospital management.

अनुराग दर्शन

शोध एवं नवाचार के लिए राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं डायट में एम ओ यू

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार) । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन, शोध एवं नवाचार हेतु स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज के प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक राजेंद्र प्रताप के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया। इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) का उद्देश्य परस्पर सहमति से दोनों शैक्षणिक संस्थानों के मध्य पारस्परिक सहचार्य से शोध एवं शैक्षिक क्रिया-कलापों एवं विचारों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भों में आदान-प्रदान, संकाय सदस्यों के शोध कौशल विकास हेतु विभिन्न प्रशिक्षणों, शिक्षण अधिगम की विधाओं का आदान-प्रदान, शिक्षण अधिगम की सामग्रियों का आदान प्रदान, प्रशिक्षण साहित्य का आदान - प्रदान तथा क्रियात्मक शोध बिन्दुओं, बालिका शिक्षा संवर्धन , गुणवत्ता पूर्ण सतत एवं समावेशी शिक्षा का सृजन, इत्यादि है। जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इस बात पर भी सहमति बनी कि भविष्य में 'एन0ई0पी0 2020' के सफल क्रियान्वयन हेतु समेकित शिक्षक प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों पर संकाय सदस्यों की अभियोग्यताओं का आदान- प्रदान, शोध तथा नवाचार के क्षेत्र से संबंधित कार्यशाला का आयोजन, डाटा संकलन के साथ-साथ शोध प्रक्रिया संपादन से संबंधित गतिविधियों का आयोजन सम्मलित होगा। डॉ मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सतत एवं समावेशी शिक्षा के सृजन हेतु बालिका शिक्षा संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम, कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डे, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी तथा प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज उप शिक्षा निदेशक एवं प्राचार्य राजेंद्र प्रताप, डायट प्रवक्ता वीरभद्र प्रताप, श्रीमती ऋचा राय, सुश्री रेखा राम, डॉ अमित सिंह, सतीश चंद्र यादव, संदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
उर्ध्व नेत्र
सत्य का साथ असत्य का उजागर

छात्राओं की शिक्षा के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने चलाया नामांकन अभियान

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ध्वजारोहण

उर्ध्व नेत्र

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने का अवसर है। उनका बलिदान हमें देश प्रेम की शिक्षा देता है और हमें अपने कर्तव्यों की प्रेरणा मिलती है।कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने पूरे प्रदेश में यह अभियान चलाया है कि इंटर पास करने वाली कोई छात्रा अब उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। इसके लिए मुक्त विश्वविद्यालय छात्राओं के नामांकन के प्रति बहुत गंभीर है। प्रोफेसर सत्यकाम ने छात्राओं का उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाने के लिए महिला अध्ययन केंद्र को अतिरिक्त जिम्मेदारी देते हुए केंद्र की नवनियुक्त प्रभारी प्रोफेसर श्रुति को अभिप्रेरित किया।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के दिशा निर्देशन में लड़कियों को पढ़ाने लिखाने की मुहिम में मुक्त विश्वविद्यालय शामिल होकर यह संकल्प पूरा करना चाहता है कि इंटर पास करने वाली प्रदेश की कोई भी छात्रा उच्च शिक्षा से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी संस्थाएं भी छात्राओं को मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए उत्प्रेरित करें। कुलपति ने कहा कि उनका उद्देश्य विश्वविद्यालय को भारत का सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय बनाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय ए डबल प्लस की तैयारी में अभी से जुट गया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के इस मौके पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि देश के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

लक्ष्य समग्र

शोध एवं नवाचार के लिए राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं डायट में एम ओ यू

लक्ष्य समग्र

प्रयागराज - उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन,शोध एवं नवाचार हेतु स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,प्रयागराज के प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक

राजेंद्र प्रताप के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया। इस समझौता ज्ञाप (एमओयू) का उद्देश्य परस्पर सहमति से दोनों शैक्षणिक संस्थानों के मध्य पारस्परिक सहचार्य से शोध एवं शैक्षिक क्रिया-कलापों एवं विचारों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भों में आदान-प्रदान,संकाय सदस्यों के शोध कौशल विकास हेतु विभिन्न प्रशिक्षणों,शिक्षण अधिगम की विधाओं का आदान-प्रदान,शिक्षण अधिगम की सामग्रियों का आदान प्रदान,प्रशिक्षण साहित्य का आदान - प्रदान तथा क्रियात्मक शोध बिन्दुओं, बालिका शिक्षा संवर्धन,गुणवत्ता पूर्ण सतत एवं समावेशी शिक्षा का सृजन, इत्यादि है।जन संपर्क अधिकारी डॉ० प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इस बात पर भी सहमति बनी कि भविष्य में इएन०ई०पी० 2020इ के सफल क्रियान्वयन हेतु समेकित शिक्षक प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों पर संकाय सदस्यों की अभियोग्यताओं का आदान-प्रदान,शोध तथा नवाचार के क्षेत्र से संबंधित कार्यशाला का आयोजन,डाटा संकलन के साथ-साथ शोध प्रक्रिया संपादन से संबंधित गतिविधियों का आयोजन सम्मलित होगा।डॉ मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सतत एवं समावेशी शिक्षा के सृजन हेतु बालिका शिक्षा संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।इस महत्वपूर्ण अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम, कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डे,प्रोफेसर एस कुमार,प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी तथा प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज उप शिक्षा निदेशक एवं प्राचार्य राजेंद्र प्रताप,डायट प्रवक्ता वीरभद्र प्रताप,ऋचा राय,रेखा राम, डॉ अमित सिंह,सतीश चंद्र यादव, संदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

Daily News
SANYAM BHARAT
EDIT | PRAYAGRAJ | NATION

Ragging is a curse for civilized society: Professor Tiwari

SPECIAL CORRESPONDENT

Prayagraj, Sanyam Bharat: A webinar was organized by the Anti Ragging Committee under the decision of the University Grants Commission to organize Anti Ragging Week from 12 to 18 August at Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj. Professor Satyapal Tiwari, Director, Humanities Branch, the keynote speaker of the webinar on Ragging Free Campus, Friendly

Campus, said that ragging is a curse for the civilized society. Ragging appears to have started in India after independence. He said that any kind of discrimination done on the basis of mental, physical, language and caste of a student, which hurts her physically and mentally, comes under the category of ragging. The government started paying attention to this from 1970. There has been talk of a three-tier system to stop ragging. At the first level, governments were asked to stop ragging by creating rules and regulations, and at the second level, institutions should run awareness campaigns against ragging and make rules related to it. And at the third level, parents were also told that whichever student gets admission, Parents will give a written affidavit that their children will not participate in any ragging activity.

Prof. Tiwari said that today all the universities and colleges are seriously engaged in this so that ragging should not happen in any form because ragging is an evil, you are a natural behavior, we are human behavior which is against the moral values. While presiding, Vice Chancellor Prof. Satyakam said that ragging should be eliminated from educational institutions and society. There should be no discrimination on the basis of caste, religion, language and colour. He said that today we have to build a campus full of friendship. In which junior and senior students can understand each other's feelings and express their thoughts openly. The Vice Chancellor said that building a civilized society is possible only with the collective efforts of our people, for which we have to eliminate ragging. The program was conducted by Dr. Anandanand Tripathi and the guests were welcomed and the topic was introduced by Prof. Vinod Kumar Gupta. Thanks were given by Prof. Meera Pal. A total of 50 participants were present in the program online.

प्रयाग प्रभात

रैगिंग सभ्य समाज के लिए अभिशाप - प्रोफेसर तिवारी

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 17 अगस्त उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 12 से 18 अगस्त के बीच एंटी रैगिंग सप्ताह आयोजित करने के निर्णय के अंतर्गत एंटी रैगिंग समिति द्वारा वेबीनार का आयोजन किया गया। रैगिंग मुक्त परिसर,मित्रता युक्त परिसर विषयक वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, निदेशक,मानविकी विद्या शाखा ने कहा कि रैगिंग सभ्य समाज के लिए अभिशाप है। भारत में आजादी के बाद रैगिंग की शुरुआत दिखाई पड़ती है। उन्होंने कहा कि छात्रा का मानसिक शारीरिक भाषा जाति के आधार पर किया गया किसी भी प्रकार का भेदभाव जिससे उसको शारीरिक व मानसिक रूप से आघात पहुंचता है, रैगिंग की श्रेणी में आता है। सरकार ने 1970 से इस पर ध्यान देना शुरू किया। रैगिंग को रोकने के लिए त्रिस्तरीय व्यवस्था की बात की गई है। प्रथम स्तर पर सरकारों से कहा गया कि नियम कानून बनाकर जागरूकता चला कर राइटिंग को रोक दूसरे व्यवस्था के तहत संस्थान रैगिंग के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाएं एवं इससे संबंधित नियम बनाएं तथा तीसरे स्तर पर अभिभावकों से भी यह कहा गया कि जो भी छात्र प्रवेश लगा उसके अभिभावक लिखित एफिडेविट देंगे कि उनके बच्चे रैगिंग की किसी भी गति विधि में भाग नहीं लेंगे। प्रोफेसर तिवारी ने कहा कि आज सभी विश्वविद्यालय और कॉलेज इस पर गंभीरता पूर्वक लगे हैं रैगिंग किसी भी तरह से किसी भी रूप में न होने पाए क्योंकि रैगिंग एक बुराई है एक आप प्राकृतिक व्यवहार हैं हम मानवी व्यवहार है जो की नैतिक मूल्यों के विरुद्ध है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि रैगिंग शिक्षण संस्थानों एवं समाज से खत्म होनी चाहिए। जाति, धर्म, भाषा और रंग किसी भी आधार पर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज हमें मित्रता युक्त परिसर का निर्माण करना है। जिसमें जूनियर सीनियर छात्र एक दूसरे के मनोभावों को समझ सकें और अपने विचारों को खुलकर व्यक्त कर सकें। कुलपति ने कहा कि सभ्य समाज का निर्माण हम लोगों के सामूहिक प्रयास से ही संभव है।जिसके लिए हमें रैगिंग को खत्म करना होगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने किया तथा अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्त ने किया। धन्यवाद प्रोफेसर मीरा पाल ने किया। कार्यक्रम में कुल 50 प्रतिभागी ऑनलाइन उपस्थित रहे।

SUNDAY | 18.08.2024 | श्रावण शुक्ल-चतुर्दशी विक्रम संवत-2081 | उत्तर प्रदेश
अमर उजाला
प्रयागराज

अभिशाप है रैगिंग : प्रो. सत्यपाल

प्रयागराज। यूपी राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग सप्ताह के तहत शनिवार को वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. सत्यपाल तिवारी, निदेशक मानविकी विद्या शाखा ने कहा कि रैगिंग सभ्य समाज के लिए अभिशाप है। भारत में आजादी के बाद रैगिंग की शुरुआत दिखाई पड़ती है।

उन्होंने कहा कि छात्र के साथ शारीरिक, भाषा, जाति के आधार पर किया गया किसी भी प्रकार का भेदभाव, जिससे उसको मानसिक रूप से आघात पहुंचता है, रैगिंग की श्रेणी में आता है। स्वागत प्रो. विनोद गुप्ता, संचालन डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. मीरा पाल ने किया। ब्यूरो

Prayagraj Thursday 15 August 2024
PRAYAGRAJ EDITION
Price ₹ 3.50/- Pages 16
दैनिक जागरण
HAPPY INDEPENDENCE DAY

मुक्त विवि ने निकाली रैली

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर विभाजन विभीषिका से संबंधित अभिलेख पुस्तक प्रदर्शनी एवं डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया. इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि आज हमें यह प्रण लेना चाहिए कि हम अपने अंदर नफरत का भाव नहीं रखेंगे. इससे पूर्व मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में विवि परिसर में तिरंगा यात्रा रैली निकाली गई. जिसका नेतृत्व कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया.

प्रयाग प्रभात

वर्ष : 14 अंक : 83 आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/42612 प्रयागराज, रविवार 18 अगस्त 2024 पृष्ठ : 4 मूल्य : 2 रुपये

विश्वविद्यालय कर्मियों को मिलेगी सीजीएचएस रेट पर इलाज की सुविधा

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 17 अगस्त उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं विनीता हॉस्पिटल के मध्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्व विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा विनीता हॉस्पिटल के निदेशक डॉक्टर बिंदु विश्वकर्मा ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया। इस समझौता ज्ञाप (एमओयू) का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके लोगों को बीमारियों के मकड़जाल से बचाना है। विश्व

विद्यालय में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के द्वारा समय–समय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। अब दोनों संस्थानों में अनुबंध होने से विशेषज्ञ चिकित्सकों का लाभ जन सामान्य को मिल सकेगा। इसके साथ ही अस्पताल के निदेशक डॉ बिंदु विश्वकर्मा ने पहल की कि अब विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों को सीजीएचएस की दर पर अस्पताल में इलाज की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रबंधन विश्व विद्यालय के साथ मिलकर सामाजिक सरोकार को आगे बढ़ाएगा। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अस्पताल प्रबंधन के इस पहल की सराहना की।

इलाहाबाद एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

विनीता हॉस्पिटल ने मुक्त विश्वविद्यालय से किया एम ओ यू

मुक्त विवि कर्मियों को मिलेगी सीजीएचएस रेट पर इलाज की सुविधा

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं विनीता हॉस्पिटल के मध्य मुक्त विवि के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा विनीता हॉस्पिटल के निदेशक डॉ बिंदु विश्वकर्मा ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया।

इस एमओयू का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य सम्बंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके लोगों को बीमारियों के मकड़जाल से बचाना है। विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। अब दोनों संस्थानों में अनुबंध होने से विशेषज्ञ चिकित्सकों का लाभ मुक्त विवि के कर्मियों को मिल सकेगा।

अस्पताल के निदेशक डॉ बिंदु विश्वकर्मा ने पहल किया कि अब विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों को सीजीएचएस की दर पर अस्पताल में इलाज की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रबंधन विश्वविद्यालय के साथ मिलकर सामाजिक सरोकार को आगे बढ़ाएगा। कुलपति ने अस्पताल प्रबंधन के इस पहल की सराहना की है।

उजाला शिखर

हिन्दी दैनिक
प्रयागराज से प्रकाशित
ख़बर गहराईयों की
प्रयागराज, रविवार 18 अगस्त 2024

विश्वविद्यालय कर्मियों को मिलेगी सीजीएचएस रेट पर इलाज की सुविधा विनीता हॉस्पिटल ने मुक्त विश्वविद्यालय से किया एम ओ यू

कुलदीप शुक्ला उजाला शिखर संवाददाता प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं विनीता हॉस्पिटल के मध्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा विनीता हॉस्पिटल के निदेशक डॉक्टर बिंदु विश्वकर्मा ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया। इस समझौता ज्ञाप (एमओयू) का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके लोगों को बीमारियों के मकड़जाल से बचाना है। विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। अब दोनों संस्थानों में अनुबंध होने से विशेषज्ञ चिकित्सकों का लाभ जन सामान्य को मिल सकेगा। इसके साथ ही अस्पताल के निदेशक डॉ बिंदु विश्वकर्मा ने पहल की कि अब विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों को सीजीएचएस की दर पर अस्पताल में इलाज की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रबंधन विश्वविद्यालय के साथ मिलकर सामाजिक सरोकार को आगे बढ़ाएगा। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अस्पताल प्रबंधन के इस पहल की सराहना की।

हरबात

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र RNI No.-UPHIN/2020/82181 www.harbaatnews.com
प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 04 अंक : 257 प्रयागराज, रविवार, 18 अगस्त, 2024, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

रैगिंग सभ्य समाज के लिए अभिशाप- प्रोफेसर तिवारी

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 12 से 18 अगस्त के बीच एंटी रैगिंग सप्ताह आयोजित करने के निर्णय के अंतर्गत एंटी रैगिंग समिति द्वारा वेबीनार का आयोजन किया गया। रैगिंग मुक्त परिसर, मित्रता युक्त परिसर विषयक वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा ने कहा कि रैगिंग सभ्य समाज के लिए अभिशाप है। भारत में आजादी के बाद रैगिंग की शुरुआत दिखाई पड़ती है। उन्होंने कहा कि छात्रा का मानसिक शारीरिक भाषा जाति के आधार पर किया गया किसी भी प्रकार का भेदभाव जिससे उसको शारीरिक व मानसिक रूप से आघात पहुंचता है, रैगिंग की श्रेणी में आता है।

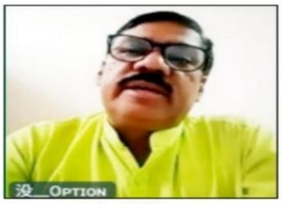

सरकार ने 1970 से इस पर ध्यान देना शुरू किया। रैगिंग को रोकने के लिए त्रिस्तरीय व्यवस्था की बात की गई है। प्रथम स्तर पर सरकारों से कहा गया कि नियम कानून बनाकर जागरूकता चला कर राइटिंग को रोक दूसरे व्यवस्था के तहत संस्थान रैगिंग के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाएं एवं इससे संबंधित नियम बनाएं तथा तीसरे स्तर पर अभिभावकों से भी यह कहा गया कि जो भी छात्र प्रवेश लगा उसके अभिभावक लिखित एफिडेविट देंगे कि उनके बच्चे रैगिंग की किसी भी गतिविधि में भाग नहीं लेंगे। प्रोफेसर तिवारी ने कहा कि आज सभी विश्वविद्यालय और कॉलेज इस पर गंभीरता पूर्वक लगे हैं रैगिंग किसी भी तरह से किसी भी रूप में न होने पाए क्योंकि रैगिंग एक बुराई है एक आप प्राकृतिक व्यवहार हैं हम मानवी व्यवहार है जो की नैतिक मूल्यों के विरुद्ध है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि रैगिंग शिक्षण संस्थानों एवं समाज से खत्म होनी चाहिए। जाति, धर्म, भाषा और रंग किसी भी आधार पर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज हमें मित्रता युक्त परिसर का निर्माण करना है। जिसमें जूनियर सीनियर छात्र एक दूसरे के मनोभावों को समझ सकें और अपने विचारों को खुलकर व्यक्त कर सकें। कुलपति ने कहा कि सभ्य समाज का निर्माण हम लोगों के सामूहिक प्रयास से ही संभव है।जिसके लिए हमें रैगिंग को खत्म करना होगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने किया तथा अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्त ने किया। धन्यवाद प्रोफेसर मीरा पाल ने किया। कार्यक्रम में कुल 50 प्रतिभागी ऑनलाइन उपस्थित रहे।

हरबात

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र RNI No.-UPHIN/2020/82181 www.harbaatnews.com
प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 04 अंक : 257 प्रयागराज, रविवार, 18 अगस्त, 2024, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

विश्वविद्यालय कर्मियों को मिलेगी सीजीएचएस रेट पर इलाज की सुविधा

विनीता हॉस्पिटल ने मुक्त विश्वविद्यालय से किया एमओयू

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं विनीता हॉस्पिटल के मध्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा विनीता हॉस्पिटल के निदेशक डॉक्टर बिंदु विश्वकर्मा ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया।

इस समझौता ज्ञाप (एमओयू) का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके लोगों को बीमारियों के मकड़जाल से बचाना है। विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। अब दोनों संस्थानों में अनुबंध होने से विशेषज्ञ चिकित्सकों का लाभ जन सामान्य को मिल सकेगा। इसके साथ ही अस्पताल के निदेशक डॉ बिंदु विश्वकर्मा ने पहल की कि अब विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों को सीजीएचएस की दर पर अस्पताल में इलाज की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रबंधन विश्वविद्यालय के साथ मिलकर सामाजिक सरोकार को आगे बढ़ाएगा। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अस्पताल प्रबंधन के इस पहल की सराहना की।

अनुराग दर्शन

www.anuragdarshan.com

विश्वविद्यालय कर्मियों को मिलेगी सीजीएचएस रेट पर इलाज की सुविधा

विनीता हॉस्पिटल ने मुक्त विश्वविद्यालय से किया एम ओ यू

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं विनीता हॉस्पिटल के मध्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा विनीता हॉस्पिटल के निदेशक डॉक्टर बिंदु विश्वकर्मा ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया। इस समझौता ज्ञाप (एमओयू) का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके लोगों को बीमारियों के मकड़जाल से बचाना है। विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। अब दोनों संस्थानों में अनुबंध होने से विशेषज्ञ चिकित्सकों का लाभ जन सामान्य को मिल सकेगा। इसके साथ ही अस्पताल के निदेशक डॉ बिंदु विश्वकर्मा ने पहल की कि अब विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों को सीजीएचएस की दर पर अस्पताल में इलाज की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रबंधन विश्वविद्यालय के साथ मिलकर सामाजिक सरोकार को आगे बढ़ाएगा। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अस्पताल प्रबंधन के इस पहल की सराहना की।

संयम भारत

हिन्दी दैनिक
18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर
वर्ष : 18 अंक : 150
नगर संस्करण,
पृष्ठ - 4,
मूल्य 1.00 रु0
उत्तर प्रदेश रविवार, 18 अगस्त 2024 प्रयागराज विचार

विश्वविद्यालय कर्मियों को मिलेगी सीजीएचएस रेट पर इलाज की सुविधा

विनीता हॉस्पिटल ने मुक्त विश्वविद्यालय से किया एम ओ यू

विशेष संवाददाता

प्रयागराज, संयम भारत,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं विनीता हॉस्पिटल के मध्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा विनीता हॉस्पिटल के निदेशक डॉ बिंदु विश्वकर्मा ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया। इस समझौता ज्ञाप (एमओयू) का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके लोगों को बीमारियों के मकड़जाल से बचाना है। विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। अब दोनों संस्थानों में अनुबंध होने से विशेषज्ञ चिकित्सकों का लाभ जन सामान्य को मिल सकेगा। इसके साथ ही अस्पताल के निदेशक डॉ बिंदु विश्वकर्मा ने पहल की कि अब विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों को सीजीएचएस की दर पर अस्पताल में इलाज की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रबंधन विश्वविद्यालय के साथ मिलकर सामाजिक सरोकार को आगे बढ़ाएगा। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अस्पताल प्रबंधन के इस पहल की सराहना की।

SANYAM BHARAT NEWS

23अगस्त, 2024

मुक्तविश्वविद्यालय मेंआउटसोर्सिंगकर्मचारियों का हुआस्वास्थ्य परीक्षण

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञानविद्या शाखा एवंआरएलपीगरुणासिक्योरिटीप्राइवेटलिमिटेड, प्रयागराज, सेवाप्रदाता एजेंसी के संयुक्ततत्वावधानमेंविश्वविद्यालय मेंकार्यरतकुशल एवंअकुशलश्रमिकों का ईएसआईसी के चिकित्सकों द्वारास्वास्थ्य परीक्षणकियागया।स्वास्थ्य विज्ञानविद्या शाखा की प्रभारीप्रोफेसरमीरापाल ने बतायाकिशिविरमेंविश्वविद्यालय के विभिन्नविभागोंमेंकार्यरतआउटसोर्सिंगकर्मचारियों के वजन, लंबाई, पल्सरेट, ऑक्सीजनलेवल, शुगरतथा ब्लड प्रेशरआदि की जांच की गई।उन्होंनेबतायाकिकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम के निर्देशपर यह शिविरश्रमिकों की स्वास्थ्य के प्रतिविश्वविद्यालय की प्रतिबद्धताकोदर्शाताहै।उन्होंनेबतायाकिभविष्य मेंऔरभीवृहदस्तरपरस्वास्थ्य परीक्षणशिविरआयोजितकिया जाएंगे।

e-paper : www.dailynewsactivist.com

DNA डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक website : www.dnahindi.com

मुक्त विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 11 सितंबर को, पंजीकरण प्रारंभ

दिसंबर-2023 तथा जून-2024 सत्र में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को प्रदान की जायेंगी उपाधियां

प्रयागराज डीएनएन। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज, का 19वां दीक्षांत समारोह आगामी 11 सितंबर को पूर्वाह्न 11 बजे आयोजित किया जाएगा। समारोह में दिसंबर-2023 तथा जून-2024 सत्र में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को उपाधियां प्रदान की जायेंगी। राज्यपाल तथा कुलाधिपति की स्वीकृति मिलने के बाद विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह की गतिविधियां तेज हो गई हैं। समारोह के सफल संचालन के लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने 17 समितियों का गठन किया है। कुलपति ने सभी समितियों के समन्वयकों के साथ बैठक करके समयबद्ध ढंग से सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया है। पंजीयन एवं वेबसाइट समिति की समन्वयक प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं के लिए पंजीकरण प्रपत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सत्रांत परीक्षा दिसम्बर 2023 एवं जून 2024 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण शिक्षार्थियों तथा सभी अध्ययन केन्द्रों को एसएमएस के द्वारा सूचना प्रेषित की जा रही है कि वह पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करवायें। उन्होंने बताया कि पंजीकरण की विंडो अभी खुली रहेगी। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, बरेली, आजमगढ़, गाजियाबाद तथा लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयकों को कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने निर्देशित किया है कि वह अपने-अपने क्षेत्र से अधिकाधिक छात्रों का पंजीकरण सुनिश्चित करायें, जिससे वह अपने विश्वविद्यालय को देख सकें एवं दीक्षांत समारोह में उपस्थित रहकर उपाधि प्राप्त कर सकें। उधर कुलपति के निर्देश के बाद विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह को चमकाने का कार्य तेजी से प्रारंभ कर दिया गया है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित अटल प्रेक्षागृह में दीक्षांत समारोह का आयोजन सुनिश्चित किया गया है।

लखनऊ 23-08-2024

http://www.dailynewsactivist.com

डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

Vol. 17, Issue 19 Daily, pages - 8, Rs. 1.00, Morning Edition Prayagraj WEBSITE : www.jeevanexpress.in

JEEVAN EXPRESS

PRAYAGRAJ FRIDAY, 23 AUGUST 2024

Convocation of UPRTOU to held on September 11, registration begins

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: The 19th convocation of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj will be held on September 11. In which degrees will be awarded to the candidates who passed in December 2023 and June 2024 sessions. After getting the approval of the Governor and the Chancellor, the activities of the convocation have intensified in the university. Vice Chancellor Prof Satyakam has constituted 17 committees for the successful conduct of the convocation. VC held a meeting with the coordinators of all the committees and directed to complete all the preparations in a timely manner. Prof. Shruti, coordinator of the Registration and Website Committee, said that the registration form for the students attending the convocation has been uploaded on the university website. He informed that information is being sent to the students who passed the December 2023 and June 2024 examinations and all the study centers to complete the registration process. He informed that the registration window will remain open for now. University Public Relations Officer Dr. Prabhat Chandra Mishra said that Vice Chancellor Professor Satyakam has directed the coordinators of the regional centers of Prayagraj, Varanasi, Gorakhpur, Ayodhya, Jhansi, Kanpur, Agra, Meerut, Bareilly, Azamgarh, Ghaziabad and Lucknow to register maximum number of students.

समय से पहले 'समय' पर नजर नगर-संस्करण

न्यायाधीश

डाक रजिस्ट्रेशन नं.- ए.डी.34/2021-23

प्रयागराज, शुक्रवार 23 अगस्त,2024

मुक्त विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 11 सितंबर को, पंजीकरण प्रारंभ

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 19वां दीक्षांत समारोह आगामी 11 सितंबर 2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे आयोजित किया जाएगा। दीक्षांत समारोह में दिसंबर 2023 तथा जून 2024 सत्र में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएगी। राज्यपाल तथा कुलाधिपति की स्वीकृति मिलने के बाद विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह की गतिविधियां तेज हो गई हैं। दीक्षांत समारोह के सफल संचालन के लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने 17 समितियों का गठन किया है। कुलपति ने सभी समितियों के समन्वयकों के साथ बैठक करके समयबद्ध ढंग से सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया।पंजीयन एवं वेबसाइट समिति की समन्वयक प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं के लिए पंजीकरण प्रपत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सत्रांत परीक्षा दिसम्बर 2023 एवं जून 2024 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण शिक्षार्थियों तथा सभी अध्ययन केन्द्रों को एसएमएस के द्वारा सूचना प्रेषित की जा रही है कि वह पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करवायें। उन्होंने बताया कि पंजीकरण की विंडो अभी खुली रहेगी।विश्वविद्यालय के जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, बरेली, आजमगढ़, गाजियाबाद तथा लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयकों को कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने निर्देशित किया है कि वह अपने-अपने क्षेत्र से अधिकाधिक छात्रों का पंजीकरण सुनिश्चित करायें, जिससे वह अपने विश्वविद्यालय को देख सकें एवं दीक्षांत समारोह में उपस्थित रहकर उपाधि प्राप्त कर सकें। उधर कुलपति के निर्देश के बाद विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह को चमकाने का कार्य तेजी से प्रारंभ कर दिया गया है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित अटल प्रेक्षागृह में दीक्षांत समारोह का आयोजन सुनिश्चित किया गया है।

VOL. 16 NO. 229 MORNING EDITION PRAYAGRAJ

JUSTICE EXPRESS

FRIDAY, 23 AUGUST 2024, PAGE 1-8 www.justiceexpress2009@gmail.com RNI: UPENG/2009/28741 * City/Dak Edition Price Rs. 1.00 * Out of City Edition Price Rs. 1.00

NATION WORLD SPORTS

Open University convocation on September 11, registration begins

JE CORRESPONDENT

Prayagraj: The 19th convocation of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj will be held on 11 September 2024 at 11:00 am. In the convocation, degrees will be awarded to the candidates who passed in December 2023 and June 2024 sessions. After getting the approval of the Governor and the Chancellor, the activities of the convocation have intensified in the university. Vice Chancellor Professor Satyakam has constituted 17 committees for the successful conduct of the convocation. The Vice Chancellor held a meeting with the coordinators of all the committees and directed to complete all the preparations in a timely manner.

Professor Shruti, coordinator of the Registration and Website Committee, said that the registration form for the students attending the convocation has been uploaded on the university website. He informed that information is being sent through SMS to the students who have passed the term-end examination of December 2023 and June 2024 and all the study centers to complete the registration process. He informed that the registration window will remain open for now.

University Public Relations Officer Dr. Prabhat Chandra Mishra informed that Vice Chancellor Professor Satyakam has directed the coordinators of Prayagraj, Varanasi, Gorakhpur, Ayodhya, Jhansi, Kanpur, Agra, Meerut, Bareilly, Azamgarh, Ghaziabad and Lucknow Regional Centers of the state to ensure registration of maximum number of students from their respective areas, so that they can see their university and get the degree by attending the convocation. On the other hand, after the instructions of the Vice Chancellor, the work of beautifying the Atal Auditorium of the University has been started rapidly. The convocation has been ensured in the Atal Auditorium equipped with modern facilities.